नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

मणिपुर में गिरफ़्तारी के विरोध में बवाल, 2 जिलों हुए प्रभावित

इंफाल(ईएमएस)। बीते कई महीनों से मणिपुर में हो रही हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। यहां आए दिन बवाल हो रहा है। बीते रोज कूकी जो आदिवासियों की गिरफ्तारी के विरोध को लेकर जमकर बवाल हुआ। जिसके कारण यहां के दो जिलों में जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। आईटीएलएफ और सीओटीयू की महिला शाखा इंफाल से दो किशोर छात्रों के कथित अपहरण और हत्या के मामले में चार लोगों को मनमाने ढंग से गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। जिसके विरोध में चुराचांदपुर और इंफाल को बंद करने का आव्हान किया गया था। जिसके कारण यहां सडके सूनी रही और दुकाने भी नहीं खोली गई। पुलिस ने कहा कि बाजारों में कोई गतिविधि नहीं देखी गई और सरकारी कार्यालयों में कोई उपस्थिति नहीं देखी गई, जबकि बैंक और शैक्षणिक संस्थान बंद रहे।

गोण्डा गुरुवार 05 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 48 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

मोदी-शाह की टीम भाजपा के जिला, मंडल पदाधिकारियों से ले रही फीडबैक

जन आशीर्वाद का क्या हुआ असर और क्या सोच रही है जनता

भोपाल, ईएमएस। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के पहले भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 3 से 25 सितंबर तक पांच अलग-अलग जन आशीर्वाद यात्राएं निकालीं। जन आशीर्वाद यात्राएं अपने ध्येय में कितनी सफल रहीं और इसका विधानसभा चुनाव में भाजपा को क्या और कितना फायदा होने वाला है, इसका फीडबैक लेने के लिए मोदी-शाह ने संघ के प्रचारक स्तर के एक पदाधिकारी के नेतृत्व में टीम को हाल ही में मध्यप्रदेश भेजा है। यह टीम जन आशीर्वाद यात्रा के फीडबैक की रिपोर्ट भाजपा हाईकमान को देगी। जिसके बाद पार्टी विधानसभा चुनाव की आगामी रणनीति तय करेगी।

भाजपा सूत्रों के अनुसार मोदी-शाह की यह टीम प्रदेशभर में जाकर भाजपा के जिला, मंडल स्तर के पदाधिकारियों के साथ पुराने नेताओं एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से अलग-अलग जन आशीर्वाद यात्राओं का फीडबैक ले रही है। इसमें पार्टी के जिला, मंडल पदाधिकारियों और पुराने नेताओं से जन आशीर्वाद यात्रा का विधानसभा चुनाव में पार्टी को क्या फायदा होगा? किस विधानसभा सीट पर पार्टी की क्या स्थिति है और चुनाव प्रबंधन की क्या स्थिति है? कौन-कौन नेता नाराज हैं और उन्हें कैसे मनाया जा सकता है, ऐसे कई सवाल पूछे जा रहे हैं।

- मिली कई शिकायतें

भाजपा सूत्रों के अनुसार जन आशीर्वाद यात्राओं की फीडबैक टीम को प्रदेश भर से जिला, मंडल पदाधिकारियों और पुराने नेताओं की अलग-अलग शिकायतें सामने आई हैं। जिसमें कुछ जगह जिला एवं मंडल पदाधिकारियों ने जन आशीर्वाद यात्रा में स्थानीय विधायकों के सहयोग न करने की शिकायत की। कुछ पदाधिकारियों ने जन आशीर्वाद यात्रा का पार्टी का साहित्य, गमछे और बुकलेट नहीं मिलने की भी शिकायतें कीं। पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं की शिकायत थी कि विधायक उन्हें तवज्जो नहीं देते हैं। इस तरह की शिकायतें सिंधिया के करीब मंत्रियों और विधायकों को लेकर ज्यादा रहीं।

- क्या ध्येय था जन आशीर्वाद यात्रा का

हम बता दें कि भाजपा जन आशीर्वाद यात्राओं को निकालने के पीछे भाजपा हाईकमान का ध्येय विधानसभा चुनाव के पहले प्रदेश की जनता के मूड को समझना, एंटी इनकबेंसी को रोकना और सत्ता-संगठन से नाराज नेताओं-कार्यकर्ताओं में उत्साह फूंकना था।

लैंड फॉर जॉब मामले में लालू को राहत,अब 16 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। लैंड फॉर जॉब मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को बड़ी राहत मिली है। ?दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव को जमानत दे दी है। अब मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। आपको बता दे कि वर्ष 2004 से 2009 तक केंद्रीय रेल मंत्री थे इसी दौरान उन पर नौकरी के बदले जमीन लेने के आरोप लगे थे। कहा गया था कि रेलवे में नौकरी दिलाने के लिए लालू परिवार ने बेरोजगारों से जमीन ली है। इसी मामले में लालू यादव और अन्य के खिलाफ समन जारी किए गए थे जिसके पालन में लालू सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुए। विशेष सीबीआई न्यायाधीश, न्यायमूर्ति गीतांजलि गोयल ने लालू और अन्य को तब तलब किया था जब सीबीआई ने हाल ही में अदालत को सूचित किया था कि प्रसाद के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सक्षम अधिकारियों से अपेक्षित मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। समन जारी करते समय, अदालत ने कहा था कि सबूत प्रथम दृष्ट्या भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी सहित विभिन्न अपराधों को अंजाम देना दिखाते हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 3 जुलाई को लालू और अन्य के खिलाफ एक नया आरोप पत्र दायर किया। इसमें उल्लेख किया गया कि रेलवे के मानदंडों, दिशानिर्देशों और प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए, मध्य रेलवे में उम्मीदवारों की अनियमित/अवैध नियुक्तियां की गई।

वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लिए यूपी के 762 नगरों के विकास पर योगी सरकार का फोकस

सोशल, इन्वॉयरमेंटल और इकोनॉमिकल सस्टेनिबिलिटी के आधार पर नगरों का होगा कायाकल्प

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। यूपी को अगले पांच साल में वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने में जुटी योगी सरकार ने प्रदेश के सात सौ से ज्यादा नगरों को लेकर सुनियोजित ढंग से कार्य करना शुरू कर दिया है। फिलहाल प्रदेश में मौजूद 10 स्मार्ट सिटी सहित सभी नगर निगमों को सेफ और स्मार्ट सिटी के रूप में तेजी से डेवलप किया जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री की मंशा प्रदेश के 762 नगर निकायों के कायाकल्प के जरिए यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य तय करने को लेकर है। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र के अनुसार नगरों का विकास सस्टेनेबल ग्रोथ के तीन स्तंभों पर आधारित है, जिससे की विकास की पूरी प्रकिया को स्थाई रूप प्रदान किया जा सके।

मिशन टू मूवमेंट

प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला प्रदेश बनाने के लिए सरकार का फोकस ना केवल आर्थिक मोर्चे पर है बल्कि समाज और पर्यावरण भी सरकार की प्राथमिकता में है। दरअसल, प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यवसाय, सामान्य अवस्थापना, पीने के लिए शुद्ध पेयजल, अस्पताल, बिजली, सड़क और

आवास के लिए योगी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन टू मूवमेंट के जरिए अपना लक्ष्य तय कर रही है। सरकार प्रदेश के विकास के हर मिशन को जनआंदोलन का रूप देना चाहती है। इसी नजरिए के साथ प्रदेश के सभी 762 नगरों को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर ही डेवलप करने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है।

गेटिंग मोर फ्रॉम लेस

मुख्य सचिव के अनुसार स्मार्टनेस की हमारी अवधारणा गेटिंग मोर फ्रॉम लेस की है। यानी संसाधनों का ऑप्टिमम यूटिलाइजेशन हो। इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ साथ टेक्नोलॉजी पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यक्ता है। जैसे, प्रदेश के सभी स्मार्ट सिटी और नगर निगमों को आज इंटिग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर (ICCC) से जोड़ा जा चुका है। कोरोना काल में आई ट्रिपल सी ने शानदार काम किया था। मगर आज इनके जरिए एक ही छत के नीचे से पूरे शहर को मैनेज किया जा सकता है। ये आई ट्रिपल सी आज नगरों के नर्व्स और ब्रेन दोनों बन चुके हैं।

सोशल सस्टेनेबिलिटी

मुख्य सचिव के अनुसार सोशल सस्टेनेबिलिटी के जरिए आम जनता को विकास की प्रक्रिया के साथ जोड़ना है। जनता खुद विकास कार्यों से जुड़े, पर्यावरण के महत्व को समझे, हमारे प्राचीन भारतीय मूल्यों के साथ जुड़कर विकास के कार्यों में सहभागी बने। हर कोई जानता है कि यूपी में नदियों का जाल है, ज्यादातर हिमालयी नदियों में सालभर पानी रहता है। बावजूद इसके कई नदियां मृतप्राय हो गई थीं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जनता का नदियों से जुड़ाव खत्म होने लगा था। धीरे धीरे नदियां कूड़ा और औद्योगिक कचरा ढोने वाली वाहिकाएं बनने लगीं। मगर योगी सरकार में यूपी में 50 से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया जा चुका है। इसी प्रकार ऐसे तमाम पोखरे तालाब लगभग मर चुके थे। आज उन्हें अमृत सरोवर का रूप दिया गया है। इनके पास अमृत वन बनाए गये हैं। तालाबों पर घाट बन गये हैं। यानी विकास की प्रक्रिया को हमारे मूल्यों के साथ जोड़ते हुए जनता को कनेक्ट करने का कार्य भी किया जा रहा है। क्योंकि विकास को जबतक लोगों के साथ नहीं जोड़ेंगे वो सस्टेनेबल नहीं होगा।

इन्वायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2070 तक कार्बन फुटप्रिंट को जीरा करने का संकल्प लिया है। उत्तर प्रदेश सरकार भी प्रदेश में लाइफस्टाइल को इनवायरमेंट फ्रेंडली बनाने में लगी है। मुख्य सचिव के अनुसार हमें संसाधनों का दोहन नहीं करना है। बल्कि सरकार का विशेष बल जनता के बिहेवियरल चेंज पर है। सरकार संसाधनों के रिड्यूस, रियूज और रिसाइकिल के जरिए एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी के फॉर्मूयले पर काम कर रही है।

इकोनॉमिकल सेस्टेनेबिलिटी

ठीक ऐसे ही इकोनॉमिकल सेस्टेनेबिलिटी में नवाचार के जरिए नई व्यवस्थाएं कैसे क्रियेट करें इसे लेकर सरकार का पूरा फोकस है। आज प्रदेश के युवाओं में इनोवेशन करने की चाहत बहुत तेजी से बढ़ रही है। नये स्टार्टअप तेजी से सामने आ रहे हैं। युवा वर्ग स्टार्टअप के जरिए अपना भविष्य संवारने में जुटा है। हॉर्टीकल्चर, कल कारखाना, पॉवर सेक्टर, रोड सेक्टर, रियल स्टेट जैसे टेक्नोलॉजी से जुड़ सेक्टर के अलावा हर क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर नवाचार हो रहे हैं। दरअसल हर नवाचार में टेक्नोलॉजी केवल लिफाफा भर है। इसमें सस्टेनेबिलिटी तब आएगी जब हम अपने इनोवेशन को समाज और पर्यावरण के अनुकूल रखते हैं। सरकार समाज, पर्यावरण और अर्थतंत्र तीनों के स्थाई विकास के लिए कार्य कर रही है।

गोल्डन बॉय नीरज ने फिर दिलाया देश को सोना, 88.88 मीटर का थ्रो

किशोर ने 87.54 मीटर के साथ सिल्वर मेडल

नई दिल्ली (ईएमएस)। एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन बुधवार को भी जारी है। एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों की धूम 11वें दिन भी जारी है।

वहीं स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए सोना दिलाया है, तब जेवलिन थ्रो का रजत पदक भी भारत के ही किशोर जेना को मिला है। नीरज ने 88.88 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड जीता, वहीं किशोर ने 87.54 मीटर के साथ सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। एथलेटिक्स में ट्रैक एंड फील्ड में भी भारत का जलवा 11वें दिन भी जारी है। पुरुषों की रिले रेस टीम ने चार गुणा चार सौ मी. रेस में स्वर्ण पर कब्जा किया, तब महिलाओं की 800 मी. रेस में हरमिलन बैंस, चार गुणा चार सौ मी रिले रेस और पुरुषों की पांच हजार मी.रेस में अविनाश साबले ने रजत पदक दिलाया है, वहीं स्कवॉश में सौरव घोषाल ने फाइनल में प्रवेश करके रजत सुनिश्चत किया है। वहीं, मुक्केबाजी में लवलीन ने रजत पदक दिलाया, तब हॉकी ने फाइनल में जगह बना ली है। अबतक भारत के खाते में 81 मेडल आ गए हैं, जिसमें 18 गोल्ड, 31 सिल्वर और 32 ब्रॉन्ज मेडल हैं। वहीं, तीरंदाजी में ज्योति वेन्नम और ओजस देवताले ने टीम स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। बता दें कि साल 2018 के एशियन गेम्स में भारत ने कुल 70 मेडल जीते थे। यानी इस बार भारतीय दल एशियन गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाते हुए कुल 70 मेडल्स से ज्यादा हासिल कर लिए हैं।

फर्जी सीबीआई अधिकारी पर महोबा जीआरपी ने दर्ज किया मुकदमा

झांसी। ट्रेन में बगैर टिकट यात्रा करते पकड़े गए खुद को सीबीआई का अफसर बताने वाले युवक को महोबा जीआरपी के पास भेज दिया गया है। वहां जीआरपी ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गाड़ी संख्या 19665 खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी में रविवार को टिकट चेकिंग स्टाफ ने मिर्जापुर निवासी युवक प्रवेश दुबे को बगैर टिकट यात्रा करते पकड़ा था। इस दौरान युवक ने खुद को सीबीआई का अफसर बताते हुए टिकट चेकिंग स्टाफ को दबाव में लेने की कोशिश की थी। लेकिन, ट्रेन के झांसी पहुंचने पर टिकट चेकिंग स्टाफ ने उसे जीआरपी के हवाले कर दिया था। चूंकि, युवक मऊरानीपुर से ट्रेन में सवार हुआ था। ऐसे में झांसी जीआरपी ने अपना क्षेत्र न बताते हुए मामला महोबा जीआरपी को हस्तांतरित कर दिया। महोबा जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी करने एवं बिना टिकिट यात्रा करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इसके अलावा मामले की जांच शुरू कर दी है। जीआरपी के सीओ नईम खान मंसूरी ने बताया कि घटना स्थल महोबा जीआरपी का होने के कारण मामले को वहीं हस्तांतरित कर दिया गया।

लग्जरी सुविधाओं से लैंस मार्च 2024 तक ट्रैक पर उतरेगी स्लीपर वंदेभारत

सीसीटीवी कैमरे, वैक्यूम टॉयलेट और मिनी पैंट्री होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वंदेभारत एक्सप्रेस यात्रियों को खूब पसंद आ रही है। इसकारण भारतीय रेलवे अब तक 35 वंदेभारत को ट्रैक पर उतार चुका है। लगातार वंदेभारत ट्रेनों का निर्माण चल रहा है, जिससे अधिक से अधिक यात्री शानदार ट्रेन से सफर का आनंद उठा सकें। अभी तक जो वंदेभारत एक्सप्रेस चल रही हैं, वे बैठने वाली हैं, लेकिन जल्द ही लोग स्लीपर वंदेभारत का आनंद उठा सकते हैं।

रेलवे ने स्लीपर वंदेभारत को ट्रैक पर उतारने की तैयारी पूरी कर ली है। इसकी डेडलाइन भी तय हो चुकी है। रेल मंत्रालय के अनुसार तय समय पर स-?लीपर वंदेभारत से सफर का आनंद सकते हैं। इसका डिजाइन लगभग फाइनल हो गया है। रेल मंत्रालय के अनुसार अगले वर्ष मार्च 2024 तक यह ट्रेन ट्रैक पर आ जाएगी। पहली स्लीपर वंदेभारत आईसीएफ चेन्नई ही बनाएगा। राजधानी व अन्य प्रीमियम ट्रेनों से इसका स्लीपर कोच थोड़ा अलग होगा। इसमें प्रत्येक कोच में चार के बजाए तीन टॉयलेट रहने वाले हैं। इसके साथ ही एक मिनी पेंट्री भी बनेगी।

एक स्लीपर वंदेभारत ट्रेन में कुल 823 बर्थ होंगी। इसमें यात्रियों के लिए 823 बर्थ और स्टाफ के लिए 34 बर्थ होंगी। स्लीपर वंदेभारत का प्रोटो टाइप दिसंबर 2023 तक तैयार होगा। वास्तविक ट्रेन मौजूदा वित्तीय वर्ष में आ जाएगी।

नई वंदे भारत एक्सप्रेस हल्की है और मात्र 52 सेकंड में 100 किमी की रफ्तार पकड़ सकती है। फिलहाल, सभी वंदे भारत ट्रेनें पूरी तरह से वातानुकुलित हैं और उन सभी में स्वचालित दरवाजे हैं। वंदे भारत ट्रेन के चेयर को 180 डिग्री तक रोटेट किया जा सकता है। ट्रेन में जीपीएस आधारित इंफॉर्मेशन सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे, वैक्यूम टॉयलेट हैं। इसमें पावर बैकअप की भी व्यवस्था है। यह ट्रेन सुरक्षा कवच से लैस है। सफर के दौरान यात्री खुद को सुरक्षित महसूस करें, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। इसमें पुश बटन स्टॉप की सुविधा भी दी गई है। किसी भी आपात स्थिति में ट्रेन को एक बटन दबाकर रोका जा सकता है।

संपत्ति हड़पने वाले गिरोह का हिस्ट्रीशीटर बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद। पुलिस ने फर्जी शादी कराकर संपत्ति पर कब्जा करने वाले गिरोह के हिस्ट्रीशीटर बदमाश सचिन को गिरफ्तार किया है। गिरोह में तीन महिलाएं भी हैं। गिरोह ऐसे लड़कों की तलाश करता था, जो अमीर घरों से हैं और उनकी शादी नहीं हो रही है। पुलिस शादी करने वाली महिला व अन्य बदमाशों की तलाश में लगी है। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि रविवार रात पुलिस को सूचना मिली कि फर्जी शादी कराकर संपत्ति हड़पने वाले बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। थाना प्रभारी मुकेश सोलंकी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस ने जलालाबाद मार्ग पर चेकिंग अभियान चलाकर एक बदमाश को गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम सचिन निवासी नूरपुर गांव बताया। थाना मसूरी का सचिन हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। एसीपी ने बताया कि पकड़ा गया बदमाश प्रीति निवासी सोनीपत के साथ मिलकर फर्जी शादी कराने का गिरोह चला रहे हैं।

मंदबुद्धि युवक से कराई शादी अब संपत्ति हड़पने की थी तैयारी

नूरपुर गांव निवासी निवासी हिस्ट्रीशीटर सचिन का यूआईएमटी कॉलेज की चेयरपर्सन डॉ. सुधा सिंह के पास आना जाना था, उसने जान पहचान का फायदा उठाते हुए सोनीपत निवासी प्रीति को डॉ. सुधा सिंह के घर में मेड रखवाया। इसके बाद चेयरपर्सन के मंदबुद्धि बेटे शिवम के साथ प्रीति की शादी कराने के लिए मना लिया। शादी के बाद ही प्रीति का विवाद हो गया और वह अपने घर चली गई।

अवैध अतिक्रमण हटाने में करें सहयोग, बाधा उत्पन्न करने पर होगी कार्रवाई - आयुक्त

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। मण्डलायुक्त देवीपाटन मंडल योगेश्वर राम मिश्र ने गोंडा शहर में चलाये जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा नजूल की जमीन पर किये गये अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा जिन लोगों ने नजूल की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया है उन्हें सूचीबद्ध किया जा रहा है और आगे भी ऐसे लोगों के द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया जाएगा साथ ही उनसे अर्थ दंड भी वसूला जाएगा। मंडलायुक्त ने कहा कि सभी लोग अवैध अतिक्रमण हटाने में जिला प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई में सहयोग करें। अवैध अतिक्रमण हटाने में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मण्डलायुक्त ने कहा गोण्डा जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि वह जल्द से जल्द अवैध अतिक्रमण हटाए।

गोण्डा। कलेक्ट्रेट में जनसमस्याओं की सुनवाई करती हुई जिलाधिकारी

मिशन शक्ति 2.0 एवं महिला उद्यमिता विकास का 6 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा में मिशन शक्ति के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा 6 दिवसीय महिला सुरक्षा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप आयुक्त उद्योग जिला उद्योग केंद्र गोंडा बाबूराम रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी बेलसर विजयकांत मिश्रा रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि उप आयुक्त उद्योग बाबूराम ने महिला समानता सम्मान एवं सुरक्षा, महिलाओं एवं बालिकाओं की आत्म रक्षा, सामाजिक सुरक्षा हेतु सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूह, प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना, कौशल विकास मिशन कार्यक्रम, मुद्रा लोन, सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दिया और कहा कि आप सब इन योजनाओं का लाभ उठा करके स्वावलंबी बन सकती हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी बेलसर विजयकांत मिश्रा ने सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार बालिकाओं एवं महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है आप सब इसका लाभ उठाएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं और युवाओं के लिए बहुत सी योजनाएं संचालित की जा रही हैं उन योजनाओं की जानकारी प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनर आप सभी को देंगे जिससे निकट भविष्य में आप सब स्वावलंबी बन सकेंगे। कार्यक्रम को एडीओ पंचायत गिरिजेश पटेल, लखनऊ आईकान के एरिया इंचार्ज धीरेंद्र प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी रगड़गंज गोपाल सिंह, महिला आरक्षी गरिमा सिंह, विवेक कुमार कनौजिया प्रतिनिधि आईकॉन, लाल बहादुर कनौजिया आदि ने भी संबोधित किया। आयोजक सुरेश चौधरी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत कर उनके प्रति आभार प्रकट किया और बताया की 6 दिवसीय प्रशिक्षण में महिलाओं को आत्मरक्षा ,सामाजिक सुरक्षा हेतु सरकार की विभिन्न योजनाओं महिला उद्यमिता आदि का प्रशिक्षण दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि इस प्रशिक्षण हेतु 150 बालिकाओं महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर बीपी चौधरी, कविता कनौजिया, मनोज कंचन, लक्ष्मी गौतम, रफत उस्मानी, रवि वर्मा, नकछेद सिंह आदि के साथ सैकड़े महिलाएं उपस्थित रही।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में रामलीला, दुर्गापूजा व दशहरा पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु बैठक हुई

अयोध्या संवाददाता

अयोध्या। जिला मजिस्टेऊट/जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार की अध्यक्षता में रामलीला, दुर्गापूजा व दशहरा पर्व 2023 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु कलेक्टेऊट सभागार नवीन में पुलिस/कार्यदायी विभागोंके अधिकारियों एवं दुर्गापूजा समिति के पदाधिकारीगण के साथ बैठक हुई। इस बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजकरन नय्यर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था सुदृढ़ रखी जायें तथा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये जाये। उन्होंने प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, बेरिकेटिंग आदि व्यवस्थायें/तैयारियां को पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये तथा जल निगम/संबंधित विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में खराब हैंडपम्पों को ठीक करायें। उन्होंने अयोध्या में प्रतिमाओं के विसर्जन स्थल पर सुरक्षा, प्रकाश सम्बंधी समस्त व्यवस्थायें को समय से पूर्ण किये जाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये तथा जिलाधिकारी ने सभी से सहयोग की अपील की।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यकतानुसार जगह-जगह स्वास्थ्य कैम्प लगाने के निर्देश दिये तथा सभी एसडीएम दुर्गा पूजा स्थलों पर सफाई व्यवस्था अच्छी रखें। उन्होंने दुर्गापूजा/दशहरा के अवसर पर केन्द्रीय दुर्गापूजा एवं रामलीला समन्वय समिति से जिला प्रशासन अपेक्षित सहयोग करेंगा। जिलाधिकारी ने कहा कि अनुमति प्राप्त करने हेतु दिये जा रहे प्रार्थना पत्र में मूर्ति स्थापित करने का स्थान, दिनांक एवं समय, विद्युत सुरक्षा का प्रमाण पत्र व कम से कम 05 जिम्मेदार व्यक्तियों के नाम पते एवं मोबाइल नम्बर अवश्य अंकित किया जाय तथा जिस मूर्तिकार से दुर्गा जी की प्रतिमा खरीदी जायेगी, उसको मूर्ति स्थापना हेतु दिये गये अनुमति पत्र की छायाप्रति अवश्य दी जायेगी। बिजली के तारों में कटिया कनेक्शन न लगाकर अस्थायी रूप से बिजली का कनेक्शन नियमानुसार लिया जाय तथा वायरिंग के किसी भी तार को खुला न छोड़ा जाय, सभी पर टेपिंग अवश्य की जाय, जिससे शार्ट सर्किट न होने पाये। सभी पूजा पंडाल सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत कनेक्शन/वायरिंग की चेकिंग कराकर विद्युत सुरक्षा का प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पूजा पंडाल एवं सड़कों पर की जाने वाली सजावट 12 फीट के ऊपर हो, जिससे कि मूर्तियों के निकलने में असुविधा न हों एवं लगे तारों को उठाना या हटाना न पड़ें। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन हेतु जी0आई0सी0 ग्राउण्ड से मूर्तियों को उठाने हेतु जो समय निर्धारित किये जायें ठीक उसी समय पर जुलूस प्रारम्भ कर दिया जाय, जिससे शोभायात्रा एवं विसर्जन समय से हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हो सके। दुर्गा प्रतिमाओं पर नम्बरिंग की व्यवस्था केन्द्रीय दुर्गापूजा समिति के पदाधिकारी करेंगे। टी0वी0 टावर चैराहे, सहादतगंज हनुमानगढ़ी से गुप्तारघाट की तरफ मुड़ता है तो जनपद के देहात क्षेत्रों से विसर्जन हेतु आने वाली मूर्तियां जो अपने निर्धारित समय से नही चलती है, उनके विसर्जन को लेकर एवं आगे पीछे चलने को लेकर प्राय: विवाद हो जाता है इसलिए यह आवश्यक है कि देहात क्षेत्र से आने वाली मूर्तियां अपने निर्धारित समय से ही विसर्जन के लिए प्रस्थान करें तथा केन्द्रीय दुर्गापूजा समिति के जुलूस के टी0वी0 टावर चैराहे पर आने से पूर्व ही अपनी मूर्तियों का विसर्जन निर्मलीकुण्ड पर जाकर करना सुनिश्चित करें।

इस बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजकरन नय्यर ने बताया कि विगत वर्ष की भांति कोई नई परम्परा नही शुरू की जायेगी तथा पूजा समितियों से सहयोग की अपील की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 संजय जैन ने चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी नगर श्री सलिल कुमार पटेल ने दुर्गा पूजा के विगत वर्ष के कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक नगर श्री मधुबन कुमार सिंह ने पुलिस व्यवस्था की विगत वर्ष की जानकारी देते हुए बिन्दुवार विवरण प्रस्तुत किया। इस बैठक में नगर निगम/नगर पालिका परिषद, रूदौली, नगर पंचायत गोशाईगंज, भदरसा व बीकापुर नगर पंचायत, प्रान्तीय खण्ड/निर्माण खण्ड, लोक निर्माण निर्माण/सिंचाई खण्ड/सरयू नहर खण्ड/बाढ़ कार्य खण्ड, सेतु निगम, विद्युत विभाग, रेलवे, अधिशाषी अभियन्ता नगरीय/ग्रामीण जल निगम, अधिशाषी अभियन्ता विकास प्राधिकरण/सम्बंधित विभाग, जिला पंचायत, राजकीय उद्यान, रोडवेज, एआरटीओ, जिला मनोरंजनकर, जिला आबकारी, आपूर्ति विभाग, क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी, पुलिस विभाग, नगर मजिस्टेऊट के साथ बैठक की गयी।

इस अवसर पर बैठक में सभी एसडीएम सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारीगण, श्रीरामलीला दुर्गापूजा समिति के अध्यक्ष श्री मनोज जायसवाल, विष्णु गुप्ता सहित दुर्गापूजा के पदाधिकारीगण, सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व प्रधान के विरुद्ध दर्ज होगी प्राथमिकी, समाप्त होगी रोजगार सेवक की संविदा

महाराजगंज। सिसवां ब्लॉक के ग्राम पकड़ी चौबे में पशु शेड निर्माण में धन की अनियमितता की शिकायत को सही पाने पर जिलाधिकारी ने पूर्व प्रधान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने व रोजगार सेवक की संविदा समाप्त करने का निर्देश दिया है। यह भी कहा है कि दो लाख 80 हजार रुपये की अनियमितता के मामले में धनराशि की वसूली प्रधान, सचिव व तकनीकी सहायक से होगी। पकड़ी चौबे निवासी हरिहर व कमरून आदि ने जिलाधिकारी से शिकायत किया था कि गांव के आठ लोगों ने पशु शेड निर्माण के लिए धन प्राप्त किया था, लेकिन अभी तक उसका निर्माण नहीं किया गया है। शिकायत की जांच कर उपायुक्त श्रम रोजगार ने जिलाधिकारी को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें छह लोगों की ओर से पशु शेड का निर्माण न किया जाना पाया गया। इस प्रकार कुल दो लाख 80 हजार रुपये की अनियमितता का मामला सामने आया। जिस पर जिलाधिकारी की ओर से क्रमशः पूर्व प्रधान रामानंद यादव, तकनीकी सहायक कंवलजीत सिंह व ग्राम विकास अधिकारी शशिकांत पांडेय से 93,333 रुपये की वसूली करने का निर्देश दिया है।

नेपाल जा रहा 22 बंडल कपड़ा बरामद

महाराजगंज। भारत-नेपाल सीमा सोनौली बॉर्डर पर पगडंडियों के रास्ते एक पिकप से सोनौली पुलिस ने गश्त के दौरान कपड़ा बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। सोमवार शाम सोनौली पुलिस भारत-नेपाल सीमा की पगडंडियों पर गश्त कर रही थी। इस दौरान ग्राम केवटलिया के पास एक पिकप कपड़ा नेपाल की तरफ जाते दिखाई दिया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पिकप को पकड़ लिया। जांच में 22 बंडल कपड़ा बरामद कर उसे सीज कर दिया। कोतवाल अभिषेक सिंह ने बताया कि कपड़े की तस्करी करने के आरोप में विजय कुमार निवासी सुकरौली सोनौली को वाहन और कपड़े के साथ कस्टम विभाग को सौंप दिया गया है।

थानों से हटेंगे तीन साल से जमे निरीक्षक और उपनिरीक्षक

मैनपुरी। तीन साल से अधिक समय तक जिले में जमे हुए निरीक्षक और उप निरीक्षक को लोकसभा चुनाव से पहले गैर जनपद स्थानांतरण किया जाएगा। पुलिस विभाग में सूची तैयार हो गई है। इसमें 26 इंस्पेक्टर और छह दरोगा शामिल हैं। आमद के साथ ही सभी को कार्यमुक्त कर तैनाती वाले स्थानों पर भेजा जाएगा। वर्ष 2024 में लोकसभा का चुनाव होना है। इसके लिए शासन की ओर से आदेश निर्देश जारी किए गए हैं। तीन साल से अधिक समय से एक ही जनपद में जमे निरीक्षक और उप निरीक्षकों के स्थानांतरण के आदेश दिए गए हैं। आदेशों के क्रम में विभागीय स्तर पर कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू की जा चुकी है। जनपद में तैनात 26 निरीक्षक और छह निरीक्षक ऐसे हैं जो कि आदेश के दायरे में आ रहे हैं। सभी का जाना लगभग तय हो चुका है। सूची के अनुसार शहर कोतवाली, किशनी, कुरावली, बेवर आदि शामिल हैं। हाल ही में साइबर सेल प्रभारी रूपेश कुमार को गैर जनपद भेजा जा चुका है। उनके स्थान पर एलाऊ थानाध्यक्ष रहे विपिन तोमर को साइबर सेल की जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों की माने तो गैर जनपदों से आमद शुरू होने के साथ ही जिले में तैनात कर्मियों को कार्यमुक्त कर तैनाती वाले स्थानों पर भेज दिया जाएगा। शासन के निर्देश पर अमल किया जा रहा है।

आयुष्मान कार्ड बनवाने में राशन डीलर करेंगे सहयोग

महाराजगंज। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनाने के लिए मंगलवार को तहसील परिसर में बैठक हुई। तहसील क्षेत्र के राशन डीलरों को बुलाकर सहयोग की अपील की गई। उप जिलाधिकारी योगेंद्र कुमार, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अजय भदौरिया ने भाग लिया। उप जिलाधिकारी ने राशन डीलरों से कहा कि भारत सरकार की इस विशेष योजना में अधिक से अधिक सहयोग कर लोगों को जागरूक करें। इससे लोगों को लाभ मिल सके। इस कार्ड के बनने से लाभार्थी को पांच लाख रुपये का मुफ्त इलाज मिलेगा। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अजय भदौरिया ने कहा कि पात्र गृहस्थी राशन कार्ड में गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं। संबंधित लोग सीएचसी पर कार्ड बनवा सकते हैं। पूर्ति निरीक्षक धर्मेंद्र चौहान, सुनील बाबू, सोनम, पीयूष पांडेय, अनिल कश्यप, प्रेमचंद, गिरीश पाल, सतेंद्र, रीना देवी, किशनवीर, सुरेंद्र सिंह, नीरज पांडेय मौजूद रहे।

जमीन के मामले में तहसीलदार भोगांव नहीं भेज रहे रिपोर्ट

मैनपुरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक शिकायत के संबंध में मांगी गई आख्या तहसीलदार भोगांव प्राधिकरण में नहीं भेज रहे हैं। तहसीलदार की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए प्राधिकरण की प्रभारी सचिव/सिविल जज नम्रता सिंह ने आख्या नहीं भेजे जाने पर उच्चाधिकारियों को मामला संदर्भित करने की चेतावनी दी गई है। थाना बेवर के रामपुर मानपुर हरी निवासी महेंद्र पाल सिंह, राजीव कुमार सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में शिकायत की थी। शिकायत में कहा कि उनके जमीन के एक मुकदमे में एसडीएम भोगांव के न्यायालय से वर्ष 2021 में निर्णय हो चुका है। निर्णय में उनको दूसरे पक्ष से 66260 रुपया क्षतिपूर्ति दिलाने तथा थानाध्यक्ष बेवर को जमीन पर कब्जा दिलाने का आदेश हुआ था। एसडीएम के आदेश का तहसीलदार भोगांव ने पालन नहीं किया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रभारी सचिव/सिविल जज नम्रता झक्सह ने तहसीलदार भोगांव से शिकायत के संबंध में आख्या मांगी। तहसीलदार भोगांव द्वारा आख्या नहीं भेजने से शिकायत का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। पीड़ित की शिकायत पर तहसीलदार भोगांव को आख्या नहीं भेजे जाने पर उच्चाधिकारियों को मामला संदर्भित करने की चेतावनी दी है।

बच्ची को जन्म देने के बाद महिला की मौत

महाराजगंज। गांव आलमपुर देहा में सोमवार को एक महिला ने बच्ची को जन्म दिया। मंगलवार की सुबह महिला की हालत बिगड़ने के बाद परिजन अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मायके पक्ष ने लापरवाही का आरोप लगाया। इसके बाद पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना क्षेत्र के गांव आलमपुर देहा निवासी लालू की गर्भवती पत्नी अंजली (20) ने सोमवार को एक बच्ची को जन्म दिया था। सब कुछ ठीक था। लेकिन अचानक मंगलवार की सुबह अंजली की हालत बिगड़ने लगी। आनन फानन परिजन एंबुलेंस से महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने अंजली को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजन के होश उड़ गए। जानकारी मिलने के बाद मायके पक्ष के लोग आ गए। ससुरालीजन पर लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया है।

शक होने पर साधुओं से ली जानकारी

मैनपुरी। शहर की ईशन नदी पुल के पास मंगलवार की दोपहर एक बस दो साधु उतरे। उनके साथ ही एक स्कूली बच्चा भी उतरा। वहां तैनात ट्रैफिक कर्मियों ने शक होने पर साधुओं को रोक लिया। बच्चे को साथ होने के बारे में पूछताछ की। बच्चे से भी जानकारी ली। इस दौरान वहां तमाशबीनों की भीड़ एकत्र हो गई। साधुओं ने अपने पहचान पत्र आदि दिखाए। एक साधु ने बताया कि बच्चा उनके परिवार का है। बच्चे से पूछताछ की गई तो गांव का पता भी बताया। लेकिन बाद में साधु को अपना रिश्तेदार बताया। सभी से पूछताछ करने के बाद वहां से जाने दिया गया।

मां बेटी को पीटकर किया घायल

भोगांव। गिहार कालोनी निवासी एक महिला और पुत्री की नामजद लोगों ने पिटाई की। उर्मिला देवी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की सुबह पुत्री संजना चाचा की बाइक से उसके साथ पूजा करने गए थे। वापस लौटने के बाद बाइक ले जाने को लेकर चाचा व परिजन ने पिटाई कर दी। जब वह बचाने के लिए गई तो उसे भी गालियां देते हुए पीटा गया। मामले में तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने जांच व कार्रवाई शुरू कर दी है।

लोगों ने महसूस किए भूकंप की झटके, सहमे

मैनपुरी। नेपाल के कांडा से शुरू हुए भूकंप के झटके मंगलवार को मैनपुरी में भी लोगों ने महसूस किए। अचानक धरती कांपी तो लोग सहम गए। हालांकि कुछ देर बात ही हालात सामान्य होने के बाद लोग फिर से अपने कामकाज निपटाने में लग गए। मंगलवार को दोपहर में चार भूकंप आए, इसमें से दो भूकंप का केंद्र नेपाल ही रहा। दूसरी बार नेपाल से उठे भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 6.2 मापी गई। इस भूकंप के झटके दिल्ली एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में लोगों को महसूस हुए। मैनपुरी में भी 2.53 मिनट के आसपास अचानक लोगों को धरती में कंपन महसूस हुई। आधे मिनट में ही लोगों को दो से तीन बार भूकंप के झटके लगे। भूकंप आते ही लोग सहमे नजर आए, लेकिन जब तक लोग कुछ करते, तब तक हालात सामान्य हो गए। देवी रोड निवासी विजय मिश्रा ने बताया कि जब वह दुकान पर बैठे थे तो अचानक भूकंप के झटके महसूस हुए। जब तक वे बाहर आए तब तक हालात सामान्य हो गए। हालांकि भूकंप के बाद कुछ देर तक नगर पालिका कार्यालय व अन्य भीड़-भाड़ वाले इलाकों में लोगों इसकी चर्चा करते रहे।

कहां गए हर्ष के पैर-ट्रेन की चपेट में आकर कट गए थे, पॉलिथीन डालकर ले गए थे परिजन अस्पताल

इटावा। आरोप है कि डॉक्टरों जबरन एक कागज पर हस्ताक्षर कराए। इसके बाद दोनों पैर गायब कर दिए। परिजनों की रजामंदी के बगैर बिना पैर के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया। यूपी के कानपुर छावनी इलाके में सोमवार देर रात ट्रेन की चपेट में आने से युवक के दोनों पैर जांघ के नीचे से कट गए। परिजन घायल को कटे हुए पैरों समेत हैलट अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिले शव के दोनों पैर गायब देख भड़के परिजनों ने शव को ले जाने से इनकार करते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंचे छावनी थाना प्रभारी परिजनों को देर शाम तक समझाने का प्रयास करते रहे।

छावनी क्षेत्र के संजयनगर निवासी रिक्शा चालक जगदीश यादव का बेटा हर्ष (18) पोस्टर-बैनर लगाने का काम करता था। सोमवार की रात करीब 12 बजे वह काम निपटा कर घर लौट रहा था। चुंगी क्रॉसिंग के पास रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसके दोनों पैर कट गए। सिर व शरीर पर भी चोटें आईं। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे कटे हुए पैर समेत एंबुलेंस से हैलट अस्पताल लेकर पहुंचे। मृतक के जीजा वीरेंद्र ने बताया कि वह हर्ष के कटे दोनों पैर एक पॉलिथीन में रखकर हैलट इमजेंसी में लेकर आए थे। सुबह हर्ष की मौत हो गई। आरोप है कि डॉक्टरों जबरन एक कागज पर हस्ताक्षर कराए। इसके बाद दोनों पैर गायब कर दिए। परिजनों की रजामंदी के बगैर बिना पैर के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया। मामले में ईएमओ और इमरजेंसी के पीआरओ ने भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो परिजनों ने हैलट इमरजेंसी और सीएमएस ऑफिस के बाहर करीब साढ़े चार घंटे तक हंगामा किया। शव का पंचायतनामा भरने पहुंचे पुलिस कर्मियों से भी परिजनों की तकरार हुई। छावनी थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह आक्रोशित परिजनों की समझाने में कोशिश में जुटे रहे। वहीं, परिजनों ने रात में भी इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया था। हैलट इमरजेंसी में हर्ष की मौत के बाद पुलिस इनफॉरमेशन रजिस्टर में युवक की मौत का समय मंगलवार की सुबह 5:30 बजे दर्ज किया गया।

जबकि परिजन 4:30 बजे मौत होना बता रहे हैं। इमरजेंसी की सिस्टर नर्स का कहना है कि युवक के कटे पैरों को मंगलवार की सुबह नौ-दस बजे के बीच चिकित्सा प्रदूषण नियंत्रण समिति (एमपीपीसीसी) की गाड़ी आने पर उसमें डाल दिए गए थे।

आयुष्मान सभा में दी गई स्वच्छता की जानकारी

कन्नौज। आयुष्मान भव योजना के तहत ग्राम पंचायतों में आयुष्मान सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों को जानकारी दी गई। स्वच्छता व क्षय रोग के प्रति जागरूक किया। भवानीसराय पंचायत भवन में आयोजित सभा में सीएचओ रनीश पटेल ने आयुष्मान कार्ड से लाभ की जानकारी दी।

बीपी और शुगर से बचाव के उपाय बताए। रसूलाबाद में आयोजित सभा में सीएचओ क्यूम खान ने महिलाओं को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया और क्षय रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया। सलेमपुर, नैपालपुर, अमोलर, फिरोजपुर, माधौनगर में भी आयुष्मान सभाओं का आयोजन हुआ। तालग्राम के एमओआईसी डॉ. कुमारिल मैत्रेय ने आशा और एएनएम से कहा कि लोगों को शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराएं, साथ ही स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक करें।

लुट गए शर्मा जी-कुंडली दिखाने आए चोर बिगाड़ गए ज्योतिषाचार्य का गणित, जालसाजों ने ऐसे फंसाया अपने जाल में

उन्नाव। कविता ने बताया कि युवक पहले भी दो-तीन बार आ चुके थे, इसलिए बातचीत शुरू हुई तो कोल्डड्रिंक ले आए। उनका कहना है कि कोल्डड्रिंक पीने के बाद तरुण बेहोश हो गए। यूपी के कानपुर स्थित गोविंदनगर में रहने वाले ज्योतिषाचार्य को सोमवार शाम कुंडली दिखाने पहुंचे चोर उनका ही गणित बिगाड़कर चले गए। कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उन्हें बेहोश कर दिया और नकदी समेत करीब 10 लाख का माल समेट ले गए। सुबह जब उन्हें होश आया तो गोविंदनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। गोविंदनगर निवासी तरुण शर्मा ज्योतिषाचार्य हैं। इन्होंने घर के अपने हिस्से में ऑफिस बना रखा है। बहन कविता शर्मा ने बताया कि सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे दो युवक उनके घर पहुंचे और तरुण शर्मा को कुंडली दिखाने की बात कही। मकान के दूसरे हिस्से में रहने वाले छोटे भाई वरुण शर्मा ने अगले दिन आने की बात कही, लेकिन युवक मिलने की जिद करते रहे। इस पर तरुण शर्मा ने उन्हें मिलने के लिए अंदर बुला लिया। कविता ने बताया कि युवक पहले भी दो-तीन बार आ चुके थे, इसलिए बातचीत शुरू हुई तो कोल्डड्रिंक ले आए। उनका कहना है कि कोल्डड्रिंक पीने के बाद तरुण बेहोश हो गए। इसी दौरान युवक कमरे में रखे करीब साढ़े चार लाख रुपये नकद, डेढ़ लाख के दो मोबाइल और चार लाख के जेवर चुराकर घर के मुख्य दरवाजे को बाहर से बंदकर फरार हो गए। अपने साथ सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी उखाड़ ले गए। सुबह जब तरुण को होश आया तो उन्होंने शोर मचाया। इसके बाद पड़ोसी ने दरवाजा खोला। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

एक्सप्रेसवे पर धू-धूकर जला लकड़ी लदा ट्रक, शार्ट सर्किट से लगी थी आग, डेढ़ घंटे बाधित रहा यातायात

इटावा। सूचना मिलते ही कुदरैल चौकी पुलिस व यूपीडा की सुरक्षा टीम मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को सूचना दी। करीब पौन घंटे बाद दमकल की टीम ने मशीन से आग पर काबू पाया, तब तक ट्रक पूरी तरह से जल चुका था। इटावा जिले में ताखा कस्बे के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर सुखैया गांव के पास लकड़ी से लदे चलते ट्रक में शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। चालक ने मुश्किल से कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। ट्रक में आग लगने के कारण हाईवे करीब डेढ़ घंटे बाधित रहा। ऊसराहार थाना क्षेत्र के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर मंगलवार दोपहर करीब दो बजे सुखैया गांव के पास झांसी के गुरसहाय से रामपुर जाते समय शार्ट सर्किट से चलते ट्रक में आग लग गई। चालक सहमत खान निवासी गांव धनेली, थाना शाही जिला बरेली जब तक कुछ समझ पाता। तब तक आग पूरे ट्रक में फैल गई। वहीं, रोकते-रोकते आग केबिन तक जा पहुंची। आग देखकर चालक ने कूद कर जान बचाई और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुदरैल चौकी पुलिस व यूपीडा की सुरक्षा टीम मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को सूचना दी। करीब पौन घंटे बाद दमकल की टीम ने मशीन से आग पर काबू पाया, तब तक ट्रक पूरी तरह से जल चुका था।

वंदे भारत एक्सप्रेस में लगेंगे दो स्लीपर कोच, अब लेटकर भी कर सकेंगे सफर

इटावा। वंदे भारत एक्सप्रेस दिल्ली वाया कानपुर से प्रयागराज होते हुए वाराणसी जाती है। यह दूरी 758 किमी है। ऐसे में कानपुर तक यात्रियों को चेयरकार की जरूरत नहीं है, क्योंकि वंदे भारत सुबह छह बजे चलकर 10:08 बजे पहुंचा देती है। अपने यात्रियों के लिए सफर को रेलवे और आरामदायक बनाने जा रहा है। अगले साल की शुरुआत से दिल्ली से वाराणसी के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में दो स्लीपर कोच लगाए जाएंगे, जिससे मुसाफिर लेटकर भी यात्रा कर सकें। दरअसल, दोनों स्टेशनों के बीच 758 किमी की दूरी तय करने में करीब आठ घंटे लग जाते हैं। चूंकि अभी इस ट्रेन में केवल चेयरकार है, ऐसे में यात्री थक जाते हैं। इस वजह से यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए यह व्यवस्था की जा रही है। चेन्नई स्थित रेल कोच फैक्ट्री आईसीएफ में इन कोचों को डिजाइन किया गया है। यह लग्जरी कोच हैं, जिन्हें होटल के रूम जैसा बनाया गया है।

कानपुर तक कई प्रीमियम ट्रेनें, वाराणसी तक सिर्फ वंदेभारत

यात्रियों की सहूलियत को लेकर रेलवे ने सर्वे कराया था। इसमें यह बात सामने आई कि दिल्ली से कानपुर तक तो कई प्रीमियम चेयरकार ट्रेनें हैं। मसलन रिवर्स शताब्दी, स्वर्ण शताब्दी और तेजस एक्सप्रेस चेयरकार हैं। ये ट्रेनें लखनऊ तक जाती हैं।

ऐसे में बैठे-बैठे थक जाते हैं यात्री

जबकि वंदे भारत एक्सप्रेस दिल्ली वाया कानपुर से प्रयागराज होते हुए वाराणसी जाती है। यह दूरी 758 किमी है। ऐसे में कानपुर तक यात्रियों को चेयरकार की जरूरत नहीं है, क्योंकि वंदे भारत सुबह छह बजे चलकर 10:08 बजे पहुंचा देती है। वाराणसी यह ट्रेन दोपहर दो बजे पहुंचती है। ऐसे में यात्री बैठे-बैठे थक जाते हैं।

एग्जिक्यूटिव क्लास का दिल्ली से वाराणसी का किराया 3335 रुपये

स्लीपर का किराया एग्जिक्यूटिव क्लास के बराबर रखने की तैयारी है। इसका टिकट एसी चेयरकार से महंगा होगा लेकिन एग्जिक्यूटिव चेयरकार के लगभग बराबर होगा। नई दिल्ली से वाराणसी तक का एसी चेयरकार का किराया 1805 रुपये और एग्जिक्यूटिव क्लास का किराया 3335 रुपये है। कानपुर तक चेयरकार का किराया 1115 और एग्जिक्यूटिव का 2130 रुपये है।

वीआईपी होटल रूम जैसा है नजारा

वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर कोच को होटल के रूम जैसा बनाया गया है। लग्जरी कोच में गद्देदार सीटें, चढ़ने उतरने के लिए छोटी सीढ़ियां और काफी जगह है। इसमें एसी सेकेंड की तरह ऊपर-नीचे दो ही स्लीपर सीटें होंगी। रीडिंग लैंप, चार्जिंग प्वाइंट, हर सीट पर एसी की विंडो जैसी बुनियादी सुविधाएं हाईटेक तरीके से दी गई हैं। इसमें हर कोच में तीन टॉयलेट होंगे और पेंट्रीकार की व्यवस्था होगी।

महिला लेखपाल रंगे हाथों गिरफ्तार- एंटी करप्शन विंग ने दलाल के साथ दबोचा, आवेदन के बाद भी नहीं कर रही थी काम

इटावा। एंटी करप्शन की टीम ने तहसील के बाहर जाल बिछाया और पीड़ित को केमिकल लगे नोटों के साथ लेखपाल की बुलाई गई जगह पर भेजा। लेखपाल अंजलि यादव ने राजेश को अपने परिचित फोटोकॉपी दुकानदार घाटमपुर उत्तरी निवासी शिवराज सिंह की दुकान पर तहसील के सामने बुलाया। कानपुर के घाटमपुर तहसील में तैनात महिला लेखपाल को एंटी करप्शन की टीम ने चार हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। लेखपाल ने शिकायतकर्ता से जमीन चिह्नांकन के नाम पर घूस मांगी थी। लेखपाल को पकड़कर एंटी करप्शन की टीम ने हनुमंत विहार थाने में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं, मामले को संज्ञान लेकर डीएम विशाख जी ने लेखपाल को निलंबित कर दिया। घाटमपुर तहसील के दौलतपुर गांव निवासी राजेश कुमार के अनुसार गांव में उनकी पुश्तैनी जमीन है। जमीन पर उनके दो अन्य भाई भी हिस्सेदार है। जमीन में अपने हिस्से का चिह्नांकन करने के लिए उन्होंने कुछ समय पहले तहसील में आवेदन किया था। काफी समय से तहसील के चक्कर काटने के बाद भी उनका काम नहीं हुआ। इस बीच उनका संपर्क तहसील में तैनात लेखपाल अंजलि यादव से हुआ। आरोप है कि लेखपाल ने चिह्नांकन के लिए पांच हजार रुपये की घूस मांगी। मान मनौव्वल करने पर चार हजार रुपये में राजी हो गई।

लेखपाल ने अपने परिचित की दुकान में बुलाया

इस बीच राजेश ने पुलिस ऑफिस में स्थित एंटी करप्शन विंग में लेखपाल की शिकायत की। इस पर एंटी करप्शन की टीम ने तहसील के बाहर जाल बिछाया और पीड़ित को केमिकल लगे नोटों के साथ लेखपाल की बुलाई गई जगह पर भेजा। लेखपाल अंजलि यादव ने राजेश को अपने परिचित फोटोकॉपी दुकानदार घाटमपुर उत्तरी निवासी शिवराज सिंह की दुकान पर तहसील के सामने बुलाया।

दोनों को हनुमंत विहार थाने ले आई पुलिस

दुकान में लेखपाल ने दुकानदार से रुपये पकड़ने को कहा। रुपये लेते ही एंटी करप्शन की टीम ने लेखपाल व दुकानदार को भी पकड़ लिया। चूंकि घाटमपुर तहसील में अंजलि काम करती थी और बिधनू थानाक्षेत्र में उसका घर है। इसलिए कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस दोनों को हनुमंत विहार थाने ले आई। एसओ हनुमंत विहार उदय प्रताप सिंह ने बताया कि लेखपाल व उसके सहयोगी के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

जिले में मिले डेंगू के 15 नए मरीज

जौंनपुर। जिले में डेंगू के 15 नए मरीज मिले हैं। दो दिन में डेंगू के मरीजों की संख्या 109 से बढ़कर 124 पहुंच गई है। जिला अस्पताल में अब तक 58 मरीजों का इलाज किया गया। तीन मरीजों का इलाज चल रहा है। जिला अस्पताल में जितने मरीज भर्ती हुए थे, सभी स्वस्थ हो चुके हैं। शहर के घनी आबादी वाले कई इलाके भी डेंगू संक्रण से प्रभावित हैं। इस बार ग्रामीण इलाकों में डेंगू का कहर काफी कम रहा। जबकि शहरी इलाके में 65 से अधिक मरीज मिल चुके हैं। शहर के निजी अस्पताल प्लेटलेट्स की कमी वाले मरीजों से पटे पड़े हैं। निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों की रिपोर्टिंग नियमित रूप से नहीं किए जाने के कारण मरीजों का सही आंकड़ा नहीं मिल पा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े में अभी 124 मरीज हैं। मंगलवार को 15 नए मरीजों की रिपोर्ट जांच के बाद मिली है। अब एनएसवन पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 175 पहुंच गई है।

डेंगू से मासूम की मौत, छह निकले डेंगू संक्रमित

कासगंज। जिले में जानलेवा बुखार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। एक मासूम की डेंगू से मौत हो गई। जिससे मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 29 पर पहुंच गया। वहीं छह मरीजों में डेंगू व दो मरीजों में टाइफाइड की पुष्टि हुई। जिला अस्पताल पर मरीजों की कतार लगी रही। निजी चिकित्सकों के यहां भी मरीजों की काफी भीड़ रही। गंजडुंडवारा निवासी सनी (5) पुत्र गुड्डू को तीन दिन पहले बुखार आया। परिजन निजी चिकित्सक के पास ले गए। उसके डेंगू की पुष्टि हुई। राहत न मिलने पर परिजन मंगलवार को सुबह मेडिकल कालेज एटा ले गए, लेकिन रास्तें में ही उसकी मौत हो गई। दुर्गा कॉलोनी निवासी भारती (32) को बुखार की शिकायत होने पर परिजन जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उसकी रक्त की जांच कराई। जांच में डेंगू की पुष्टि हो गई। अमांपुर के अलीपुर बरबारा खाम निवासी रामवती (50), अफजल थोक निवासी रूमा देवी (50), शुभम (24), गंजडुंडवारा के मस्तीपुर निवासी शिवकुमार यादव (30), सोरोंजी निवासी सरोज (40) को बुखार की शिकायत होने पर परिजन निजी चिकित्सकों के पास ले गए। जहां जांच में डेंगू की पुष्टि हुई। जिला अस्पताल पर मरीजों की कतार लगी रही। 1858 मरीज अस्पताल पर आए। जिससे मरीजों की कतार लग गई। काउंटर पर पर्चा बनवाने में मरीजों को काफी दिक्कतें हुई। सबसे अधिक भीड संक्रामक रोग विभाग में रही।

अस्पताल पर 350 मरीज बुखार से पीड़ित होकर आए। इन मरीजों में बुखार की शिकायत पर रक्त की जांच कराई गई। 167 मरीजों की डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड की जांच हुई।

40 लाख लगाए, एमआरआई, सीटी स्कैन मशीन आज भी रुलाए

झांसी। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन को ठीक कराने पर 40 लाख रुपये खर्च कर दिए, लेकिन मशीनें आज भी खराब हैं। इसके चलते मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन मरीज मशीन ठीक कराने की मांग को लेकर हंगामा करते हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।

मजबूरन मरीजों को जांच कराने के लिए निजी सेंटर जाना पड़ रहा है। वहीं मशीन को ठीक कराने के नाम पर खर्च किए गए 40 लाख रुपये का क्या हुआ, यह भी कोई पूछने-बताने वाला नहीं है।

मेडिकल कॉलेज में पिछले पांच महीने से एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन खराब पड़ी हुई है। पहले बजट के अभाव मेडिकल कॉलेज प्रशासन मशीन ठीक नहीं करा पा रहा था। मगर शासन ने मशीन ठीक कराने के लिए दो महीने पहले कॉलेज प्रशासन को बजट भी उपलब्ध करा दिया। कॉलेज ने एमआरआई मशीन की सीएमसी के लिए कंपनी को 16 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। वहीं, सीटी स्कैन मशीन के 13 लाख और 11 लाख रुपये के पार्ट्स मंगवाए। ऐसे में 40 लाख रुपये खर्च किए जाने के बावजूद ये दोनों मशीनें अब तक ठीक नहीं हो पाई हैं। जांच कराने के लिए मरीजों को प्राइवेट सेंटर जाना पड़ रहा है। जांच में रोगियों के हजारों रुपये खर्च हो रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस सेंगर का कहना है कि मशीन सुधारने के लिए इंजीनियर आ रहे हैं। इस सप्ताह में दोनों मशीनों के ठीक होने की संभावना है। सीटी स्कैन जांच के लिए जिला अस्पताल के सीएमएस से बात हो गई है। कॉलेज आने वाले मरीजों की वहां जांच कराई जा रही है।

दो करोड़ की लागत से लगे सोलर प्लांट फांक रहे धूल

कासगंज। तीर्थनगरी में 6 स्थानों पर लगाए गए 2 करोड़ रुपये मूल्य के सोलर प्लांट जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते आज धूल फांक रहें हैं। देखरेख के अभाव में ये प्लांट खराब हो रहे हैं। नगर के लोगों को इसका कोई फायदा नहीं मिल रहा। पालिका की ओर से बिजली पर निर्भरता कम रहे इसलिए सात वर्ष पूर्व सोलर प्लांट लगवाए गए थे। उम्मीद थी कि इनसे स्ट्रीट लाइटों के साथ ही पालिका के नलकूपों का संचालन भी होता रहेगा। गर्मी में लोगों को ठंडा पानी उपलब्ध करवाने के लिए बदरिया व कासगंज गेट पर लगे रेफ्रिजरेटर के लिए सोलर प्लांट लगवाए गए। लेकिन कुछ प्लांट अब तक शुरू नहीं हो पाए हैं।

जो प्लांट शुरू हुए वह पिछले 2 वर्ष से खराब है उनकी मरम्मत नहीं हुई। 2 करोड़ के सोलर प्लांट जनता के किसी काम के नहीं है इन प्लांटों की ओर पालिका भी ध्यान नहीं दे रही। जबकि अराजक तत्व इनमें लगी बैटरियां प्लेट जब तक चोरी कर ले जाते हैं।

दो भाइयों की मौत के मामले में प्रधान को नोटिस

कन्नौज। पिछले महीने 10 सितंबर को उमर्दा के ललकियापुर में कच्चा मकान गिरने से हुई दो भाईयों की मौत मामले में प्रशासन की कार्रवाई और तेज हुई है। शुरुआती जांच के आधार पर ग्राम सभा के तत्कालीन सचिव को निलंबित किया जा चुका है। प्रधान की भूमिका पर भी सवाल खड़े हुए हैं। डीएम ने गांव के प्रधान को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है। तय समय में सही जवाब न आने पर कार्रवाई तय है। दरअसल पिछले माह बारिश के दौरान जिले में कई जगह कच्चे मकानों के गिरने की घटना हुई थी। कई लोग इसमें चुटहिल भी हुए थे। इसी कड़ी में बेहरा-गैसापुर के मजरा ललकियापुर निवासी रामसनेही का भी कच्चा मकान 10 सितंबर की शाम हुई बारिश में ढह गया था। इस हादसे में उनके दो पुत्रों आलोक व अवनीश की मौत हो गई थी।

इसमें कच्चा मकान होते हुए भी परिवार को अपात्र घोषित किए जाने की बात सामने आई थी। शुरुआती जांच में शिकायत सही पाए जाने पर तत्कालीन ग्राम सचिव को निलंबित कर दिया गया था। उसी के तहत बेहरा-गैसापुर के प्रधान की भी भूमिका संदिग्ध मिली थी। आरोप है कि पात्र होते हुए भी प्रधान की ओर से अपात्र करवा दिया गया था। इस मामले में डीएम की ओर से प्रधान को नोटिस भेजा है। प्रशासन की ओर से करवाई गई अब तक की जांच में सामने आया है कि दो साल पहले 15 जुलाई 2021 को ब्लॉक उमर्दा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बेहरापुर गैसापुर में प्रधान महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में खुली बैठक हुई थी। इस दौरान आवास प्लस की पात्रता सूची से 12 नाम काटे गए थे। जो 12 नाम काटे गए वह तो अपात्र ही मिले, लेकिन 12 वां नाम रामसनेही की पत्नी सुमन का था, जो कि योजना के लिए पात्र थीं, फिर भी नाम हटा दिया गया था।

इसी वजह से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल सका था। इसी मामले में प्रधान की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। डीएम शुभ्रांत शुक्ल ने प्रधान को जारी किए कारण बताओ नोटिस में कहा है कि क्रमांक एक से 12 तक की सूची में क्रमांक 11 को छोड़कर सभी लोग अपात्र मिले हैं, जबकि क्रमांक 11 पर सुमन पत्नी रामसनेही का नाम था। उनका कच्चा व जीर्ण-शीर्ण हालत में घर मिला। ग्राम विकास अधिकारी अजय पाल और प्रधान महेंद्र सिंह ने जानबूझकर पक्का आवास बताकर अपात्र घोषित किया।

इस मामले में डीडीओ नरेंद्र देव द्विवेदी ने 15 सितंबर को ग्राम विकास अधिकारी अजय पाल को निलंबित कर दिया था। एक पक्ष की समय सीमा में डीपीआरओ के जरिए प्रधान से जवाब मांगा गया है। संतोषजनक उत्तर व साक्ष्य न होने पर पंचायत राज अधिनियम-1947 की धारा 95 (1) (छह) के तहत कार्रवाई होगी। डीपीआरओ राजेंद्र प्रकाश का तर्क है कि इस धारा में ग्राम पंचायत के लिए कमेटी गठित कर दी जाती और प्रधान से अधिकार ले लिए जाते हैं।

बुखार से बुजुर्ग महिला की जान गई, मरीजों की संख्या भी बढ़ी

कन्नौज। संक्रामक बीमारियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मतौली गांव में बुखार की चपेट में आने से एक दिन पहले दो की मौत हुई थी। अब गौरियापुर गांव में एक बुजुर्ग महिला की बुखार की चपेट में आने से जान चली गई। यहां 100 से ज्यादा लोग बुखार की चपेट में आकर बीमार हो चुके हैं। ग्रामीणों को मुताबिक घर-घर में डेंगू संक्रमित मरीज है।

कुछ लोग जिला से बाहर डेंगू का इलाज करवा रहे हैं। बदलते मौसम में ग्रामीण इलाकों में बुखार का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। गांव-गांव लोग बुखार से तप रहे हैं। निजी अस्पतालों से लेकर सरकारी अस्पतालों में बुखार, डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड के मरीजों की भरमार है। आलम यह है कि मतौली और गौरियापुर गांव में 100 से ज्यादा लोग बुखार से पीड़ित है। वहीं, ग्रामीणों की माने तो ज्यादा तर लोगों की जांच में डेंगू की पुष्टि हो रही है। हर घर में कोई न कोई डेंगू संक्रमित मिल रहे है। रविवार को मतौली गांव की रहने वाली नर्सिंग की छात्रा नित्या पांडेय और राजपाल की बुखार की चपेट में आने से मौत हो गई थी। वहीं लगातार दूसरे दिन सोमवार को पड़ोसी गांव गौरियापुर में 90 वर्षीय रामसुखी की मौत हो गई। पुत्र ईश्वर चंद्र ने बताया कि मां को करीब तीन दिनों से बुखार आ रहा था। गुरसहायगंज में निजी चिकित्सक के पास उनका इलाज चल रहा था। जहां ब्लड जांच में डेंगू होने की बात सामने आई थी।

इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि उनका पूरा परिवार डेंगू से पीड़ित है। गांव में भी अधिकांश लोग डेंगू संक्रमित है। ज्यादातर लोग निजी चिकित्सक के पास इलाज करवा रहे हैं। ग्रामीणों ने फॉगिंग, दवा का छिड़काव और स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने की मांग की है।सोमवार को मतौली गांव में मोबाइल यूनिट ने पहुंचकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की। टीम ने पूरन लाल, गौरी, सचिन, कुसमा, रामेश्वर दयाल, सुमित, रूकमणी, श्याम सुंदर, अरविंद शिवा, नेहा समेत 55 लोगों का चेकअप कर दवाएं दीं। साथ ही 25 लोगों के ब्लड का सैंपल जांच के लिए इकट्ठा किया। बुखार की चपेट में आकर लोग अपनी जान गवां रहे हैं। उसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग संचारी रोग नियंत्रण के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा है। जबकि स्वास्थ्य विभाग कागजों में संचारी रोग नियंत्रण के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर देता है। मतौली गांव निवासी 22 वर्षीय नित्या पांडेय की एक अक्तूबर और 41 वर्षीय राजपाल की 30 सितंबर की रात मौत हो गई। दो अक्तूबर को गौरियापुर गांव निवासी रामसुखी (90) की मौत हुई। इसके ठीक पहले छिबरामऊ के नौगाई गांव निवासी सुनीता (25), हरिहरपुर गांव निवासी मंजू (45), अमोलर गांव निवासी रविंद्र सिंह (40), इंदरगढ़ के घनापुरवा गांव निवासी गुड्डी (40), सुल्तानपुर गांव निवासी पतिराम (60) और संजू (20) समेत करीब 30 से ज्यादा लोगों की बुखार की चपेट में आने से मौत हो चुकी है।

करोड़ों की जमीन का फर्जी बैनामा, सात पर रिपोर्ट दर्ज

कन्नौज। खेत मालिकन के स्थान पर दूसरी बुजुर्ग महिला को खड़ा करके करोड़ों रुपये की कीमती जमीन का फर्जी बैनामा मामले में अब रिपोर्ट दर्ज हो गई है। पैतृक जमीन की बिक्री की जानकारी होने पर पीड़ित महिला ने सात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फर्रुखाबाद के फतेहगढ़ सेंट्रल जेल रोड निवासी विद्यावती ने रविवार को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि तिर्वा-कन्नौज मार्ग बहादुरपुर गांव व कस्बे की सीमा में करीब छह बीघा पैतृक जमीन पड़ी है। उसकी कीमत करीब आठ करोड़ रुपये है। उसी जमीन को सदर कोतवाली क्षेत्र के सैदहा गौधानी गांव निवासी अमर नाथ सिंह, उपदेश सिंह, अकबरपुर सरायघाघ गांव निवासी सत्यप्रकाश, मैनपुरी के परोख गांव निवासी सत्यराज समेत उपनिबंधक महेंद्र कठेरिया, विनय कुमार व एक अज्ञात महिला ने मिलकर षडयंत्र कर फर्जी बैनामा करा लिया। भूमाफिया ने महिला की मिलती-जुलती फोटो लगाकर जमीन का बैनामा की कार्रवाई करवा ली। कहा कि कई दिनों से भू-विक्रेताओं के जमीन की खरीदारी के लिए लगातार फोन आ रहे थे।

पर की टक्कर से बाइक सवार सेवानिवृत्त केडीए कर्मी सहित दो की मौत, चालक और क्लीनर मौके से फरार

उन्नाव। हादसे में केडीए के सेवानिवृत्त कर्मी और लखनऊ में उनका मकान बना रहे ठेकेदार की मौत हो गई। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर कार को ओवरटेक करते समय डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। भागने की कोशिश में बाइक सवारों को कुचलते हुए चालक डंपर लेकर भागा। हादसे में केडीए के सेवानिवृत्त कर्मी और लखनऊ में उनका मकान बना रहे ठेकेदार की मौत हो गई। भाग रहे डंपर ने पुरवा मोड़ पर डायवर्जन प्वाइंट के पास सीमेंट लदे ट्रक में भी पीछे से टक्कर मार दी इससे ट्रक एक दुकान में घुस गया। चालक और क्लीनर डंपर छोड़कर भाग गए। कानपुर नगर के बर्रा एमआईजी-छह, जरौली फेज-एक निवासी रमाशंकर (65) कानपुर विकास प्राधिकरण से सेवानिवृत्त कर्मी थे। वह लखनऊ के गोमती नगर के पास विज्ञानखंड में अपना नया मकान बनवा रहे थे। मकान में टाइल्स लगवाने के लिए आजमगढ़ जिला निवासी ठेकेदार संदीप मिश्रा (45) के साथ बाइक से टाइल्स पसंद करने बाइक से कानपुर गए थे। रात करीब नौ बजे लखनऊ लौट रहे थे। आसपास के लोगों के अनुसार बाइक चला रहा संदीप कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दही थाना क्षेत्र में अन्नपूर्णा मंदिर के पास पहुंचा था तभी सड़क पर गड्ढा होने से उससे बचने की कोशिश की। संदीप ने बाइक को थोड़ा सा मोड़ा तो बगल में कार होने से वह फिर गड्ढे की तरफ हो गया। लखनऊ की ओर जा रहे गिट्टी लदे डंपर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। भागने की कोशिश में डंपर चालक दोनों ब्रद्दु कुचलते हुए भागा और आगे जाकर झंझरी गांव के सामने एक ट्रक में पीछे से भिड़ गया।

तेज टक्कर लगने से ट्रक स्वामी दयाल की दुकान में घुस गया। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। इसके बाद चालक और क्लीनर डंपर छोड़कर भाग गए। दोनों बाइक सवारों की मौत हो गई। कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन पर जाम की स्थिति बन गई। दही थानाध्यक्ष अनुराग सिंह फोर्स के साथ पहुंचे। जांच में रमाशंकर का आधार कार्ड और मोबाइल मिला तो परिजनों को सूचना दी। एसओ ने बताया कि एक शव के अंग अवशेष और दूसरे शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाए गए हैं। डंपर और क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति के लिए समय-सारिणी निर्धारित

बहराइच। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी राजन कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के छात्र/छात्राओं हेतु संचालित दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना हेतु शासन द्वारा समयसारिणी के अनुसार शिक्षण संस्था द्वारा मास्टर डाटा तैयार की कार्यवाही 19 दिसम्बर 2023 तक पूरी की जानी है। श्री कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेंसी/जिला विद्यालय निरीक्षक/जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा फीस आदि के सत्यापन की कार्यवाही को 22 दिसम्बर 2023 तक पूर्ण किया जाना है। निर्गत समयसारिणी के अनुसार छात्रों द्वारा आनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2023 निर्धारित की गई है। श्री कुमार ने बताया कि शासन द्वारा निर्गत समय-सारणी के अनुसार छात्र-छात्राओं द्वारा वांछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्थान में जमा करने की अन्तिम तिथि 08 जनवरी 2024 तथा शिक्षण संस्थान द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने तिथि 11 जनवरी 2024 निर्धारित है।

गांधीवादी विचार की प्रासंगिकता अब भी बरकरार

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस सप्ताह के तहत शांति, अहिंसा और महात्मा गांधी की प्रासंगिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता मीराबाई छात्रावास में मंगलवार हुई। इस दौरान गांधीवादी विचार की प्रासंगिकता अब भी बरकरार रहने की बात कही गइ। छात्राओं ने कहा कि गांधीवादी विचार की प्रासंगिकता आज भी बरकरार है। गांधी जी साधन व साध्य दोनों की शुद्धता पर बल देते थे। उनता मानना था कि साधन व साध्य के मध्य बीज व पेड़ के जैसा संबंध है जब बीज दूषित हो तो स्वस्थ पेड़ की उम्मीद करना बेईमानी है। ग्राम स्वराज का प्रसार, प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा और परंपरागत चिकित्सकीय ज्ञान के उपयोग सहित तमाम दूसरे उद्देश्यों पर कार्य करना इसी विचारधारा को अग्रसारित करना है। गांधी के विचारों ने पूरे संसार को न सिर्फ प्रेरित किया बल्कि करुणा, सहिष्णुता और शांति के दृष्टिकोण से इस देश ने गांधी जी के विचारों को आगे किया। दुनियां को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई है। आशु भाषण में प्राची सिंह, नामीरा खान, अंकिता सिंह, योगिता सिंह, विभा त्रिपाठी समेत दर्जनभर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। डॉ. अन्नू त्यागी एवं डॉ. झांसी मिश्र निर्णायक रहीं। नोडल अधिकारी डॉ. मनोज मिश्र ने बताया कि चार अक्टूबर को समापन सत्र में विजेता विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. वंदना सिंह सम्मानित करेंगी।

छात्राओं से मारपीट, छेड़खानी करने वाले तीन गिरफ्तार

जौनपुर। एक सप्ताह पूर्व नगर के मनियरा गांव में कॉलेज से लौट रही छात्राओं के साथ युवकों ने मारपीट और छेड़खानी की थी। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया। 26 सितंबर को कॉलेज में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर चाकडाउन हड़ताल हो गई तो छात्र-छात्राएं वापस घर लौटने लगे। इसी दौरान सिहौली चौराहे पर मैजिक वाहन से चार पांच छात्राएं अपने घर के लिए निकलीं। मैजिक आगे बढ़ी कि चार पांच मनबढ़ों ने मैजिक रोक ली और उसमें बैठी एक छात्रा का मोबाइल मांगा और अपना नंबर लिखकर दे दिया। जब छात्रा ने उसका नंबर फेंक दिया तो मनचलों ने छात्रा को मारापीटा और छेड़खानी की। ऐसे में वहां भीड़ जुट गई। भीड़ देख युवक जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। घटना के बाद पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद और चार पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। मंगलवार की दोपहर मुखबिर की सूचना पर सिधौली चौराहे से नितिन यादव, सभाजीत चौहान और अंश यादव उर्फ आकाश यादव को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष रामजन्म यादव ने बताया कि तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया गया है।

बालिका से सामूहिक दुष्कर्म, चार के खिलाफ मुकदमा

जौनपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में घर से शौच के लिए सीवान की तरफ गई एक बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उनकी दस वर्षीय पुत्री शौच के लिए घर से रविवार की शाम सीवान की तरफ गई थी। उसी समय डोमपुर गांव के चार युवकों ने उसे पकड़कर जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता ने घर आकर परिजनों से आपबीती सुनाई। आरोप है कि उसने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराना चाहा, लेकिन दीवान ने डांटकर भगा दिया। इसके बाद परिवार वालों ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक ने मुकदमा दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय ने बताया कि पीड़िता को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। मुकदमा दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

दो एसएचओ समेत 42 निरीक्षकों का गैर जनपद तबादला

जौनपुर। पुलिस उप महानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र अखिलेश कुमार चौरसिया ने तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही जिले में जमे निरीक्षकों का गैर जनपद तबादला किया है। यह तबादला वाराणसी मंडल के जिलों में ही किया गया है। इसमें लाइन बाजार प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा, शाहगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक आदेश त्यागी समेत 42 निरीक्षकों का गाजीपुर व चंदौली के लिए स्थानांतरण किया गया। एसएचओ आदेश कुमार त्यागी और संजय वर्मा के साथ ही भरत कुमार गौतम, देवीवर शुक्ला, गजदीन शुक्ला, विजय शंकर सिंह, सतीश कुमार रावत, शाहिद अली, बीरेंद्र प्रताप, विनोद कुमार यादव, नागेंद्र प्रसाद, दीनानाथ पांडेय, अखिलेश कुमार मिश्र, देवानंद रजक, संजय वर्मा, योगेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, अवधेश प्रसाद वशिष्ठ, विभूति नारायण राय, अंगद प्रसाद तिवारी, सैय्यद हुसैन मुंतजर, विनीत मोहन पाठक, जनार्दन यादव, राम प्रवेश यादव, रमेश यादव, घनश्याम शुक्ला, चंद्रकेश शर्मा, राकेश कुमार तिवारी, हरि नारायण पटेल, राम सरीख गौतम, अमरेंद्र कुमार पांडेय, जयप्रकाश यादव, रामजीत यादव, महेश प्रसाद, सतीश कुमार सिंह, किशोर कुमार चौबे, संतोष कुमार सिंह, अवनीश कुमार राय, अनीता सिंह, देवेंद्र सिंह यादव को चंदौली भेजा गया।

पुलिस के जवान बाधाओं को करेंगे पार, बनेंगे फुर्तीले

जौनपुर। पुलिस के जवानों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए जनपद पुलिस की तरफ से ठोस पहल की गई है। इसके तहत पुलिस के जवानों के लिए पुलिस लाइन परिसर में 10 कमांडो आब्स्टिकल बनाया गया है। इसमें उनको दौड़कर बाधाओं को पार करना होगा। इसके तहत पुलिस लाइन में रोजाना सुबह-शाम मिलाकर 500 अधिकारी व जवान प्रशिक्षण करेंगे। यह कमांडो आब्स्टिकल 10 फीट ऊंची है। ईंट व सीमेंट से इसका निर्माण पुलिस अधीक्षक डॉ.अजयपाल शर्मा के निर्देश में किया गया है। इसके तहत सुबह-शाम जवानों के स्वास्थ्य को मजबूती देने व दुरुस्त रखने का उद्देश्य है। इन 10 बाधाओं को पुलिस के जवानों को दौड़कर डेढ़ मिनट में पूरा करना होगा। इसमें 10 फीट ऊंची दीवार को छलांग लगाकर पार करना होगा। सुबह-शाम कसरत व अभ्यास के दौरान पुलिस के अधिकारी व जवान प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। इसकी कुल लागत दो से चार लाख के बीच की है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के लिए निकली जागरूकता रैली

जौनपुर। संचारी रोग नियंत्रण जागरूकता अभियान मंगलवार को जिला टीबी चिकित्सालय परिसर से शुरू हुआ। जन जागरूकता रैली को विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंशु ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संचारी अभियान के दौरान सभी विभागों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित कर साफ सफाई स्वच्छता शुद्ध पेयजल, मच्छर एवं अन्य वेक्टर जनित बीमारियों के नियंत्रण के लिए गतिविधियां चलाई जाएगी। इसके साथ ही आम जनमानस में बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 3 से 31 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इसी बीच 16 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान भी चलाया जाएगा। दस्तक अभियान में स्वास्थ्य विभाग एवं बाल विकास विभाग से आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ती टीम बनाकर घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे तथा बीमारियों से बचाव के उपाय बताएंगी। बुखार के रोगियों, मलेरिया के रोगियों, आईएलआई के लक्षण युक्त रोगियों, क्षय रोग के लक्षण के व्यक्तियों, कुष्ठ रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों, कालाजार तथा फाइलेरिया रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। इस मौके पर सीएमओ डॉ. लक्ष्मी सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजीव यादव, डॉ. राकेश कुमार सिंह, डीएमओ डॉ. बीपी सिंह जिला मलेरिया अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम व सीडीओ ने "विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान" का किया शुभारम्भ

बहराइच संवाददाता

बहराइच। दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जनपद में 03 से 31 अक्टूबर 2023 तक संचालित होने वाले "विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान" के शुभारम्भ अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने नवागंतुक मुख्य विकास अधिकारी सुश्री राम्या आर. के साथ कलेक्ट्रेट परिसर बहराइच से "संचारी रोग नियंत्रण माह जागरूकता रैली" को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कहा कि दिमागी बुखार एक जानलेवा बीमारी है। यह मच्छरों के काटने एवं दूषित पानी का उपयोग खाना बनाने एवं पीने में करने से फैलती है। अधिकांशतः 15 वर्ष की आयु तक के बच्चे इस रोग से ग्रसित होते हैं। उन्होंने बताया कि अचानक तेज़ बुखार आना, मरीज़ के व्यवहार में अचानक परिवर्तन का आना, मरीज़ का पूरी तरह होशो हवास में न होना तथा मरीज़ को पहली बार झटके आना दिमागी बुखार/नवकी बिमारी के लक्षण हैं। यदि किसी व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखाई दे तो उसे तुरन्त सरकारी अस्पताल/स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जायें। स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि शौच के लिए शौचालय का उपयोग करें। शौच के बाद व भोजन करने से पहले साबुन से हाथ अवश्य धोयें। घर के आस-पास जल निकासी का उचित प्रबन्ध करें जिससे पानी का जमाव न हो। क्सोंकि ठहरे हुए पानी में मच्छर अण्डे देते हैं। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। प्रातः एवं सॉयकाल जब मच्छर अधिक सक्रिय होते हैं, उस समय शरीर को पूरा ढक कर रखें। बच्चों को पूरे आस्तीन की कमीज़, फुल पैंट एवं मोज़े पहनायें। जापानीज़ इन्सेफेलाइटिस (जे.ई.) विषाणु से बचाव के लिए बच्चों को दिमागी बुखार का टीका अवश्य लगवायें।

दिमागी बुखार के सम्बन्ध में अपने नज़दीकी अस्पताल/स्वास्थ्य केन्द्र से तत्काल सम्पर्क करें।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एस.के. सिंह ने बताया कि "संचारी रोग नियंत्रण माह जागरूकता रैली" नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को दिमागी बुखार के प्रति जागरूक करेगी। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर, डीपीएम सरजू खान, डीएचईआईओ बृजेश सिंह सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

डिप्थीरिया का संदिग्ध मिला न्योराई का बालक

एटा। जिल में डिप्थीरिया (गलाघोंटू) का संदिग्ध केस स्वास्थ्य विभाग को मिला है। मामले की जानकारी होते ही बच्चे के घर स्वास्थ्य टीम जा पहुंची और परीक्षण किया। वहीं संदिग्ध बच्चे का सैंपल जांच के लिए दिल्ली भेजा गया है। इसके साथ ही क्षेत्र में आशा व एएनएम को सक्रिय कर दिया गया है। गांव न्योराई निवासी दो वर्षीय आर्यन के परिजन बच्चे को गले में शिकायत होने पर शहर के एक निजी चिकित्सक के पास लेकर आए थे। जहां चिकित्सक को बच्चे में डिप्थीरिया के लक्षण मालूम पड़े। उन्होंने इसकी सूचना 28 सितंबर को सीएमओ कार्यालय पर दी। 29 सितंबर को डॉ. नकुल राना बच्चे के घर जांच के लिए जा पहुंचे। उन्होंने जांच की और मामले की जानकारी उच्चधिकारियों को दी। वहीं उच्चाधिकारियों के निर्देशन में बच्चे का सैंपल जांच को लिया गया। बताया जा रहा है कि सैंपल को दिल्ली डब्ल्यूएचओ के माध्यम से भेजा गया है। जबकि जिले में जलेसर क्षेत्र में भी मई माह में एक डिप्थीरिया का केस सामने आया था। इसके बाद स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा वहां कार्रवाई की गई थी। लेकिन क्षेत्र में अन्य कोई बच्चा डिप्थीरिया से ग्रसित नहीं मिला था।

क्या है डिप्थीरिया

डॉ. अंशुल गुप्ता ने बताया कि डिप्थीरिया रोग संक्रमण से होता है। इसके बैक्टीरिया टांसिल और श्वांस नली को संक्रमित करते हैं। संक्रमण फैलने से एक ऐसी झिल्ली बन जाती है, जो सांस लेने में बाधक बनती है। इस बीमारी के होने पर गला सूखने लगता है, आवाज फटने लगती है, गले में जाल पड़ने के बाद सांस लेने में दिक्कत होती है।

संक्रमण फैलने के कारण

- इस बीमारी का संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में खांसने और छींकने से फैलता है।
- इसके जीवाणु पीड़ित व्यक्ति के मुंह, नाक और गले में रहते हैं।
- यदि इसके इलाज में देरी हो जाये तो जीवाणु पूरे शरीर में फैल जाते हैं।

एक ही चारपाई पर सोये थे लिव इन में रह रहे महिला-पुरुष, सुबह इस हाल में मिले दोनों के शव देखकर कांप गई रूह

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में लिव इन में रह रहे महिला-पुरुष एक ही चारपाई पर सोये थे। सुबह इस हाल में दोनों के शव मिले। देखकर लोगों की रूह कांप गई। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में सोमवार की सुबह महिला-पुरुष के शव चारपाई पर पड़े मिले। यह दस वर्षों से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। बेटी ने देखा तो उसकी चीख निकल गई। शोर सुनकर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई है। घटना जसराना थाना क्षेत्र के गांव कटैना हर्षा की है। गांव निवासी संतोषी देवी (42), उसका साथी दिवाकर (42) रविवार की देर रात घर में एक ही चारपाई पर सोए थे। सुबह नहीं जागने पर संतोषी की पुत्री जगाने पहुंची तो दोनों की स्थिति देख उसकी चीख निकल गई। चीख पुकार मचने पर परिजन के साथ अन्य लोग आ गए। चारपाई पर दोनों शव पड़े हुए थे। उनके ऊपर पंखा गिरा हुआ था। महिला और पुरुष की मौत होने पर परिवार में चीख पुकार मच गई।

सूचना पर सीओ राजवीर सिंह और थाना प्रभारी महेश सिंह पुलिस फोर्स के मौके पर पहुंचे और घटना के बारे में जानकारी की। परिजन ने बताया कि संतोषी और दिवाकर पिछले दस वर्षों से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। एक ही चारपाई पर सोने के दौरान पंखे में आ रहे करंट के चलते दोनों की मौत हुई है। महिला का पति सत्यप्रकाश जयपुर में नौकरी करता है। कटैना हर्षा में महिला व पुरुष के शव चारपाई पर मिले हैं। प्रथम दृष्ट्या करंट से मौत होना प्रतीत हो रहा है।

शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। दोनों परिजन की सहमति से साथ में रह रहे थे। - राजवीर सिंह, सीओ जसराना

प्रो. रामगोपाल यादव के भाई पंचतत्व में विलीन

सैफई। सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव के बड़े भाई अतर सिंह सोमवार सुबह पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके प्रपौत्र ने नुमाइश ग्राउंड में चिता को मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रो. रामगोपाल यादव और शिवपाल सिंह यादव समेत पूरा परिवार शामिल हुआ। रविवार शाम पांच बजे मामूली तबीयत खराब होने पर अतर सिंह यादव का निधन हो गया था। सोमवार को सैफई महोत्सव ग्राउंड में बने समाधि स्थल पर अंतिम संस्कार किया गया। सुबह 10ः30 बजे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए नोएडा से आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे से होकर सैफई पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, राजपाल यादव, अभयराम सिंह यादव, सांसद डिंपल यादव, पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव, पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, पीसीएफ के पूर्व चेयरमैन आदित्य यादव, आर्यन यादव, कार्तिकेय यादव समेत परिवार के अन्य सदस्य शामिल रहे। सैफई स्थित आवास से अंतिम विदाई देकर यात्रा निकाली गई। सैफई महोत्सव ग्राउंड में अतर सिंह के प्रपौत्र राजू यादव ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, एमएलसी मुकुल यादव, विधायक प्रदीप यादव, नगर पालिका इटावा के पूर्व चेयरमैन कुलदीप उर्फ संटू गुप्ता, पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव, पूर्व एमएलसी अरविंद यादव, प्रदीप आढ़तिया, चंदगीराम यादव प्रधान, राजवीर सिंह यादव ठेकेदार नगला तेज, पूर्व प्रधान सुखबीर सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

05 अक्टूबर को न्याय पंचायत सरवा में संचालित होगा "सेवा से संतृप्तिकरण" अभियान

शान्ती देवी सुभाष चन्द्र सुशांत पी.जी. कालेज चाकूजोत में सजेंगे विभागीय पण्डाल

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के ग्रामों को संतृप्त किये जाने तथा जनसमस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अभिनव पहल पर 05 अक्टूबर 2023 को ब्लाक हूजूरपुर अन्तर्गत न्याय पंचायत सरवा की ग्रा.पं. ऐलिहा, पिपरिहा, महिपालसिंह, सदियाबाद, सरखना, सरवा, चाकूजोत, रानीपुर, ताजपुर, गोबरहा, गौरिया व कारीडीहा में विभागीय अधिकारियों के भ्रमण एवं निरीक्षण के माध्यम से उ.प्रा. विद्यालय बैकुण्ठा में आयोजित शिविर में पात्र असंतृप्त अभ्यर्थियों को आच्छादित किया जायेगा।

डीएम ने न्याय पंचायत के सभी ग्रामवासियों से अपील की है कि अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन का भरपूर लाभ उठाएं।

अभियान के दौरान चिकित्सा एवं दिव्यांगजन विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने, गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य की जांच एवं टीकाकरण, परिवार नियोजन, चश्मा वितरण, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम से आच्छादित करने, मोबाइल मेडिकल हेल्थ यूनिट द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, दिव्यांगजन लाभार्थियों को यूडीआईडी कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाएंगे।

खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा अवशेष पात्र असंतृप्त लाभार्थियों के राशन कार्ड बनाने, अपात्रों के नाम हटाने तथा उज्वला योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों को आधार से लिंक करने की कार्यवाही की जाएगी। श्रम रोज़गार विभाग द्वारा अवशेष लोगों के जाब कार्ड बनाने, अमृत सरोवरों को पूर्ण कराने तथा मॉडल शाप तथा जल जीवन मिशन परियोजनाओं हेतु भूमि उच्चीकरण की कार्यवाही की जाएगी।

लीड बैंक प्रबन्धक, उपायुक्त उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, सहायक श्रमायुक्त एवं समन्वयक कौशल विकास मिशन द्वारा असंतृप्त लोगों के बैंक खाता खुलवाने, रोज़गारपरक योजनाओं के लिए पंजीकरण तथा ऋण के लिए आवेदन तथा उस न्याय पंचायत के लम्बित ऋण आवेदनों को स्वीकृत करने की कार्यवाही की जाएगी। समाज कल्याण, प्रोबेशन, दिव्यांगन, राजस्व व ग्राम्य विभाग विभाग द्वारा पेंशन, आय, जाति, निवास एवं कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों का पंजीकरण की कार्यवाही की जाएगी। आईसीडीएस विभाग द्वारा अवशेष गर्भवती व बच्चों का पंजीकरण व स्वास्थ्य जाँच की जाएगी। नलकूप विभाग नलकूपों की स्थापना व खराब नलकूपों को ठीक कराने जबकि मत्स्य विभाग विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध कार्यवाही करेगा। निर्माण कार्यों के भौतिक सत्यापन हेतु डीएम की तकनीकी टीम भी शिविर स्थल पर मौजूद रहेगी।

पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के टीकाकरण, निराश्रित गोवंशों को गो-आश्रय स्थल भेजना व सहभागिता योजनान्तर्गत ग्रामवासियों को गोदान करने के साथ-साथ अन्य विभागीय योजनाओं से भी आच्छादित किया जायेगा। उपायुक्त स्वतः रोजगार, कृषि व पंचायत राज विभाग द्वारा समूह बनाने, विभागीय योजनाओं हेतु पंजीकरण, स्वच्छ शौचालय से लाभान्वित करने के साथ-साथ रोस्टर बनाकर गावों, कूड़ा उठान, स्कूलों व अन्य सरकारी भवनों की साफ-सफाई की जाएगी। विद्युत विभाग द्वारा इच्छुक व्यक्तियों को कनेक्शन निर्गत करने के साथ-साथ अन्य विभागीय समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। जल निगम हर घर जल योजना के तहत कनेक्शन निर्गत करने, भूमि विवाद का निस्तारण एफएचटीसी के तहत सर्टीफिकेशन का कार्य किया जाएगा। लघु सिंचाई विभाग पात्र लोगों को निःशुल्क बोरिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

एसडीएम, तहसीलदार व बीडीओ द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 व 2023-24 में प्राप्त आईजीआरएस के प्रकरणों में निस्तारण की सूची बनाना व स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता का परीक्षण, विगत 03 वर्षो में धारा-24, 67, 122बी कुर्रे, धारा 80 इत्यादि के अनुपालन का स्थलीय सत्यापन। वर्तमान में विभिन्न न्यायालयों में चल रहे वादों में लेखपाल व राजस्व निरीक्षक की सूची बनाना तथा रिपोर्ट लगाना, निर्विवाद उत्तराधिकार के लम्बित प्रकरणों की सूची बनाना व निस्तारण करना, न्याय पंचायतों हेतु निर्गत आर.सी., धारा 122बी व 67 के जुर्माना वसूली, सभी लम्बित आय, जाति, निवास एवं पेंशन प्रकरणों का निस्तारण, बीएलओ द्वारा पुनरीक्षण हेतु फार्म 6, 7, 8 को भराने व बूथों का निरीक्षण, विगत 03 वर्षों में कृषक दुर्घटना योजना से लाभान्वित लाभार्थियों की सूची तैयार करना, न्याय पंचायत के ग्रामवार 02-02 राजस्व एवं विकास विभाग की टीम का गठन किया जाय व रियल टाइम खतौनी एवं अंश निर्धारण घरौनी कार्य सम्पन्न कराये जायेंगे। इस अवसर पर जेसीबी की भी व्यवस्था रखी जायेगी। सीओ व प्रभारी निरीक्षक राजस्व व विकास विभाग की टीम के साथ पुलिस बल उपलब्ध कराएंगे।

जमीन का रुपया हड़पने पर युवक ने ब्लेड से गर्दन काटी

फतेहपुर। जमीन का रुपया हड़पने के बाद युवक ने ब्लेड से गर्दन काट ली। हालत गंभीर देखकर परिजनों ने युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। ललौली थाना क्षेत्र के सुजानपुर गांव निवासी वंसी के दो पुत्र संजय और डब्बू हैं। घर में सोमवार शाम संजय ने ब्लेड से गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। जिला अस्पताल में संजय की पत्नी सोनी ने बताया कि रुपयों की आवश्यकता पर 10 बिस्वा जमीन पति गांव के ही एक व्यक्ति को बेच रहे थे। घर के ही सगे संबंधी ने जमीन खरीदने की बात कही। 3.70 लाख रुपये में जमीन का सौदा तय हुआ। बैनामा के बाद पति को नकद पांच हजार रुपये दिए। बाकी रुपयों का चेक दिया। पति ने बैंक में चेक लगाया। चेक बाउंस हो गया। पति लगातार रुपयों की मांग करते रहे, लेकिन वह रुपये देने को तैयार नहीं हुआ।

दावत पर जा युवतियों को बाजरे के खेत में घसीट ले गए दबंग

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में दावत पर जा युवतियों को दबंग बाजरे के खेत में घसीट ले गए। विरोध करने पर पीटा और जेवर-नकदी लूट ली। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में दावत में शामिल होने जा रहीं युवतियों को दबंगों ने बदनीयती के चलते जबरन बाजरा के खेत में खींच लिया। घटना का विरोध करने पर दबंगों ने परिजन व युवतियों को बेरहमी से पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया है। नसीरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी कुछ युवतियां क्षेत्र में ही किसी दावत में शामिल होने के लिए जा रही थीं। जब वह घर से निकलकर कुछ दूरी पर पहुंची। आरोप है कि तभी कुछ दबंगों ने उन्हें बदनीयती के चलते जबरन बाजरे के खेतों में खींच लिया और उनके साथ छेड़छाड़ करने लगे। युवतियों की चीख-पुकार की आवाज सुनकर बचाव के लिए उनके परिजन भी मौके पर पहुंच गए। घटना का विरोध किया तो दबंगों ने युवतियों एवं उनके परिजन को बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। परिजन का आरोप है कि दबंगों ने छेड़छाड़, पिटाई करने के अलावा उनके आभूषण भी लूट लिए हैं। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती कराया है। थाना प्रभारी प्रेमशंकर पांडेय ने बताया कि रास्ते से निकलने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा लिखा गया है। लूटपाट, छेड़छाड़ जैसी कोई घटना नहीं हुई है।

घर में घुसकर महिला से छेड़खानी, प्रधान पर मुकदमा

फतेहपुर। अनुसूचित जाति की महिला के साथ प्रधान ने घर में घुसकर छेड़खानी की। विरोध करने पर महिला को थप्पड़ मारकर उसका मोबाइल तोड़ डाला। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर ललौली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। ललौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने दर्ज एफआईआर में बताया कि वह 28 अगस्त की शाम घर के बाहर खड़ी थी। घर में कोई नहीं था।

बहुआ ब्लाक के हरियापुर ग्राम प्रधान राकेश कुमार प्रजापति दरवाजे पर पहुंचा। रास्ते में रखी लकड़ी हटाने को कहने लगा। लकड़ी उसकी न होने पर उठाने से इन्कार कर दिया। वह घर के अंदर आ गई। प्रधान भी घर में घुस आया। उसका हाथ पकड़ अश्लील हरकत करने लगा।

10 साल पहले मिले, प्रेम हुआ प्रगाढ़ तो परिजन की मर्जी के बिना गांव में ही रहने लगे साथ

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में प्रेमी युगल के शव मिले। 10 साल पहले दोनों मिले थे। प्रेम प्रगाढ़ हुआ तो परिजन की मर्जी के बिना गांव में ही साथ रहने लगे। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में लिव इन में रहे रहे महिला-पुरुष करीब 10 वर्ष पहले एक-दूसरे के संपर्क में आए थे। दोनों का प्रेम प्रगाढ़ हुआ तो गांव में एक साथ रहने लगे। शुरुआत में तो परिजन व पति ने विरोध किया। लेकिन महिला की जिद के आगे किसी की न चली। दोनों के नहीं मानने पर परिजन बाद में परिजन ने भी विरोध करना बंद कर दिया। तभी से दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। घटना जसराना थाना क्षेत्र के कटैना हर्षा गांव की है। गांव निवासी सत्यप्रकाश परिवार के भरण-पोषण के लिए राजस्थान के जयपुर के पास नौकरी करता है। गांव में उसकी पत्नी संतोषी अपनी पांच पुत्रियों एवं एक पुत्र के साथ रह रही थी। इसी दौरान घर के सामने रहने वाले दिवाकर सिंह से प्रेम संबंध हो गए। दोनों एक-दूसरे से मिलने लगे। प्रेम संबंधों की जानकारी होने पर पहले तो परिजन ने विरोध किया। लेकिन, दोनों के नहीं मानने पर परिजन ने भी कुछ कहना छोड़ दिया। इसके बाद दोनों पति-पत्नी की तरह लिव इन रिलेशन में रहने लगे। रविवार की रात भी दोनों घर पर एक ही चारपाई पर सोए थे। महिला एवं पुरुष की मौत की जानकारी ग्रामीणों एवं परिजन को सुबह छह बजे ही हो गई थी। परिजन ने मामले को दबाने के उद्देश्य से पुलिस को नहीं बताया। बाद में दोपहर में मामले की जानकारी मीडिया को हो गई।

बिल्डर से हमारा हक दिलाएं, तभी सोसाइटी में वोट मांगने आएं

नोएडा। बिल्डर से हमारा हक दिलाएं। बचे फ्लैटों की रजिस्ट्री कराएं, तभी सोसाइटी में वोट मांगने आएं। क्षमा याचना के साथ सेक्टर-120 आरजी रेजीडेंसी के फ्लैट खरीदारों ने सोसाइटी में इस तरह के बैनर लगाने का फैसला किया। इसी कड़ी में सोसाइटी के निवासी सोमवार को सड़कों पर उतर आए और धरना प्रदर्शन किया। आरजी कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स पर धरने की शुरुआत हुई। निवासियों का कहना है कि सोसाइटी में 500 से अधिक रजिस्ट्री लंबित है। बिल्डर के पास 7.5 करोड़ के अलावा क्लब, स्वीमिंग पूल, कम्यूनिटी हॉल आदि की सुविधाओं की मांग वर्षों से की जा रही है। एओए अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने बताया कि इस धरने का मुख्य मकसद नोएडा प्राधिकरण की मिलीभगत से वर्षों से लंबित रजिस्ट्री एवं बिल्डर के प्रोजेक्ट से संबंधित लंबित मामलों को उजागर करना है। सचिव अशोक बिंदलिस ने कहा कि इस बात से सभी सहमत हैं कि बिल्डर के खिलाफ जल्द ही कानूनी लड़ाई लड़ने के साथ साथ बड़े आंदोलनों के जरिए सरकार और प्रशासन तक अपनी बात पहुंचानी होगी। उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बिल्डर की नाकामियों को नए टावरों के नए खरीदारों के सामने उजागर करते हुए सचेत रहने को कहा।

इसी उद्देश्य से सोसाइटी के सभी गेटों पर इस तरह के बैनर लगाने का कार्य किया गया। बिल्डर और प्राधिकरण के खिलाफ गांधी जयंती के मौके पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया गया। उनका कहना है कि 155 करोड़ के डिफॉल्ट के बाद भी नए टावरों की एफएआर की अनुमति प्राधिकरण के साथ मिलीभगत का नतीजा है। इस मौके पर बोर्ड मेंबर शैलेंद्र यादव, शिव अवस्थी, रजनी अग्रवाल और अविनाश अरुण मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस बाबत आरजी ग्रुप मीडिया प्रभारी कविता चावला ने बताया कि प्राधिकरण से भी लगातार बात हो रही है और उम्मीद है कि बची हुई रजिस्ट्रियों का रास्ता जल्दी खुल जाएगा।

पहले भी अक्तूबर में झूमकर बरसे हैं बदरा, अभी तीन दिन और बारिश के आसार

गोरखपुर। गोरखपुर में मानसून अक्तूबर में भी मेहरबान रहा है। पिछले दो वर्षों से अक्तूबर में झूमकर बारिश हुई है। वर्ष 2021 व 2022 में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई है। इस बार भी माह का शुरुआती दो दिन राहत भरा रहा। मौसम विज्ञान विभाग ने अभी तीन दिन हल्की से मध्यम बारिश और बादल छाए रहने का आसार जताया है। जून और जुलाई में अपेक्षाकृत कम बारिश हुई, लेकिन अगस्त में करीब 484 मिलीमीटर बारिश से कुछ राहत मिली। सितंबर में भी अपेक्षाकृत कम बारिश होने से निराशा हुई। अब पिछले दो वर्षों से अक्तूबर में बारिश की लोगों ने आस लगा रखी है। वर्ष 2021 में 251.2 व 2022 में 239 मिलीमीटर बारिश हुई थी। पिछले दो वर्षों से झमाझम बारिश से मानसून का ट्रैफ आगे बढ़ने का अनुमान जताया जा रहा है। इस बार भी अक्तूबर का शुरुआती दो दिन राहत भरा रहा। रविवार की देर रात तेज हवा के साथ जिले के अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। सोमवार को भी पूरे दिन बादल छाए रहे। सुबह बूंदाबांदी हुई लेकिन शाम को बारिश से मौसम सुहाना हो गया।

डीएम की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद की बैठक सम्पन्न

बहराइच। भू-गर्भ जल प्रबन्धन एवं विनियमन अधिनियम 2019 के अन्तर्गत विविध प्राविधानों के क्रियान्वयन हेतु विकासित किये गये आनलाइन वेब पोर्टल यूपीजीडब्ल्यूडी आनलाइन डाट इन पर 23 सितम्बर 2023 तक विधिमान कूप की बोरिंग हेतु प्राधिकार एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र नवीनीकरण एवं ड्रेलिंग एजेन्सी के पंजीकरण हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों के निस्तारण के सम्बंध में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद बैठक की अध्यक्षता करती हुई जिलाधिकारी मोनिका रानी ने हाइड्रोलाजिस्ट एवं परिषद के नोडल अधिकारी अजीत कुमार कन्नौजिया को निर्देश दिया कि भू-गर्भ जल प्रबन्धन एवं विनियमन अधिनियम 2019 के प्राविधानों एवं सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के गाइडलाइन के अनुसार समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए तथा आवश्यक अभिलेख सम्बन्धित आवेदकों से आवश्यक अभिलेख प्राप्त करते हुए पुनः बैठक आयोजित करायी जाय।

बैठक के दौरान चीनीमिल नानपारा द्वारा जल उपयोग से सम्बन्धित आवेदन पत्र पर आवश्यक विचार-विमर्श के साथ नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच संजय शर्मा, उपायुक्त उद्योग डॉ केशवराम वर्मा, भूमि संरक्षण अधिकारी सिचाई आकांक्षा यादव, सहायक अभियन्ता लघु सिचाई मंशाराम मौर्या सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

त्रिगुट

गुरुवार 05 अक्टूबर 2023

दागी लोकतंत्र के लिए हानिकारक

जनता के जनप्रतिनिधियों की छवि सार्वजनिक जीवन में आम जनता के बीच स्वच्छ एवं आदर्शयुक्त होनी चाहिये। यह उनके व्यवहार एवं कृत्यों का दर्पण होता है। एक स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक भी है। लेकिन विगत कुछ वर्षों में हमारे माननीयों में दागदार लोगों की संख्या में होने वाली बढोत्तरी एक अच्छे लोकतंत्र के लिए खतरे की घण्टी हैं। विगत वर्षों में राजनीति एवं अपराधियों गठजोड़ काफी फल फूल रहा है एवं इसमें बढोत्तरी भी हो रही है। 2014 में 15वें प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने शपथ ली एवं जब संसद में पहली बार प्रवेश किया था तब माथा टेककर प्रवेश करते हुए कहा था। राजनीति में जो अपराधियों की घुसपैठ है उनको उनके उचित स्थान पर भेजा जायेगा।

चुनावी हलफनामों के आधार पर एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म अर्थात् ए. डी. आर. के विश्लेषण में संसद के 763 सांसदों में से 306 ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किये हैं जिसमें हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध शामिल है। इस रिपोर्ट में केरल 75 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है। इसी तरह विधानसभाओं में 44 प्रतिशत विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसमें भी 28 प्रतिशत ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की थी। इसे विडम्बना ही कहा जायेगा एक व्यक्ति जो जेल मं बंद है और जिसे वोट देने का भी अधिकार नहीं है लेकिन चुनाव लड़ने के लिये मान्य हैं। इसके पीछे यह तर्क दिया जाता है कि, जब तक कोई दोषी सिद्ध न हो जाये तब तक उसे निर्दोष ही माना जाना चाहिये। बस इसी की आड़ में राजनीति में अपराधीकरण बढ़ रहा है एवं इसी के चलते लोकतंत्र में संसद एवं विधानसभाओं में इनका प्रवेश भी बढ़ता जा रहा है। इसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियां जवाबदेह है जो इन्हें टिकट देकर लोकतंत्र के मंदिर में प्रवेश का रास्ता साफ करते हैं।

यद्यपि ऐसे माननीयों की सुनवाई के लिए फास्ट टेऊक कोर्ट का गठन किया गया है जो सांसदों एवं विधायकों के विरूद्ध चल रहे प्रकरणों की सुनवाई करती है। विभिन्न उच्च न्यायालयों से आई रिपोर्ट के आधार पर नवंबर 2022 तक देश भर की अदालतों में वर्तमान एंव पूर्व सांसदों, विधायकों के खिलाफ कुल 5175 मामले लंबित है जिसमें से 2113 मामले पांच साल से ज्यादा पुराने हैं। एक सुझाव यह भी आया कि, सांसद एवं विधायकों के कोर्ट में लंबित मामलों की नियमित सुनवाई हो, संसाधनों की कोई कमी न हो, जजों के पद खाली न रहे, ताकि मुदकमों की सुनवाई तेजी से हो ताकि दागी नेताओं को चुनाव लड़ने से रोका जा सकें, ताकि दागी नेताओं की संख्या सीमित हो सकें। एक रिपोर्ट में कहा गया है अयोग्यता समय सीमित (2 वर्ष या अधिक की सजा) करने से संविधान के अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार का भी खुला उल्लंघन हैं। वकील अश्वनी उपाध्याय ने तो सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दोषी ठहराये जाने पर चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की है। जब शासकीय सेवा में ऐसा है तो विधायी संस्थानों में पद धारण के लिए क्यों नहीं ? वास्तव में राजनीतिक पार्टियों एवं आपराधिक दाग से कलंकित नेताओं के मध्य एक गहरा गठजोड़ है। राजनीतिक पार्टियों का तो केवल एक ही मकसद होता है जिताऊ अभ्यार्थी, बस यही से सब घाल मेल शुरू होता है। चूंकि ऐसो की प्रकृति तो आपराधिक है जिसके चलते लोकतंत्र के मंदिर में इनके आचरण से लोकतंत्र एवं पार्टियों को समय-समय पर नीचे भी देखना पड़ता है। आजकल एक नया टेऊड भी चल निकला ये उनका व्यक्तिगत मत है। यह भी बुराईयों को ढकने का एक चलन है। दागी नेताओं को रोकने के लिए सरकार को चुनाव आयोग को न केवल शक्तिशाली बनाना चाहिये बल्कि विशेष शक्तियों से सम्पन्न भी बनाने का प्रयास करना चाहिये।

(कविता) अपशिष्ट

प्रभुनाथ शुक्ल

कल तक जो विशिष्ट था
वह अब अपशिष्ट है
उसका न कोई परिशिष्ट है
वह छोड़ दिया गया है
लावारिश सा... ?
घर के किसी कोने में या आसपास
खुली सड़क या फिर मैदान में
कल वह ! कचरा बन जाएगा
अपनों से जो छूट जाता है
वह गैरों से भी रूठ जाता है... ?
लोग उसे अर्थहींन समझते हैं
कचरे की माफ़ीक ?
वह कबाड़ बन जाएगा
कबाड़ी को बिक जाएगा
या फिर कूड़ा बन जाएगा
हाँ ! वहीं विशिष्ट
कल अपशिष्ट बन जाएगा
शायद ! यहीं नियति है ?

नेपाल से लेकर उत्तर भारत तक जब डोलने लगी धरती

डॉ श्रीगोपाल नारसन

नेपाल में धरती से 5 किमी नीचे भूकंप के केंद्र बिंदु ने 3 अक्टूबर की दोपहर 2 बजकर 51 मिनट पर पहले 4.6 तीव्रता व एक मिनट के ही अंतराल में फिर 6.2 तीव्रता ने सबको हिलाकर रख दिया।सम्पूर्ण नेपाल, उत्तर भारत मे जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, देहरादून आदि क्षेत्रों में धरती डोलती देखकर लोग घरों,दफ्तरों व बाजारों में दुकानों से बाहर निकल आए। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती के एक दिन में मात्र एक मिनट के अंतराल पर दो बार डोलने से दहशत मच गई। भूकंप के इन तेज झटकों से लोग अभी दहशत में है।बीते साल भी 8और 9 नवंबर की रात 1:57 बजे आए भूकंप का मैग्नीट्यूड 6.3 था और इसका असर भारत के अलावा नेपाल और चीन में भी देखा गया था।यानि भारत के साथ ही नेपाल और चीन में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र तब भी नेपाल रहा था। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग अपनी सोसायटी व बस्ती से बाहर निकल आए। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे।भूकंप का केंद्र जमीन से 5 किमी की गहराई में था। ।भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त कर सकने की इसमें क्षमता होती है।

भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।पिछले साल यानि सन 2021 में 11 सितंबर को जोशीमठ से 31 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण पश्चिम में सुबह 5:58 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 थी। उत्तराखंड में इस भूकंप का प्रभाव चमोली, पौड़ी, अल?मोड़ा आदि जिलों में रहा था।इससे पूर्व 24 जुलाई सन 2021को उत्तरकाशी से 23 किलोमीटर दूर करीब 1 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया था। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 मापी गई थी। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के साथ डुंडा, मनेरी, मानपुर, चिन्यालीसौड़, बड़कोट, पुरोला व मोरी से भी भूकंप के झटके महसूस किये गए थे।

हरिद्वार जिले में वर्ष 2020 में एक दिसम्बर को नौ बजकर 42 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यड मापी गई थी, जिसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर तक थी। इस भूकंप से कोई क्षति तो नही हुई थी।लेकिन यह भूकंप भविष्य में किसी बड़े भूकंप का संकेत अवश्य माना गया था।उत्तराखंड भूकंप के दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है। यहां एक साल में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए जाते हैं। 25 अगस्त सन 2020 को भी उत्तरकाशी में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र टिहरी गढ़वाल था। रिक्टर पैमाने पर उसकी तीव्रता 3.4 मापी गई थी। इससे पहले को चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में 21 अप्रैल सन 2020 को भूकंप के झटके महसूस हुए थे। जिसका केंद्र चमोली जिले में था, रिक्टर पैमाने पर उस भूकंप की तीव्रता 3.3 थी। भूकंप के इन झटको ने लोगो के मन में बेचैनी बढ़ा दी है।देवभूमि उत्तराखंड से लेकर गुजरात तक भूकंप का खतरा लगातार बना हुआ है। 14 जून सन 2020 की शाम गुजरात के भचाऊ,राजकोट, अहमदाबाद में 5.5 तीव्रता के भूकंप ने सबकी नींद उड़ा दी थी।सन 2015 में नेपाल केन्द्रित भंयकर भूकम्प के कारण नेपाल और उत्तर भारत में ढाई हजार से अधिक मौते भूकंप से हो गई थी और अरबो

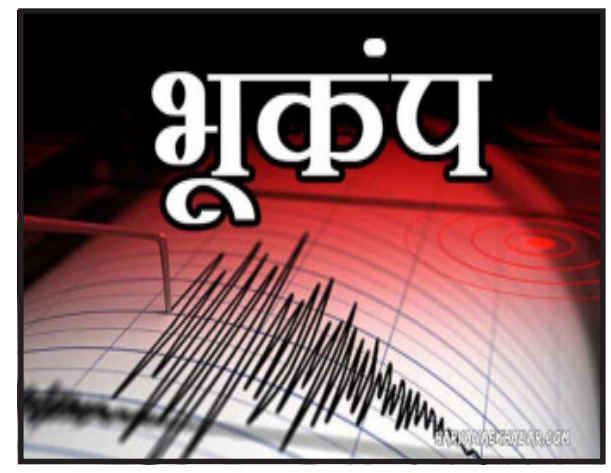

रूपये की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी।सबसे अधिक क्षति नेपाल और नेपाल से सटे बिहार में हुई थी। उस समय सात दशमलव नौ रियेक्टर पैमाने के अधिक तीव्रता के भूकम्प से जो कि हिरोशिमा बम विस्फोट से पांच सौ चार गुना ताकतवर था,से उत्तराखण्ड में भी दहशत फैल गई थी।हिरोशिमा बम विस्फोट से साढे बारह किलोटन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई थी जबकि इस भंयकर भूकम्प से उनास्सी लाख टन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई है जिससे नेपाल और विहार,उत्तर प्रदेश के साथ साथ कई राज्यों में भारी नुकसान हुआ था। उत्तराखण्ड में भी उस समय कई जगह भूकम्प के झटके महसूस किये गए थे। लेकिन उत्तराखंड में भूकम्प से अधिक नुकसान नही हुआ था,लेकिन इससे पूर्व उत्तराखंड भूकंप की भयंकर त्रासदी झेल चुका है।उत्तरकाशी, पिथौरागढ़,अल्मोड़ा, द्वारहाट, चमोली जिले भूकंप के निशाने पर है।दरअसल उत्तराखण्ड भूकम्प के मुहाने पर खड़ा है, यहां कभी भी भूकंप से धरती डोल सकती है।जिससे उत्तराखण्ड कभी भी तबाह हो सकता है। अपनी भोगोलिक परिस्थिति के कारण बादल फटने,जल प्रलय,भूस्खलन के कारण हजारो मौतो के साथ ही मकानों तथा खेत खलियानों के नष्ट होने का कारण बनता रहा है। भू वैज्ञानिको की माने तो उत्तराखण्ड कभी भी भूकम्प आपदा से प्रभावित हो सकता है। भूकम्प की दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील उत्तराखण्ड सच पुछिए तो मौत के मुहाने पर खडा है। उत्तरकाशी में आए भूकम्प और धारचूला व लोहाधाट जैसी जगहों पर कई बार आ चुके भूकम्प की त्रासदी झेल चुके उत्तराखण्ड न सिर्फ अपने लिए बल्कि पडोसी राज्यों के लिए भी तबाही का सबब बन सकता है। भूकम्प का सबसे बडा खतरा टिहरी बांध से है ,अगर कभी इतनी तीव्रता का भूकम्प आया जो टिहरी बांध के लिए खतरा बन गया तो न उत्तराखण्ड बचेगा और न ही उ0प्र0 और दिल्ली बच पाएगी। वैज्ञानिक मानते है कि उत्तराखण्ड भारत में भूकम्प आपदा के मामले में सबसे ज्यादा सबसे अधिक खतरे में है। उत्तराखण्ड में हर 11 साल के अन्तराल पर एक बडा भूकम्प आता है। इस अन्तराल के हिसाब से उत्तराखण्ड में बडा भूकम्प आना सम्भावित है। जिसका संकेत हाल का भूकंप हो सकता है।इसलिए हमें उत्तराखण्ड में बडे भूकम्प के लिए तैयार रहना चाहिए। जिसके लिए सावधानी ही बचाव सबसे बडा फार्मूला है। उनका कहना था कि पशु पक्षियों के व्यवहार में बदलाव से भूकम्प का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है ।फिर भी कोई सटीक ऐसा पैमाना नही है जिससे भूकम्प का पहले से पता लगाया जा सकता हो। लेकिन अगर भूकम्परोधी भवन हो और भूकम्प आगे पर बचाव के उपाय जनसामान्य जान जाए तो भूकम्प से होने वाले जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है। वही भूकम्प को लेकर दुनिया के कई देशों में शोधकार्य चल रहे है।आई आई टी रूडकी के भूकम्प अभियान्त्रिकी विभाग एवं भूविज्ञान विभाग में भी भूकम्प पूर्वानुमान पर काम किया जा रहा है। भूकम्प पर शोध कार्य कर रहे प्रोफेसर डा0 दयाशंकर का कहना है कि कुछ पैरामीटर और प्रीकर्सर के आधार पर भूकम्प की भविष्यवाणी की जा सकती है। उनका कहना है कि शार्ट टाइम पीरियड व लांग टाइम पीरियड पर आए भूकम्प आकंडो का अध्ययन करके भूकम्प की यह भविष्यवाणी तक की जा सकती है कि किस क्षेत्र में किस मैग्नीटयूड का भूकम्प आ सकता है। साथ ही भूगर्भ व वातावरण में होने वाले परिवर्तन भी भूकम्प की भविष्यवाणी का आधार बनते है।

भूकम्प वैज्ञानिक डा दयाशंकर के मुताबिक 40 से लेकर 60 ऐसे पैरामीटर है जिनके अध्ययन के आधार पर भूकम्प की भविष्यवाणी सम्भव बताई गई है। भूकम्प के एक अन्य वैज्ञानिक ए के सराफ का अध्ययन है कि जिस स्थान पर भूकम्प आता है, प्राय वहां के तापमान में वृद्धि हो जाती है। यानि अगर कही तापमान अचानक बढने लगे तो यह भूकम्प आने का संकेत हो सकता है। चीन देश भूकम्प की भविष्यवाणी में सबसे आगे है। चीन ने वर्ष 1975 में 4 फरवरी को आए भूकम्प की पूर्व में ही भविष्यवाणी कर दी थी जिससे 7.3 मैग्नीटयूड के विनाशकारी भूकम्प से सब लोग पहले ही सचेत हो गए थे और भूकम्प से होने वाले जन नुकसान को कम कर लिया गया था। भूकम्प वैज्ञानिको के अनुसार हिमालयी क्षेत्र में पहले से ही तीन बडी भूकम्पीय दरारें सक्रिय है जिनमें मेन बाउन्ड्री थ्रस्ट समूचे उत्तराखण्ड को प्रभावित करती है। साथ ही इसका प्रभाव हिमाचल से लेकर कश्मीर तक और फिर पाकिस्तान तक पडता है। वही मेन सेन्ट्रल थ्रस्ट भारत नेपाल बार्डर के निकट धारचूला से कश्मीर तक अपना प्रभाव बनाती है। इस थ्रस्ट की चपेट में हिमाचल का कुछ क्षेत्र आता है। जबकि मेन सेन्ट्रल थ्रस्ट का इंडियन सूचर जोन कारगिल होते हुए पाकिस्तान तक अपना प्रभाव दिखाता है। भूकम्प वैज्ञानिक प्रो एच आर वासन का कहना है कि जिस तरह से पूर्वोत्तर राज्यों में दो साल पूर्व भूकम्प से भारी तबाही हुई उसी प्रकार उत्तराखण्ड का अल्मोडा क्षेत्र भी कभी भी भूकम्प आपदा का शिकार हो सकता है। जिसके लिए अभी से बचाव की आवश्यकता है। उत्तराखण्ड का भूकम्प से खास रिश्ता रहा है। भूकम्प के उत्तराखण्ड के भूकम्प इतिहास पर नजर डाले तो 2 जुलाई 1832 के 6 तीव्रता के भूकम्प ने उत्तराखण्ड क्षेत्र की नींद उडा दी थी। इसके बाद 30 मई 1833 व 14 मई 1835 के लोहाधाट में आए भूकम्प से उत्तराखण्ड हिल गया था। इसी तरह धारचूला में 28 अक्टूबर 1916,5 मार्च 1935,28 सितम्बर 1958,27 जून 1966,24 अगस्त 1968,31 मई 1979,29 जुलाई 1980 तथा 4 अप्रेल 1911 के भूकम्प उत्तराखण्ड में विनाशलीला के कारण बने है। भूकम्प वैज्ञानिको के अनुसार उत्तराखण्ड में भूकम्प का खतरा टला नही है बल्कि कभी भी देवभूमि उत्तराखण्ड ही नही समूचा हिमालय भूकम्प से डोल सकता है और भारी विनाश का कारण बन सकता है।इसलिए भूकंप से बचाव की तकनीक अपनाकर ही भवन निर्माण करें।तभी हम भूकंप से किसी हद तक सुरक्षित रह सकते है।अन्यथा धरती हिलती रहेगी और हम असुरक्षा के साये में जीते रहेंगे।

भूकंप से जनमानस खौफजदा

नरेन्द्र भारती

दुनिया में भूकंप थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। 3 अक्टूबर 2023 मंगलवार क़ो नेपाल से लेकर उत्तर भारत तक आये भूकंप से जनमानस खौफनाक है। गनीमत रही की कोई मानवीय तबाही नहीं हुई और जान माल का नुकसान नहीं हुआ। नेपाल के पश्चिमी क्षेत्र में मंगलवार क़ो आधे घंटे के अंतराल में दो बार तेज भूकंप आया। भूकंप से नेपाल दहल गया यहां पर कई इमारते धराशाई हो गई 11लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र नेपाल था और भारत में सोनीपत व असम भूकंप के केंद्र थे। 25 अप्रैल 2015 क़ो बहुत ही त्रासदी हुई थी जिसकी तीव्रता 7.8 थी तब 8 हजार लोगों की जान गई थी। राजधानी दिल्ली समेत पुरे उत्तर भारत में भूकंप के झटके महसूस किये गए। भूकंप की तीव्रता 6.3 थी भूकंप का केंद्र धरती के पांच किलोमीटर नीचे था। वर्ष 2016में पूर्वोतर समेत देश के आठ राज्यों में भूकंप से आठ लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोगों का जख्मी होना बहुत ही दुखद घटना थी। इस भूकंप ने पूरे देश के हिला दिया था रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 6.7 थी। इस भूकंप का केन्द्र इंफाल से 33 किलोमीटर दूर था। भूकंप से राजधानी इंफाल में भारी नुक्सान हुआ था। नव वर्ष के आगमन 2016 में हुआ यह भूकंप काल बनकर आया था और लोग असमय काल के गाल में समा गए थे। देश के अन्य राज्यों में भी काफी नुक्सान हुआ है। इस विनाशकारी भूकंप से जनमानस खौफजदा है कि कही फिर से भुकंप न आ जाए। असम के गुवाहाटी में व अन्य स्थानों पर 20 से अधिक लोग घायल हो गए थे। भूकंप की वजह से बिहार के किशनगंज में एक और पशिचम बंगाल में आठ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए थे। सरकारें जितना पैसा मुआवजा राशि पर खर्च करती है उतना लोगों को भूकंप जैसी त्रासदियों से बचाव के लिए लोगों को कैपों के माध्यम से जागरुक किया जाना चाहिए। इससे पहले भी भारत में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है 26 जनवरी 2001 कों गुजरात में आए भूकंप ने भारतीय समाज को कभी नहीं भूल पायेगा जहां तबाही का मंजर बहुत ही दर्दनाक था। इसमें लगभग 20000 लोग मारे गए थे। 4 अप्रैल 1905 को हिमाचल के कांगड़ा में आए विनाशकारी भूकंप में 20000 हजार लोग मौत के आगोश में समा गए थे। भूकंप की विभिषिका में हजारों लोग अपंग होते है बच्चे अनाथ हो जाते है हजारों लाशे मलवे में दफन हो जाती है। भूकंप का दंश ताउम्र झेलते है। भारत में कभी भूकंप तो कभी सुनामी व बाढ़ जैसी आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता है। सरकार को चाहिए कि इमारतो का निर्माण करने वाले बिल्डरों को आदेश दे की भीड़:भाड़ वाले शहरों में भूकंप रोधी भवनों का निर्माण करना चाहिए।

समय= पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद भूकंप रोधी निर्माण की जरुरत पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है। कुछ लोग भूकंपरोधी भवन नहीं बनाते है दस-दस मजिले बनवाते है लेकिन एक दिन ऐसी आपदाओं के कारण इन्ही घरों में जमीदोज हो जाते है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। शहरों में बिना मानको के इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। अगर सही मानको के मुताबिक निर्माण किया जाए तो जान-माल की रक़्षा हो सकती है और होने वाली तबाही को कम किया जा सकता है मगर हादसों आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदा पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए कि भूकंपरोधी मकानों का निर्माण ही तबाही से बचा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके। अक्सर देखा गया है कि जब तक शहरों में स्थित आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासे उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। देश में आज तक बडे-बड़े विनाशकारी भूकंपों के कारण लाखो लोग मारे जा चुके है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक भूकंप जैसी आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। वक्त अभी संभलने का है।

नवबर्ष में राममंदिर का प्राण प्रतिष्ठा व उद्घाटन की प्रबल संभावना

विनोद तकियावाला

रामभक्तों के लिए नववर्ष 2024 के पहले पखवाड़े में अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर शुभ शुभारम्भ की मिल रहें संकेत से श्रद्धालुओं में खुशी की लहर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की पवित्र जन्म भुमि अयोध्या में नव निंमित राममंदिर को लेकर इस समय बड़ी जानकारी सामने आ रही है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे रामभक्तों के लिए नववर्ष 2024 के पहले पखवाड़े में अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर शुभ शुभारम्भ की मिल रहें संकेत से श्रद्धालुओं में खुशी की लहर विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र व सबसे बड़े आबादी वाला हमारा देश भारत हमेशा ही चर्चा के केन्द्र में रहा है।चाहे वह राजनीतिक क्षेत्र हो या आर्थिक क्षेत्र हो विज्ञान क्षेत्र हो या अन संसाधन क्षेत्र,धर्म हो या संस्कृति व सभ्यता का क्षेत्र हो। तभी अनेकता में एकता का देश कहा जाता है।जिसका सबसे बडा प्रमाण हमारा संविधान है।आज हम द्वापर युग में जनकल्याण के हेतु मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम नें आयें व मानव समाज में अनेकों उदाहरण पेश कर लीला की।यही कारण है आज भी युग युगांतर बाद आज भी उनकी लीला व संस्मरण साहित्य के रामायण पुज्यनीय है। आज मै इसी के संदर्भ में अपनी लेखनी के माध्यम सें कुछ जानकारी देने का प्रयास किया है।

विश्वनीय सुत्रों के अनुसार मंदिर निर्माण समिति के श्रोतों का मानना है कि श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा अगले वर्ष सन 2024 के अनुमानित तिथि (22जनवरी 24)को प्रबल संभावना है।इस संदर्भ में यह क्यास लगाये जा रहे कि 20 से 24 जनवरी के बीच किसी भी दिन स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समारोह में शामिल होगें।सर्वविदित रहे कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या नगरी में राम मंदिर के पहले चरण का काम दिसंबर अंत तक पूरा होने की पुरीउम्मीद है। माह नवमी तिथि के दोपहर 12 बजे सूर्य की किरणें श्रीराम की मूर्ति पर पड़ें,ऐसी व्यवस्था की जा रही है।साथ ही गर्भ गृह में दो मूर्तियां होंगी-एक चल और एक अचल प्रतिमा होगी।एक श्रीराम की बाल्यावस्था की और दूसरी रामलला की होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के अनुसार 'भगवान राम चार या पांच साल की उम्र के होंगे और मूर्ति की ऊंचाई 51 इंच होगी।मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के समारोह में लगभग 10 हजार अति विशिष्ट आमंत्रित सदस्य होंगेढ्ढइनमें राम मंदिर निर्माण आंदोलन से जुड़े साधु-संत समाज के लोग और देश,विदेश और खास तौर पर उत्तर प्रदेश के जाने माने लोग भी शामिल होंगे। एक सरकारी समाचार ऐजेन्सी को दिए गए अपने साक्षात्कार में उन्होंनें ने कहा कि मंदिर के भूतल यानी ग्राउंड लेवल का काम निश्चित तौर पर 31दिसंबर 2023 तक पूरा हो जाएगा।मंदिर निर्माण के ट्रस्ट द्वारा ये निर्णय लिया गया है कि14 जनवरी के बाद मकर सक्रांति के बाद वहाँ पर प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित होगा।इस संदर्भ में साधु-संत जो इस विद्या में निपुण हैं,लोगों से राय भी किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव रहे नृपेंद्र मिश्रा ने राम मंदिर के निर्माण के दौरान आई चुनौतियों पर भी चर्चा की। जैसा कि आप को मालुम है कि देश में अगले वर्ष 24 में लोक सभा के आम चुनाव होने वाली है।उसके पहले पाँच राज्यों में विधान सभा के चुनाव होने वाली है।ऐसे में केन्द्र में सता के सिंधासन पर आसीन भाजपा सरकार अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण व अगले वर्ष 24 में मन्दिर का ना केवल निमार्ण पुरा कर बल्कि शुभ शुभारम्भ व प्राण प्रतिष्ठा की घोषणा कर पाँच राज्यों(राज्यस्थान,मध्यप्रदेश, छतीसगढ़,तेलेगाना व नागालैण्डके विधान सभा चुनाव व अगले वर्ष 24 में होने वाले लोक सभा के आम चुनाव में अपने हिन्दु मतदाताओ के वोट अपने पक्ष में करने से पीछे नही रहना चाहती है।भारतीय राजनीति के जानकारों के मानना है कि ऐसा स्वर्णिम अवसर व भाजपा मतदाताओ को अपने पक्ष में करते हुए जताना चाहती है कि भाजपा अपने मतदाताओं से सिर्फ वादा नहीं करती है,बल्कि पुरा भी करती है।कम सें कम धर्म व धार्मिक कार्ड चलने में। ताकि धर्म की आड़ में पार्टी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक सके।

अयोंध्या में नवर्निमित राम मंन्दिर में श्रद्धालाओं को राम लला जी का दिव्य दर्शन करने का स्वर्णिम सौभाग्य प्राप्त करनें मे अभी समय लगेगा।तभी तो किसी नें ठीक ही कहा है कि इंतजार का फल मीठा होता है।फिलहाल आप यही कहते हुए विदा लेते है कि-ना ही काहुँ सें दोस्ती,
ना ही काहुँ सें बैर॥
खबरीलाल तो माँगे।
सबकी खैर॥
फिर मिलेगें।तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग।तब तक के लिए

महिला आरक्षण-महिलाओं को राजनीति का सबसे बड़ा तोहफा

संदीप सिंह

- राष्ट्रपति मुर्मू की मंजूरी से नारी शक्ति वंदन अधिनियम बना कानून

केंद्र की मोदी सरकार ने पिछले 27 सालों से अटके महिला आरक्षण बिल को लागू कर दिया है। साथ ही इस बिल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं। जिसके बाद यह विधेयक अब कानून बन गया है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने गजट अधिसूचना जारी की है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक को गुरुवार (28 सितंबर) को उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के हस्ताक्षर के बाद राष्ट्रपति के पास उनके अनुमोदन के लिए भेजा गया था। इसी महीने की शुरुआत में संसद के विशेष सत्र के दौरान संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था। इसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम (Nari Shakti Vandan Act) के नाम से जाना जाएगा।

- सदन में 33 फीसदी महिलाओं को आरक्षण

इस विधेयक के जरिये लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। हालांकि महिलाओं को इसका लाभ जनगणना और परिसीमन (लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण) की प्रक्रिया के बाद ही मिल सकेगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होने के बाद लोकसभा की 543 सीटों में से 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यह आरक्षण 15 साल तक रहेगा। इसके बाद संसद चाहे तो इसकी अवधि बढ़ा सकती है। आरक्षण सीधे चुने जाने वाले जनप्रतिनिधियों के लिए लागू होगा। यानी राज्यसभा और राज्यों की विधान परिषद दायरे में नहीं आएंगी।

- सदन में कितने पड़े वोट

राज्यसभा में 21 सितंबर को महिला आरक्षण से संबंधित 128वां संविधान संशोधन विधेयक पारित किया था। बिल के पक्ष में 214 वोट पड़े, जबकि किसी ने भी बिल के खिलाफ वोट नहीं किया था। इससे पहले 20 सितंबर को विधेयक को लोकसभा से मंजूरी मिल गई थी। इस बिल को लोकसभा ने दो तिहाई बहुमत के साथ पास किया था। इसके पक्ष में 454 और विरोध में दो वोट पड़े थे।

- अब ये शर्तें करनी होंगी पूरी

भले ही राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून बन गया हो, लेकिन इसको अमल में लाने से पहले दो शर्तों को पूरा करना होगा। ये शर्तें जनगणना और परिसीमन की हैं जिन्हें पूरा करने में कई साल लग सकते हैं। नारी शक्ति वंदन कानून के प्रभावी होने की दो शर्तें हैं। महिला आरक्षण कानून आगामी जनगणना के बाद लागू होगा। कानून बनने के बाद होने वाली जनगणना के बाद आरक्षण लागू करने के लिए नए सिरे से परिसीमन होगा। परिसीमन के आधार पर महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित की जाएंगी।

- सदन में 27 साल अटका रहा

इस बिल को पास करवाने की कोशिशें पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक ने की थी, लेकिन 27 सालों तक यह सदन में अटका रहा है। अब 2024 में लोकसभा चुनाव होना है, तो देश की जनता को खुश करने की तमाम कोशिशें मोदी सरकार करने में जुटी हुई है। इस बिल को पास करवाकर भाजपा महिलाओं की आधी आबादी को खुश करने के साथ इंडिया गठबंधन (इ.ह.ह.ह.) में भी फूट डालना चाहती है, क्योंकि इस बिल के प्रस्ताव के विरोध में नीतीश कुमार, लालू प्रसाद और अखिलेश यादव की पार्टियां हमेशा रही हैं। 1996 में जब ये बिल बना था, तभी से ये नेता इसमें ओबीसी (ह्रह्र) कैटेगरी की महिलाओं के लिए उसी कोटे में आरक्षण की मांग उठा रहे हैं। हालांकि ये बिल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में पास हो सका है, लेकिन महिलाओं को इसका फायदा 2029 में होने वाले चुनाव में मिलेगा। ऐसे में विपक्ष की मांग है कि इसे 2024 के चुनाव में ही लागू किया जाए।

- 1996 से चल रही कोशिशें

देश की राजनीति में महिलाओं को भागीदारी नहीं मिल पाई जो उन्हें मिलनी चाहिए थी। पहली बार 2019 के चुनाव में 15 फीसदी महिलाएं लोकसभा में पहुंची थीं। लेकिन 27 सालों में महिला आरक्षण बिल का सफर बेहद दिलचस्प रहा है। महिला आरक्षण बिल को 1996 में तैयार किया था। हालांकि शुरू से इस बिल को लेकर विवाद रहा है। पहली बार में विरोधी नेताओं ने इसे पेश नहीं होने दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने फिर पेश करने की कोशिशें की है। हालांकि इसमें उनकी ही पार्टी ने साथ नहीं दिया है। जिसके बाद 1998 में ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने भी इसे पेश करने की कोशिशें कीं। लेकिन तब समाजवादी पार्टी के नेताओं ने इसका कड़ा विरोध किया है। फिर साल 2000 में कानून मंत्री राम जेठमलानी ये बिल पेश करने में तो सफल रहे लेकिन उस वक्त भी वो इसे पास नहीं करवा पाए। 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस बिल के पक्ष में फिर एक बैठक बुलाई, लेकिन उस वक्त भी इस पर सहमति नहीं बन पाई, क्योंकि मुलायम सिंह यादव की सपा और लालू यादव की आरजेडी इसमें ओबीसी आरक्षण की मांग पर अड़ी रही है। यूपीए सरकार में भी इस बिल को पास कराने की तमाम कोशिशें की गईं लेकिन वो भी राज्यसभा में ही इसे पास नहीं करवा पाई है।

- ओबीसी कोटे की उठाई मांग

देश की सबसे बड़ी पार्टियां भाजपा और कांग्रेस हैं, इसलिए इन दोनों पार्टियों को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिल सकता है। अन्य क्षेत्रीय पार्टियों को कम मिलने की उम्मीद है। इसी के चलते ओबीसी वोट बैंक के आधार पर राजनीति करने वाली आरजेडी (ऋछ्ड) सपा (स्क) और जेडीयू (छ्ठ) इस बिल में ओबीसी (ह्रह्र) सब कोटे की मांग पर अड़ी हुई हैं, क्योंकि ऐसा न होने पर वो चुनाव में पिछड़ सकती हैं।

- यूपी-बिहार का क्या कहता है गणित

बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं, जिसमें वहां से 10 फीसदी महिला सांसद भी लोकसभा में नहीं हैं। 2019 में बिहार से 3 महिलाएं चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंची थीं। जिनमें बीजेपी, जेडीयू और लोजपा की 1-1 महिला सांसद शामिल हैं। कांग्रेस और राजद से यहां एक भी महिला सांसद नहीं है।

वही दूसरी ओर, 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में ये आंकड़ा बिहार से ज्यादा है। लोकसभा में मौजूदा 11 महिला सांसद हैं। 2019 में उत्तर प्रदेश में कुल 104 महिलाएं चुनावी मैदान में उतरी थीं। जिनमें से कांग्रेस की 12 महिला कैंडिडेट, बीजेपी की 10 और अपना दल की 1, सपा की 6 और बसपा की 4 महिला कैंडिडेट शामिल थीं।

- 2019 में महिला कैंडिडेट

अगर 2019 में हुए लोकसभा चुनाव पर नजर डालें, तो पूरे देश में 724 महिलाएं उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। जिनमें सबसे ज्यादा महिला कैंडिडेट कांग्रेस से थीं। कांग्रेस ने 54 महिलाओं को मैदान में उतारा था। वहीं बीजेपी ने 53 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया था। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश से 11-11 महिलाएं जीतकर लोकसभा पहुंची थीं।

भाजपा सरकारों को चाहिए की वो जवान को टैक्स फ्री कर दें

डॉ. उदय नारकर

शाहरुख खान की जवान ने एक अप्रत्याशित कारनामा कर दिखाया है और वो है राष्ट्रवाद पर एकाधिकार का दावा करने वाले आरएसएस के भक्तों की इस फिल्म ने बोलती बंद कर दी है। कश्मीर फाइल्स, केरल स्टोरी जैसी एक विशिष्ट धर्म से धरूना का संदेश बनाने वाली फिल्में बनाने के बाद इन लोगों का हौसला सातवें आसमान पर था। वे ये मानने लगे थे कि भारत का राष्ट्रवाद उनकी धुन पर नाचता है। उन्होंने बड़े सिलसिलेवार तरीके से भारत के राष्ट्रवाद को विभाजनकारी बना दिया। चूंकि शाहरुख खान मुस्लिम थे इसलिए कुछ लोग उन्हें देशद्रोही करार देने की कोशिश कर रहे थे। भाजपा की राजनीति ने देश के दमनकारी तंत्र का उपयोग करके उनके बेटे को फंसा कर प्रताड़ित किया। जवान फिल्म का संवाद, बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर' उस प्रताड़ना को चुनौती देता है। बेशक, चूंकि यह बॉलीवुड का मामला है, इसलिए इस बात का भी ख्याल रखा गया है कि यह मनोरंजन के दायरे में ही रहे।

यह सर्वविदित है कि हिंदी फिल्में एक साथ यथार्थवाद, पलायनवाद, सत्ताधारी विचारधारा और समतावादी सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता का मसालेदार नुस्खा हैं। लेकिन कॉर्पोरेट वर्चस्ववाद -मनुवाद के युग में इसकी समतावादी सामग्री गायब हो गई। हिंदी सिनेमा राष्ट्रवाद का गुणगान करता रहा है और साथ ही इसकी आलोचना भी करता रहा है। आजादी के बाद समाजवादी चेतना का ढांचा नहीं टूटेगा, इस सीमा मे फिल्में बनी। फिल्में ये भी बताती रहीं की फिल्मों ने दिखाया गया राष्ट्रवाद हमारे देश की सामाजिक न्याय से जुड़ी समस्याओं का हल नहीं है। उस समय भी एक वर्ग यह कह रहा था कि पाथेर पांचाली भारत को बदनाम करती है। उसी समय ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है जैसे सवाल भी फिल्मों मे उठाए गए। 1950-60 के दशक के बाद काफी सारे बदलाव आए। खासकर उत्तर भारत पर हवी उच्च वर्णीय वर्चस्ववाद ने समतावादी मूल्यों को दरकिनार करना शुरू कर दिया। कॉर्पोरेट, उसका पैसा और उसका वर्गीय दृष्टिकोण सिनेमा पर हावी हो गया। आरएसएस वालों ने और उनके समर्थकों की फिल्मों ने सामाजिक समानता और न्याय को बहस से बाहर करने की कोशिशें शुरू कर दीं। ऐसे माहौल में आई फिल्म जवान ने उन्हें उसके खास अंदाज मे असमंजस मे डाल दिया। फिल्म मे दिखाई हिंसा की बात करें तो आज बिना दमदार एक्शन और खून-खराबे के आधुनिक फिल्में बनाना दुर्लभ होता जा रहा है। इसके अलावा, वीडियो गेम अब डिजिटल हिंसा को अधिक दृश्यमान रूप में सामान्य बना रहे हैं। सिनेप्रेमी तेजी से इनके आदी होते जा रहे हैं। जवान वैसी नकली हिंसा से भरी है। लेकिन इसकी अतिशयोक्ति और हिंसा का नकलीपन और भी अधिक चौंकाने वाला है। दर्शक फिल्मों में ऐसी एक्शन से भरपूर हिंसा को देखने के आदी हैं। हालांकि जवान एक विशिष्ट मारधाड़ फिल्म है, लेकिन जिस फ्रेम मे इसे बनाया गया है वही उसकी खासियत है। फिल्म की कहानी का क्या है? कर्ज के कारण आत्महत्या करने वाले किसान, कॉरपोरेट कंपनियों को कम ब्याज और अधिक ब्याज पर किसानों को दिए जाने वाले कर्ज, वायु प्रदूषण और प्रकृति का अंधाधुंध दोहन ही नहीं बल्कि ध्वस्त होती दिख रही स्वास्थ्य व्यवस्था को जवान ने अपनी फिल्म का विषय बनाया है। जवान में एक और अंतर है-इसका खलनायक पूंजीवाद की परिधि पर खड़ा अपराधी नहीं है, बल्कि वो पूंजीवाद के केंद्र मे है। मोदी के नये भारत का नायक दरअसल एक खलनायक है जिसका एकमात्र व्यवसाय सभी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को रौंदकर सभी प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों से पैसा कमाना है।

आज के दौर मे कुछ दक्षिणपंथी सिनेमा से संदेश देने लगे हैं कि राष्ट्रवाद ही भारत के सामाजिक- आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों का समाधान और वैकल्पिक विकल्प बन सकता है। कुछ फिल्मों ने भाजपा छाप राष्ट्रवाद का प्रचार किया। भाजपा और भाजपा समर्थकों ने इसके बदले मे उन फिल्मों का जमकर बढ़ावा दिया, टैक्स फ्री कर दिया क्योंकि राष्ट्रवाद का ऐसा संस्करण उसकी राजनीतिक विचारधारा के अनुकूल है। ऐसे समय में अनुभव सिन्हा की मुल्क इतनी अहम फिल्म थी कि जिसमे कहा गया कि भारत पर भारतीय मुसलमानों का भी उतना ही अधिकार है। अनुभव सिन्हा ने साफ कर दिया, हां ये उनकी देशभक्ति और राष्ट्रवाद है। वास्तव में, भारतीय राष्ट्रवाद भारतीय सिनेमा के मूल ताने-बाने में व्याप्त है। वह राष्ट्र निर्माण के हर चरण को अभिव्यक्त करता रहा है। इसने अपनी ताकत और कमजोरियां दिखाई हैं, चाहे उन्हें इसके अंतर्निहित विरोधाभास के बारे में स्पष्ट रूप से पता था या नहीं, लेकिन एक मामले में यह राष्ट्रवाद असंदिग्ध था। ओ ये कि यह राष्ट्रवाद तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक यह समावेशी न हो। वह इस बात पर जोर देता रहा है कि जो राष्ट्रवाद अमर अकबर एंथोनी को एक सूत्र में बांधता है वही वास्तविक भारतीय राष्ट्रवाद है।

बॉलीवुड में बहुत कम सुपरस्टार्स ने मुस्लिम शाहरुख खान जितनी मुद्दों पर आधारित फिल्में की हैं। शाहरुख खान स्टार युग के सुपरहीरो हैं. उनके ऑन-स्क्रीन और असल जिंदगी का मिश्रण तो होना ही था। वो भारी खर्च से खड़ी फिल्म उद्योग का एक अभिन्न हिस्सा है। फिर भी शाहरुख अपनी फिल्मों के जरिए भारतीयता पर मुहर लगाते रहे हैं. फिर भी दिल है हिंदुस्तानी लीजिए, स्वदेश लीजिए या चक दे इंडिया लीजिए। यह भारतीय राष्ट्रवादियों के बीच रचनात्मकता की आवश्यकता को रेखांकित करता है। झूठी देशभक्ति से भरे स्वघोषित ऊंची जाति के भारतीय अमेरिका जाकर अपनी भारतीय पहचान प्रदर्शित करने के लिए सत्यनारायण के अनुष्ठान करते हैं, जबकि फिल्म स्वदेस का नायक अमेरिका में नासा की ऊंची वेतन वाली नौकरी छोड़कर भारत आकार यहाँ की समस्याओं से जुड़कर यहीं का हो जाता है। उसका तारा ये तारा वो तारा हर तारा है। हमेशा विश्वगुरु होने का दंभ भरने वालों के दिमाग के बाहर की ये बात है। चक दे इंडिया के कबीर खान संदेश दे रहे हैं कि महिलाओं को भी तिरंगा झंडा फहराने का अधिकार है। कबीर खान हमें याद दिलाते हैं कि चक दे इंडिया की भारतीयता सिर्फ गंगा के किनारों तक सीमित नहीं है, यह सभी राज्यों से बनी टीम है। इन राज्यों के बिना भारत की टीम नहीं बन सकती, इसीलिए भारत एक संघीय-राज्य है। मोदी के राज्य में पठान नाम से सिनेमा रिलीज करना अपने आप में एक राष्ट्रवादी कृत्य है। यदि सर्वसमावेशी राष्ट्रवाद के लिए जगह नहीं रखी गई तो मुस्लिम भारतीयों को बार-बार दोहराना पड़ रहा है कि वे देशभक्त हैं। वर्तमान स्थिति में राष्ट्रवाद और देशभक्ति के प्रचलित नियमों का उपयोग करते हुए, शाहरुख ने हिंदू राष्ट्रवाद के समानांतर एक राष्ट्रवादी पठान फिल्म बनाई।

जवान का राष्ट्रवाद अधिक तीव्र है और इसलिए अधिक वास्तविक है। इस फिल्म का नायक किसी अजनबी से नहीं लड़ता, वो किसानों के शोषण के खिलाफ लड़ता है। वह आम लोगों की शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए लड़ता है। इसके अलावा, यह पर्यावरणीय क्षति और प्रदूषण से भी लड़ता है जिसके कारण लोगों को ज़हरीली हवा मे साँस लेनी पड़ती है। यह राष्ट्रवाद है जो सामाजिक यथार्थ से सुसंगत है। यह एक ऐसा राष्ट्रवाद है जो ईमानदार आत्मनिरीक्षण के लिए प्रेरित करता है। दूसरी तरफ ये राष्ट्रवाद हमारी लोकतान्त्रिक स्थिति पर सवाल उठाता है और इस बात पर जोर देता है कि लोकतंत्र जवाबदेही पर आधारित होना चाहिए। एक किसान की आत्महत्या इस कहानी का शुरुआती बिंदु है। दूसरा प्रस्थान बिंदु आम लोग हैं, जो ऑक्सीजन कमी से अस्पताल में डैम तोड़ देते हैं। घुसपैठ करना. तीसरा बिंदु निजी भारतीय पूंजीपति हैं जो सेना को खराब गुणवत्ता वाली राइफलों की आपूर्ति करते हैं। चित्र तैयार है। ऐसे कई बिंदु मिलकर इस बड़े राष्ट्रवादी कैनवास का निर्माण करते हैं। बेशक, इस फिल्म की तुलना सत्यजीत राय से नहीं की जा सकती, न ही मृणाल सेन, ऋत्विक घटक, श्याम बेनेगल आदि से। आंकड़ों से पता चलता है कि यह 300 करोड़ बजट कि यह फिल्म एक ब्लॉकबस्टर है। पहले हफ्ते में ही उन्होंने सात सौ करोड़ की कमाई कर ली है! वास्तव में, मोदी को भारतीय पूंजी का फायदा हो इसलिए लोगों को सिनेमा देखने और तालियां बजाने की भावपूर्ण अपील करनी चाहिए थी।

हालांकि, भारी मुनाफा कमा रही इस फिल्म जवान ने एक काम पूरी गंभीरता से किया है। इस फिल्म ने उस व्यवस्था पर सवाल उठाया है जो सवाल पूछने वालों को देशद्रोही मानती है। अस्पतालों में गरीबों को ऑक्सीजन देने वाले डॉक्टर को देशद्रोही कहने वालों से सवाल पूछा गया है. यह निर्देशक एटली या शाहरुख खान की गलती नहीं है, अगर किसी को याद है कि चिकित्सा आपूर्ति पर सवाल उठाने पर डॉ कफील खान को जेल में क्यों रखा गया था। और कोरोना काल के दौरान गुजरात और अन्य राज्यों में नकली वेंटिलेटर की आपूर्ति और तहलका घोटाला और राफेल सौदा करने वाले कौन हो सकते हैं, इस बारे में विचारोत्तेजक प्रश्न पूछे गए हैं।, ये सवाल सोचने को मजबूर करता है, कि भारत की जेलों में और कितने निर्दोष लोग भरे हुए हैं। फिल्म के अंत में, नायक एक डायलॉग मारता है, हम जान लगा देते हैं देश के लिए, तुम्हारे जैसे देश बेचनेवालों के लिए नहीं। यह वाक्य सुनकर अगर किसी को प्रधानमंत्री मोदी के लिए लिखा गाना आया देशविक्रेता देखो, आया देशविक्रेता याद आ जाए तो इसमें दर्शकों की गलती नहीं है। जैसे पठान का उद्देश्य राजनीतिक उद्देश्य था, वैसे ही जवान का भी है। फिल्म के कई और मायने भी निकले जा सकते हैं। मुंबई में एक कार्यक्रम में शाहरुख ने खुलकर कहा, फिल्म 26 जनवरी को लॉन्च हुई और कृष्ण जन्माष्टमी पर रिलीज हुई। (वैसे, नायक का जन्म जेल में होता है और बुरी ताकतों का नाश करता है।) उन्होंने इवेंट में एक और खबर की घोषणा की है। देश छोड़ विदेश भागने वालों के बारे में उनकी फिल्म डंकी इस क्रिसमस पर रिलीज होगी। यदि भारत के लिए राष्ट्रवाद अनिवार्य है, तो उसका समावेशी होना भी उतना ही आवश्यक है। अगर जवान ने किसी के लिए असली समस्या खड़ी की है तो वह बीजेपी और संघ परिवार और उसके समर्थकों के लिए है. दर्शकों द्वारा दक्षिणपंथी प्रचार तंत्र के बहिष्कार की धमकियों को नकारने और फिल्म को भारी सफलता मिलने के बाद, भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने फिल्म को यूपीए सरकार के भ्रष्टाचार के बारे में बताने का हास्यास्पद प्रयास किया है। यूपीए सरकार भ्रष्ट थी या नहीं, यह इस समय मुद्दा नहीं है क्योंकि देश में लगातार 9 वर्षों से पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा का शासन है। सवाल यह है कि दागदार एनसीपी नेता अजित पवार को समायोजित करने वाली और 2014 से सत्ता में रहने वाली भाजपा भ्रष्ट है या नहीं।

सर्वसमावेशकता इस फिल्म के केंद्र मे है। इसमे मजबूत महिला किरदार किसी की गुलाम नहीं है वो खुद निर्णय लेती हैं अमल करती हैं। इस फिल्म की कहानी पूरे देश में सच्ची राष्ट्रीय एकता की भावना पैदा करती है। इसके नायक विक्रम राठौड़ की जान पूर्वोत्तर भारत की एक जनजाति ने बचाई है। हिंसाग्रस्त मणिपुर में भी मानवता नफरत पर काबू पाती दिख रही है। फिल्म के आखिरी भाग में वह रामय्या वस्तावय्या गाते हैं और वह तेलुगु राष्ट्रवाद के लिए भी जगह बनाते हैं। यहां तक कि उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद में प्रांतीय भाषा के लिए जगह बनाते हुए खुद को समाजवादी गीतकार शैलेन्द्र से भी जोड़ लिया! यह आजादी की घोषणाओं को भी याद करते हैं और कहते हैं कि आजादी भारतीय राष्ट्रवाद के लिए अज्ञात नहीं है। इन सबका मतलब, ये फिल्म प्रगतिशील होने का दावा नहीं है लेकिन अंधेरी गुफा मे ये प्रकाश की एक धुंधली रोशनी जरूर है। नायक का नाम विक्रम राठौड़ उच्च जाति का क्यों है? ऐसा ही एक प्रश्न पूछा गया है और यह सही भी है। कांबले या पासी के नायक बनने पर परिवर्तन का एक नया चक्र शुरू होगा। लेकिन आज की हकीकत में अगर फिल्में दर्शकों को कुछ सीमित सवाल पूछने के लिए प्रेरित करें तो यह एक सकारात्मक कदम होगा। बीजेपी का कहना है कि अगर फिल्म जवां यूपीए सरकार के भ्रष्टाचार के बारे में है तो सभी बीजेपी शासित राज्य सरकारों को एक काम करना चाहिए. कश्मीर फाइल्स, द केरला स्टोरी की तर्ज पर जवान को भी कर मुक्त करके दिखाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित के इस कार्य का उतना ही पुण्य भाजपा सरकारों को मिल सकेगा।

क्यों पनप रहा ट्यूशन- कोचिंग उद्योग

विजय गर्ग

यह 1991 की बात है। सुप्रसिद्ध लेखक आरके नारायण ने राज्यसभा में शिक्षा पर केंद्रित ऐतिहासिक भाषण दिया। भाषण का विषय छात्रों पर बस्ते का बोझ कम करना था। उसमें विस्तारित पाठ्यक्रम के चलते छात्रों पर पड़ने वाले अनावश्यक तनाव की विवेचना थी। उस वक्तव्य पर देशव्यापी चर्चा हुई। भारत सरकार ने प्रसिद्ध विज्ञानी एवं शिक्षाविद प्रो. यशपाल की अध्यक्षता में स्कूली बैग के बोझ को घटाने के लिए एक समिति गठित की जिसने 1993 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। उसमें सबसे महत्वपूर्ण संस्तुति यही थी कि बस्ते के बोझ से भी ज्यादा तनाव जो कुछ पढ़ाया जाता था, उसे समझ न पाने के कारण उत्पन्न होता है। समिति ने उसके कारण भी गिनाए थे। वर्ष 2005 में एनसीईआरटी ने पाठ्यक्रम की जो रूपरेखा बनाई उसके संचालन समूह की अध्यक्षता भी प्रो. यशपाल ने ही की थी। तब पुस्तकों की संरचना, विषयवस्तु और पढ़ाने के ढंग तथा परीक्षा पद्धति में कई परिवर्तन किए गए। वहीं, समय के साथ विभिन्न परीक्षाओं में प्रतिभागियों की संख्या बढ़ती गई और प्रतिस्पर्धा का तनाव भी तेजी से बढ़ा। सरकारी स्कूलों की स्थिति बद से बदतर होती गई। नियमित अध्यापकों की नियुक्तियां कई राज्यों ने बंद कर दीं और नाममात्र के मानदेय पर अनेक पदनामों से अनियमित पढ़ाने वालों को नियुक्त किया। इससे ट्यूशन और कोचिंग के लिए अत्यंत उपजाऊ भूमि तैयार होती गई।

राजस्थान के शहर कोटा में तो कोचिंग ने एक राष्ट्रीय स्वरूप वाला औपचारिक आकार ले लिया है। प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की कोचिंग में कोटा की महारत की चर्चा गांव-कस्बों तक पहुंच गई। देश भर के अभिभावकों ने अपने बच्चों को वहां भेजने का प्रबंध करना शुरू कर दिया। इंजीनियरिंग एवं मेडिकल में प्रवेश के लिए कोटा में कुछ साल बिताना हर समस्या का समाधान मान लिया गया। कोटा में कोचिंग परिदृश्य उभरने के साथ ही वहां लोगों को लाभ कमाने के अपार अवसर दिखे। जब भी किसी शहर की आर्थिक उन्नति होती है तो वहां कुछ प्रभावशाली लोग नेताओं से अपने संबंधों का लाभ उठाकर नियमों को ताक पर रखते हुए अपने हित साधने में लग जाते हैं। इस सिलसिले में कोटा भी अपवाद नहीं रहा। यहां कुछ कोचिंग संस्थानों ने स्कूलों से साठगांठ कर ली। मतलब उपस्थिति स्कूल में और पढ़ाई केवल कोचिंग केंद्र पर यह सबकी जानकारी में है। केवल नियामक संस्थाएं ही बेखबर दिखती हैं। प्रत्येक कोचिंग संस्थान का उद्देश्य स्पष्ट है कि उसके यहां अधिक से अधिक बच्चे प्रवेश लें, ताकि वह यह दावा कर सके कि सबसे अधिक सफलता की दर उसी की है। ऐसे में आंतरिक परीक्षाओं में जो बच्चे अच्छे अंक लाएंगे तो कोचिंग संस्थान का पूरा ध्यान उन्हीं पर केंद्रित हो जाएगा। जो पीछे रह जाएंगे, उनका मनोबल गिरता जाएगा और उसी अनुपात में तनाव बढ़ता जाएगा। हर बच्चा जब कोटा या इसी तरह के अन्य उन शहरों में जाता हैं, जहां कोचिंग ने एक उद्योग का रूप ले लिया है, तब उसके दिमाग में यह स्पष्ट रहता है कि यदि वह सफल नहीं हुआ तो माता-पिता की आर्थिक-सामाजिक दशा पर इसका सीधा असर पड़ेगा। 2023-24 में कोटा में करीब 2.05 लाख विद्यार्थी आए और उनके लिए शहर में तीन हजार छात्रावास और 25,000 कमरे प्रतीक्षारत थे। राष्ट्रीय स्तर पर 2022-23 मे 27.4 लाख बच्चे आइआइटी और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में बैठे। इनके लिए केवल 64,610 स्थान थे। कोटा आए प्रतिभागियों की सफलता के आधिकारिक आंकड़े तो उपलब्ध नहीं, लेकिन सामान्यतः माना जाता है कि सफलता की दर 10 से 14 के बीच होती है। वहां कोचिंग संस्थानों में जिस प्रकार की पढ़ाई कराई जाती है, उससे किसी भी तरुण के जीवन में तनाव ही पसरेगा। बच्चों पर वहां के अत्यंत तनावपूर्ण परिवेश का गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। कोटा में इस वर्ष अभी तक 25 बच्चे आत्महत्या कर चुके हैं और ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। कोटा की समस्या का त्वरित समाधान निकालने के लिए राजस्थान सरकार ने एक समिति गठित की है। ऐसी समितियों और उनकी रिपोर्ट से कोई बहुत अपेक्षाएं नहीं रहतीं। कोटा के मामले में त्वरित सुधार की आवश्यकता है। कोटा की समस्या का निराकरण दीर्घकालीन समाधान तलाशकर ही संभव है। पहली चुनौती है कि सरकारी प्राइमरी स्कूलों की साख और स्वीकार्यता को स्थापित करना। यदि यह मनोयोग से किया गया होता तो सरकारी स्कूलों की स्थिति इतनी दयनीय नहीं होती और देश में ट्यूशन और कोचिंग इस हद तक नहीं पनपे होते। प्रवेश परीक्षाओं में केवल मस्तिष्क की प्रखरता पर ध्यान दिया जाता है। और भावनात्मक एवं अन्य पक्षों को भुला दिया जाता है। यह ठीक नहीं। गांधीजी ने भारत के लिए उपयुक्त शिक्षा व्यवस्था पर जितना चिंतन और प्रयोग किए, उतने शायद ही किसी ने किए हों। उन्होंने शिक्षा की जो टेक्सौनामी (वर्गीकरण) विकसित की थी, उसके तीन अंग थे-मस्तिष्क, हाथ और हृदय। इन तीनों को विकसित करना था। भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उसने हाथ और हृदय को पीछे छोड़ दिया है। इंजीनियरिंग मेडिकल प्रवेश परीक्षा में प्रायोगिक यानी प्रेक्टिकल दक्षता की कसौटी क्यों नहीं होनी चाहिए? यह किसी से छिपा नहीं रहा कि कई शिक्षा बोर्ड में 10वीं और 12वीं में होने वाली प्रेक्टिकल परीक्षाएं हास्यास्पद स्थिति में पहुंच गई हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रेक्टिकल का समावेश बाजी पलटने वाला सिद्ध हो सकता है। कोटा का समाधान कोटा में नहीं निकलेगा, उसे राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में विश्लेषित कर उपाय ढूंढ़ना होगा।

क्या कुर्सी की खातिर सब कुछ गवां दिया जाये

राकेश अचल

कुर्सी क्या इतनी महत्वपूर्ण वस्तु बन गयी है कि उसके पीछे लोग अपना सब कुछ गवां देने पर उतारू हैं ? ये सवाल आपके मन में आये या न आये किन्तु मेरे मन में बार-बार आ -जा रहा है। कनाडा से बिगाड़ के बाद अब पड़ौसी मालदीव से भी हमारे लिए अच्छी खबर नहीं आ रही। मालदीव में इंडिया आउट का नारा देने वाले चीन समर्थक उम्मीदवार मुइज्जू राष्ट्रपति का चुनाव जीत गए हैं। मालदीव जनसंख्या और क्षेत्र, दोनों ही प्रकार से एशिया का सबसे छोटा देश है। और 1965 में आजाद हुआ है। मालदीव है तो इस्लामिक देश किन्तु भारत के साथ मालदीव के रिश्ते पारम्परिक और भौगोलिक रूप से नए नहीं है। मालदीव की आजादी के पहले से भारत का मालदीव के घरेलू मामलों में दखल रहा लेकिन अचानक भारत ने मालदीव की उपेक्षा करना शुरू कर दी नतीजा ये हुआ कि अब मालदीव चीन की और झुका चुका है। भारत बीते एक दशक से मालदीव के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने से बच रहा है। इसका सीधा फायदा चीन को मिलता दिख रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग जब भारत आए थे तब वे मालदीव और श्रीलंका होते हुए आए थे। दोनों देशों में मैरीटाइम सिल्क रूट से जुड़े एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए लेकिन जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए तो इस मुद्दे पर पूरी तरह से चुप्पी रहा।

एक जमाना था जब दक्षिण एशिया को लेकर भारतीय विदेश नीति बेहद आक्रामक थी। ये स्थिति राजीव गांधी सरकार से लेकर नरसिम्हा राव सरकार तक रही। भारत ने साल 1988 में मालदीव में तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम किया। लेकिन इसके बाद से भारत का प्रभाव बेहद कम होता गया है। इसके स्थानीय कारण भी हैं क्योंकि मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मामून अब्दुल गयूम भारत के अच्छे दोस्त थे। ये दोनों देशों के बीच गहरे संबंध का कारण था। भारत का प्रभाव इस क्षेत्र में कम हुआ है लेकिन ये कमी चीन के बढ़ते प्रभाव की वजह से ज्यादा दिखाई पड़ती है। भारत के खिलाफ खड़ा होने वाला मालदीव एक नया देश है। पाकिस्तान ,श्रीलंका,नेपाल,बांग्लादेश ,अफगानिस्तान में इस दिनों भारत का नहीं चीन का डंका बज रहा है। सुदूर कनाडा तक में भारत विरोधी खालिस्तानी आंदोलन ने नए सिरे से सर उठा लिया है और हम हैं कि हम अपनी विदेशनीति की समीक्षा करने की आवश्यकता ही महसूस नहीं हो रही । हम इस मुद्दे पर कभी घर के भीतर आपस में बैठकर बात ही नहीं करना चाहते । विपक्ष से हमारा अनबोला है। पड़ौसियों से भी हमारा अनबोला बढ़ता ही जा रहा है।

हमारी हर नीति में अदावत और अकड़ भर गयी है । विदेश नीति को भूल भी जाइये तो घरेलू नीति में भी हम अपने रिश्तों में कड़वाहट भरते जा रहे हैं। कितनी हैरानी की बात है कि तेलंगाना में राजनीतिक अदावत की वजह से तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर लगातार छह बार प्रधानमंत्री की अगवानी करने तक नहीं गए। ये कौन सी सियासत है । भारत एक गणराज्य है ,स्वायत्तता सबके लिए महत्वपूर्ण है । एक प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी है की वो कम से कम देश के भीतर तो कुर्सी की खातिर रंजिशें न पाले। आज जो तेलंगाना में हो रहा है वो सब पहले पश्चिम बंगाल में हो चुका है । बंगाल की मुख्यमंत्री को अपमानित करने का कोई मौक़ा प्रधानमंत्री जी नहीं छोड़ा। कभी-कभी देश के भविष्य को देखकर चिंता और घबड़ाहट होती है। हम न देश के भीतर सामंजस्य स्थापित कर पा रहे हैं और न देश के बाहर। ऊपर से तुर्रा ये है कि हम विश्व मित्र बन गए हैं। मौजूदा हालात को देखकर तो ये लगता है की हम विश्वमित्र नहीं विश्वशत्रु बन गए हैं। हमारा शत्रुता का स्वभाव हमसे सब कुछ छीने ले रही हैं। हम न अपनी अकड़ छोड़ने को राजी हैं और न सौजन्य बनाने के लिए । हम अहंकार के आठवें आसमान पर हैं। जहां हमारे बराबर कोई दूसरा है ही नहीं। कनाडा तो चलिए सात समंदर पार है लेकिन नेपाल और मालदीव तो हमारे आसपास है। हमारी भौगोलिक सीमाएं इन दोनों देशों से जुडी है। इन दोनों देशों में भारत विरोधी माहौल बना हुआ है ।

संक्षिप्त समाचार

अशोकपुर में फैला बुखार, 15 मरीज मिले

उन्नाव। क्षेत्र में बुखार का प्रकोप लगातार फैल रहा है। ग्राम अशोकपुर में बुखार का प्रकोप फैल गया। विभाग की टीम ने पहुंच कर मरीजों की जांच की। 15 मरीज बुखार से पीड़ित मिले। इसके अलावा त्वचा सहित अन्य बीमारियों के मरीज पाए गए। विभाग को गांव में बुखार फैलने की सूचना मिली। इसके बाद स्वास्थ्य केंद्र से गांव में टीम को भेजा गया। चिकित्सकों की टीम ने मरीजों का इलाज किया। 15 मरीज बुखार के मिले। इनके रक्त की जांच को सैंपल लिए गए। इसके अलावा, 4 मरीज त्वचा रोग के, के 17 मरीज अन्य बीमारियों के पाए गए। ग्रामीणों को डेंगू, मलेरिया व अन्य संक्रामक रोगों से बचाव हेतु जागरूक किया गया। गांव में दवा का छिड़काव किया गया। सीएमओ डा. राजीव अग्रवाल ने बताया कि अशोकपुर में बुखार की सूचना पर चिकित्सकों की टीम को भेजा गया।मरीजों को आवश्यक दवा दी गई।

दुर्घटना के मामले में ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कासगंज। ढोलना थाना क्षेत्र में अतरौली मार्ग पर सोमवार को सड़क दुर्घटना में अलीगढ़ पुलिस लाइन के पुलिस फालोअर एवं उसके साथी की मौत हो गई थी। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में ट्रक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।यह दुर्घटना उस समय हुई जब मोहनस्वरूप अपने साथी संजय सिंह के साथ अतरौली मार्ग पर बाइक से गंगास्नान करके वापस लौट रहे थे। तभी जखेरा पुलिया के पास पीछे से आ रहे ट्रक के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी थी। इस हादसे में बाइक सवार फालोअर और उनके साथी मौत हो गई थी। जबकि दो अन्य बाइक सवार घायल हो गए।

करारी में शव दफनाने के लिए दो पक्ष के लोग हुए आमने-सामने

कौशांबी। करारी कोतवाली के चकहिंगुई गांव में रविवार सुबह शव के अंतिम संस्कार को लेकर दो समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस और राजस्वकर्मियों ने विवादित भूमि की नापजोख कर मामला शांत कराया। इसके बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। कस्बे से सटे चक हिंगुई गांव निवासी सरोज की पत्नी वंदना की बीमारी के चलते शनिवार रात मौत हो गई। रविवार सुबह परिजन और रिश्तेदार वंदना का शव दफनाने के लिए गांव के बाहर निर्धारित स्थल पहुंचे। जानकारी मिलते ही विशेष समुदाय के लोगों ने मौके पर पहुंचकर शव का अंतिम संस्कार करने से रोक दिया। दूसरे पक्ष के लोगों का कहना था कि जमीन पर उनका कब्जा है। इसे लेकर दोनों पक्षों में तनातनी हो गई। सूचना के बाद राजस्व टीम के साथ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। नापजोख में जमीन तालाबी नंबर की पाई गई। जहां कई पीढ़ियों से मृतकों का अंतिम संस्कार होता चला आ रहा है। कोतवाल प्रमोद कुमार का कहना कि शव दफनाने को लेकर दो पक्ष में विवाद की स्थिति बन गई थी। सूचना पर राजस्वकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचकर जमीन की नापजोख कराई गई। तालाबी नंबर की भूमि निकलने पर शव का अंतिम संस्कार करा दिया गया।

दुष्कर्म के आरोपी शिक्षामित्र की सेवा समाप्ति की संस्तुति

कुशीनगर। क्षेत्र के एक गांव में युवती से छेड़छाड़ कर दुष्कर्म करने के आरोपी शिक्षामित्र की सेवा समाप्त करने के लिए बीईओ ने उच्चाधिकारी को संस्तुति की है। उन्होंने यह कार्रवाई मंगलवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य और गांव के लोगों से शिक्षामित्र पर लगे आरोप की जानकारी लेने के बाद की है। प्राथमिक विद्यालय सेमरा में तैनात शिक्षामित्र शैलेश कुमार सिंह पर पड़ोस के गांव की एक युवती के साथ छेड़छाड़ करने, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने, दुष्कर्म और मारपीट करने के आरोप हैं। इस मामले में नेबुआ नौरंगिया पुलिस ने सोमवार को केस दर्ज कर आरोपी शिक्षामित्र को कोर्ट में पेश किया। जहां न्यायालय ने उन्हें जेल भेज दिया था। इस मामले की जानकारी होने के बाद बीईओ मंगलवार को स्कूल पहुंचे। उन्होंने विद्यालय के प्रधानाध्यापक जोखन प्रसाद से आरोपी शिक्षामित्र के बारे में जानकारी ली। प्रधानाध्यापक ने बताया कि तीन दिन से शैलेश सिंह विद्यालय नहीं आ रहा था। बीईओ ने गांव के कुछ लोगों से भी मामले के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्रधानाध्यापक की शिकायत और जांच के आधार पर शिक्षामित्र को तत्काल प्रभाव से वेतन बाधित करते हुए उसकी सेवा समाप्ति की संस्तुति कर उच्चाधिकारियों को जांच आख्या भेजी। इस संबंध में बीईओ हिमांशु सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी होने के बाद विद्यालय जाकर प्रधानाध्यापक समेत सभी पक्षों से जानकारी ली। मिली जानकारी से उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए शिक्षामित्र की सेवा समाप्ति की कार्रवाई करने की संस्तुति की है।

पहली बार लगी साप्ताहिक बाजार में उमड़े ग्राहक

लखीमपुर खीरी। पब्लिक इंटर कॉलेज के खेल मैदान में मंगलवार को पहली बार साप्ताहिक बाजार की शुरूआत की गई। इसका विधिवत शुभारंभ किया गया। भारी संख्या में लोगों की भीड़ ने किराना, सब्जी आदि की खरीददारी की। समिति के सुनील गुप्ता, गोपी सिंह, संजय गुप्ता, काके सिंह, सती सिंह, शानू सिंह, पिंटू मिश्र, धर्मेंद्र सिंह, महिपाल, बूटा, अभिषेक आदि लोगों ने दुकान लगाने वाले दुकानदारों को सम्मानित किया। साथ ही उचित मूल्य पर ग्राहकों को सामान देने की बात की गई। इस दौरान काफी भीड़भाड़ रही।

गाड़ी पर ठाकुर साहब लिखना पड़ा महंगा, कटा 3500 रुपये का चालान

लखीमपुर खीरी। उन्नाव से स्थानांतरित होकर लखीमपुर आए निरीक्षक को निजी गाड़ी पर ठाकुर साहब लिखवाना महंगा पड़ गया। कार की फोटो वायरल हुई तो यातायात पुलिस ने 3500 रुपये का चालान किया है। दूसरों को नियमों का पाठ पढ़ाने वाले साहब ही गाड़ी पर जातिसूचक शब्द लिखकर चल रहे थे। वाहन पर पदनाम, जातिसूचक शब्द, गलत नंबर प्लेट का प्रयोग व नंबर प्लेट पर कोई स्टीकर लगाने पर रोक है। वाहनों पर लिखे इन शब्दों और स्टीकर के खिलाफ पुलिस और यातायात पुलिस अभियान भी चला रही है। बीते एक माह में 100 से अधिक वाहनों का चालान भी नियमों के उल्लंघन में किया जा चुका है। इसी बीच उन्नाव से स्थानांतरित होकर आए निरीक्षक अंगद सिंह की ठाकुर साहब लिखी निजी कार का फोटो वायरल हो गया। फोटो वायरल होने पर यातायात पुलिस हरकत में आई और निरीक्षक की कार का 3500 रुपये का चालान काट दिया। यातायात निरीक्षक विनोद कुमार यादव ने बताया कि दो- तीन दिन पहले कार पर ठाकुर साहब लिखे होने का मामला सामने आया था। कार का चालान किया गया है। वाहन पर पदनाम, जाति और संप्रदाय सूचक शब्द लिखना गलत है। अभियान चलाकर वाहनों की जांच की जा रही है।

केंद्र व्यवस्थापक को नहीं पता, कितने परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

मैनपुरी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की सेमेस्टर और सत्र परीक्षाएं आज से अधूरी तैयारी के बीच शुरू होने जा रही हैं। बुधवार से शुरू होने वाली परीक्षाओं के संबंध में केंद्र व्यवस्थापकों को ये तक जानकारी नहीं है कि आखिर उनके केंद्र पर कितने परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। केवल इतना बता दिया गया है कि उनके यहां बुधवार से परीक्षा है। इसी के अनुसार परीक्षा केंद्रों पर तैयारियां देर रात तक चल रही थीं। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की स्नातक द्वितीय और चतुर्थ तथा परास्नातक अष्टम और द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से शुरू होने जा रही हैं। परीक्षाओं के लिए जिले में पांच नोडल सेंटर निर्धारित हैं। परीक्षाओं की तैयारियां पहले की तरह से अभी अधूरी ही नजर आ रही हैं। नोडल और केंद्र प्रभारियों को अभी तक ये जानकारी नहीं है कि उनके यहां कितने छात्र परीक्षा देने आ रहे हैं। मंगलवार की शाम तक नोडल और केंद्र प्रभारियों को परीक्षा की तैयारियों में जुटा देखा गया। श्री चित्रगुप्त महाविद्यालय मैनपुरी के प्राचार्य डॉ. मनोज कुदेशिया ने बताया कि उनके यहां एक्स एग्जाम का पूरे जनपद का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। लेकिन उनके पास अभी तक ये जानकारी नहीं है कि उनके यहां कितने परीक्षार्थी परीक्षा देने आ रहे हैं। इसके साथ ही परीक्षा संबंधी किसी प्रकार के अभिलेख भी उनके यहां प्राप्त नहीं हैं। अधूरी तैयारियों के बीच होने जा रही परीक्षाओं को लेकर केंद्र व्यवस्थापक और प्राचार्य चिंतित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार, दो घायल, एक रेफर

कासगंज। ग्राम बहोरजपुर चौराहा पर अज्ञात वाहन ने रात के समय बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल हो गए। एक बाइक सवार को चिकित्सकों ने रेफर कर दिया है। ग्राम बहोरजपुर निवासी रमाकांत (28) एवं ओमकार गांव से रात्रि लगभग आठ बजे बाइक से पेट्रोल भरवाने के लिए जा रहा था। इसी बीच अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, इससे दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। वाहन चालक मौके से फरार हो गया। लोगों ने घायलों को अस्पताल भेज दिया। सूचना पर पुलिस भी अस्पताल आ गई। मामले की जानकारी परिजन को दी गई। चिकित्सकों ने रमाकांत की हालत गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया।

फर्म के महाप्रबंधक समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

जौनपुर। शहर में चल रहे सीवर लाइन के कार्य में लापरवाही बरतने पर फर्म टेक्नोक्राफ्ट कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड नोएडा पर गाज गिरी। इसमें संस्था के महाप्रबंधक, निदेशक समेत तीन पर लाइन बाजार थाने में सोमवार को जल निगम की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया। जल निगम शहरी के अधिशासी अभियंता सचिन सिंह ने लाइन बाजार थाने में तहरीर दिया कि शहर में चल रहे सीवर लाइन के दौरान सुरक्षा मानकों का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सीवर पाइप लाइन डालते समय बैरिकेडिंग की व्यवस्था न करने से आए दिन वाहन हादसे का शिकार हो रहे हैं। कभी चहारसू चौराहे पर चार पहिया वाहन गिर रहा है तो कभी कलेक्ट्रेट गेट के सामने वाहन फंस रहा है। सोमवार को बाइक से जा रहे एक बुजुर्ग की जान किसी तरह बच पाई। जब वह मियांपुर से कचहरी मार्ग पर बाइक से जा रहे थे। एक्सिस बैंक के पास खोदे गए गड्ढे में उनकी बाइक गिर गई। मजदूरों ने गिरते हुए पकड़कर किसी तरह से बचाया।

कासगंज में महसूस किए गए भूकंप के झटके, दहशत में आए लोग; घरों से निकले

कासगंज। कासगंज जिले में भी करीब 2.53 बजे दो बार झटके लगे, जिससे दहशत में आए लोग घरों से बाहर निकल आए। पश्चिमी यूपी के जिलों में मंगलवार दोपहर को भूकंप के झटके महसूस किए गए। कासगंज जिले में भी करीब 2.53 बजे दो बार झटके लगे, जिससे दहशत में आए लोग घरों से बाहर निकल आए। वहीं बीएसए कार्यालय में जब कर्मचारियों ने इन झटकों को महसूस किया तो दहशत फैल गई। सभी कर्मचारी कार्यालय से बाहर निकल आए। कर्मचारियों ने बताया कि उन लोगों ने छत पर लटके हुआ पंखे को हिलते हुआ देखा। वहीं कुछ लोग जो कुर्सी पर बैठे थे उन्हें ऐसा लगा कि मानो किसी ने कुर्सी को हिला दिया है। कासगंज दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग दहशत में आ गए, लोग अपने घरों से, कार्यालयों से बाहर निकल आए। काफी देर तक इंतजार करने के बाद लोग अपने घरों को वापस लौटे। जिला मुख्यालय, गंजडुंडवारा, सोरोंजी, सहावर, बिलराम आदि क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका 2 बजकर 25 मिनट पर आया। इसके बाद दूसरा झटका 2 बजकर 54 मिनट पर आया। भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। चित्रगुप्त कालोनी निवासी पंकज उपाध्याय ने बताया कि वे अपने घर पर मोबाइल देख रहे थे, दो बार भूकंप के झटके महसूस हुए।

बीएसए कार्यालय के कर्मी नितिन शाक्य, सुनील यादव ने बताया कि दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। वे उसे समय कार्यालय पर कार्य कर रहे थे। अचानक कुर्सी हिलने लगी। जिला महामारी रोग विशेषज्ञ ने बताया कि वे अपने कार्यालय में कार्य कर रही थीं। तभी पंखा, व कमरे के ताले, कंप्यूटर हिलने लगे। जिला पूर्ति अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि वह कार्यालय में खाना खा रहे थे तभी भूकंप के झटके महसूस हुए।

दहेज के लिए विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

कौशांबी। बतौर दहेज पांच लाख रुपये नहीं मिलने पर विवाहिता को बंधक बनाकर पिटाई करने के बाद ससुरालियों ने घर से निकाल दिया। बिरादरी की पंचायत के बाद भी बात नहीं बनने पर पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर लिया। पिपरी कोतवाली के औंधन निवासी रामबाबू केसरवानी की बेटी आरती की शादी दो साल पहले मूरतगंज कस्बे में इंद्रेश केसरवानी के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज में पांच लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करने लगे। इसे लेकर आए दिन आरती को छोटी-छोटी बात पर प्रताड़ित किया जाने लगा। पखवाड़े भर पहले आरती को पति ने अपने भाई-भाभी के साथ मिल कमरे में बंधक बनाकर बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए घर से निकाल दिया। इसे लेकर दोनों परिवार के बीच बिरादरी की पंचायत हुई, लेकिन बात नहीं बन सकी।

कलक्ट्रेट परिसर में लगी सरकार की उपलब्धियों पर चित्र प्रदर्शनी

लखीमपुर खीरी। कलक्ट्रेट परिसर में तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी लगी। उद्घाटन विधायक योगेश वर्मा, डीएम महेंद्र प्रताप सिंह व सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने किया। चित्र प्रदर्शनी में केंद्र व प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों, निर्णयों, उपलब्धियों सहित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई है। विधायक सदर योगेश वर्मा ने कहा कि यह चित्र प्रदर्शनी पीएम नरेंद्र मोदी व प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा किए गए विकास कार्यों का आइना है।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि जिले के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि विकासपरक व जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों एवं निर्णयों पर आधारित सुंदर और विस्तृत प्रदर्शनी लगाई गई है। कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में उपयोगी जानकारी प्राप्त कर प्रदर्शनी का बेहतर ढंग से लाभ प्राप्त कर सकेंगे। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने शिक्षकों, छात्र-छात्राओं व लोगों से प्रदर्शनी का पहुंचकर योजनाओं चित्र प्रदर्शनी का लाभ उठाने की बात कही। इस दौरान एडीएओ अंजनी कुमार नरेंद्र कुमार, डीपीआरओ सौम्यशील सिंह, डीसी मनरेगा विपिन चौधरी, जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी, डीएचओ मृत्युंजय कुमार, उपायुक्त (उद्योग) संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

खीरी का मियांपुर स्कूल और थारू क्राफ्ट प्रदेश में छाया

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में खीरी जिले का प्राथमिक स्कूल मियांपुर और थारू क्राफ्ट को शामिल किया गया है।

प्रमुखता से सभी जिलों में लगने वाली प्रदर्शनी में खीरी जिले के इन दोनों महत्वपूर्ण कामों के फोटो और बैनर (कटआउट) लगाए गए हैं। इससे पूरे प्रदेश में खीरी जिले का नाम ऊंचा हुआ है।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, पिता-पुत्र झुलसे, दोनों की मौत

झांसी। बेटी की शादी के लिए घर में रखे सामान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग को बुझाने में पिता व दो पुत्र झुलस गए। उन्हें नाजुक हालत में मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां से कानपुर रेफर किया गया।

कानपुर में इलाज के दौरान पिता व एक पुत्र की मौत हो गई जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। यह घटना छिबरामऊ नगर के मोहल्ला लाहौरीटोला की है। असलम खां (56) घर में ही मोमबत्ती बनाने का काम करते हैं। 18 अक्तूबर को बेटी की शादी है। इसलिए सभी तैयारी में लगे थे। शादी का काफी सामान खरीद कर रखा था। सोमवार की रात परिवार के सभी सदस्य सो गए।

रात 12 बजे शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई। शादी के सामान में आग देखकर असलम उसे बचाने लगे। इस कार्य में बेटा आशू (19) व सोनू खां (32) भी जुअ गए पर तीनों आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। उनकी चीखपुकार सुनकर मोहल्ले के लोग आ गए और सबमर्सिबल पंप चलाकर आग पर काबू किया। सीओ दीपक दुबे व कोतवाल अजय पाठक मौके पर पहुंच गए। झुलसे असलम खां, बेटे आशू व सोनू खां को 100 शैया अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से असलम खां व आशू को नाजुक हालत में राजकीय मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन परिजन कानपुर ले गए।

वहां इलाज के दौरान असलम खां व बेटे आशू की मौत हो गई। असलम के परिवार में पत्नी रोशन बेगम के अलावा तीन बेटियां मुन्नी, सहायेवीन, अमरीन व एक बेटा सोनू है। कोतवाल अजय पाठक ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के चलते यह हादसा हुआ है।

अवैध रूप से वसूली करने वाले परिवहन विभाग के दो फर्जी कर्मी गिरफ्तार

महराजगंज। कोल्हुई क्षेत्र के परसौना चेकपोस्ट पर अवैध वसूली करने वाले दो युवकों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनों परिवहन विभाग का कर्मी बनकर वसूली में लिप्त थे। पुलिस को शिकायत मिली तो त्वरित कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग से संपर्क करने पर पता चला कि चेकपोस्ट पर कोई तैनाती नहीं है। इसके बाद फर्जीवाड़ा करने वालों की पोल खुलकर सामने आ गई। बस चालक श्याम मोहन दोनों की वसूली से परेशान हो गया, तो थाना कोल्हुई में सूचना दी। उसने पुलिस को बताया कि परसौना में पुराने एआरटीओ चेक पोस्ट के पास सफारी गोस्वामी व सुनील कुमार नाम के दो व्यक्ति स्वयं को परिवहन विभाग का कर्मचारी बताकर नेपाल आने जाने वाले वाहन चालकों से दस्तावेज चेकिंग के नाम पर डरा धमका कर वसूली कर रहे हैं। पुलिस को यह शिकायत मिली तो एआरटीओ कार्यालय से संपर्क किया, तो पता चला कि चेकपोस्ट पर कोई वसूली नहीं होती है।

बसों पर लगी लगाम... ऑटो-ई-रिक्शा अभी भी बेलगाम

गोरखपुर। महानगर की सड़कों पर मनमानी करने वाले बस चालकों पर तो लगाम लगा दी गई, लेकिन ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी रुकने का नाम नहीं ले रही है। सड़कों और चौराहों पर इनका कब्जा होने से जाम के कारण राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर 2:00 बजे - शास्त्री चौक पर ऑटो चालकों का कब्जा दिखा। यहां से बेतियाहाता और आंबेडकर चौक की तरफ जाने वाली दोनों पटरियों पर ऑटो चालकों की कतार लगी थी। एक ऑटो का चालक सड़क के बीच ऑटो खड़ा कर सवारी बैठा रहा था। यहां यातायात पुलिस और होमगार्ड के कई जवान नजर आ रहे थे, लेकिन किसी ने उसे रोकने-टोकते की जरूरत नहीं समझी।

दोपहर 2:30 बजे - आंबेडकर चौक के पास स्थित ऑटो स्टैंड पर ऑटो खड़ा नजर नहीं आया। सभी ऑटो दूर हटकर खड़े दिखे। इनकी कतार कचहरी बस स्टेशन तक नजर आ रही थी। कमिश्नर कार्यालय के सामने भी कई चालक ऑटो खड़ा कर सवारी भरते नजर आए। एक चालक ने तो अपने ऑटो को सड़क के बीच में ही खड़ा कर रखा था।

दोपहर 2.45 बजे - यूनिवर्सिटी चौक ऑटो स्टैंड पर कोई भी ऑटो खड़ा ही नहीं था, सभी सड़कों पर ही नजर आए। अपराह्न 3:00 बजे - धर्मशाला से असुरन जाने वाली सड़क पर ऑटो का कब्जा था। कई चालकों ने अपने ऑटो को धर्मशाला अंडरपास के नीचे खड़ा कर रखा था, इससे आने-जाने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। यहां होमगार्ड के जवान दिखे, लेकिन वह ड्यूटी के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर रहे थे।

चार स्टैंडों के लिए निकला है टेंडर

गुरु गोरक्ष पूर्वांचल ऑटो ऑपरेटर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुशील मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में आंबेडकर चौक, यूनिवर्सिटी चौराहा, शास्त्री चौक और धर्मशाला मछली मंडी ऑटो स्टैंड पीपीपी मॉडल पर संचालित हो रहा था, लेकिन यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। ऐसे में ऑटो चालकों की मनमानी बढ़ गई है। जिसके बाद नगर निगम ने ऑटो स्टैंड के लिए टेंडर निकाला है, टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ऑटो चालकों की मनमानी से लोगों को निजात मिल सकती है।

20 रुपये है नंदानगर का किराया

निजी बस स्टैंड नंदानगर में शुरू होने के बाद वहां ऑटो चालकों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। कई ऑटो चालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। ऑटो एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील मिश्रा ने बताया कि नंदानगर से आंबेडकर चौक, शास्त्री चौक, रेलवे स्टेशन और रेलवे बस स्टेशन का किराया 20 रुपये प्रति सवारी तय है। अगर कोई चालक ज्यादा किराया वसूल रहा है तो यह गलत है।

नेपाल में भूकंप में एक लापता, नौ घायल, कई मकानों में आई दरारें

महराजगंज। नेपाल बझांग में भूकंप के साथ हुए भूस्खलन से एक महिला लापता हो गई है। जय पृथ्वी नगर पालिका वार्ड नंबर-11 ओखलगांव की रहने वाली गुणदेवी धामी भूकंप के साथ हुए भूस्खलन के कारण लापता हुई हैं। वह सूखी लकड़ियां लेने जंगल में गईं थीं। भूंकप का भारत नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में असर नहीं है। बझांग जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, भूकंप के कारण जिले के अलग-अलग स्थानों नौ लोग घायल हुए हैं। दर्जनों मकानों में दरारें पड़ गईं हैं। लोग घर से निकल पर सड़कों पर आ गए थे। पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता दीपेश चौधरी ने बताया कि जय पृथ्वी नगर पालिका में चार लोग, मष्टा ग्रामीण नगर पालिका में दो लोग और केदारस्यूं, खप्तादचन्ना और विट्ठडचिर ग्रामीण नगर पालिका तीन लोग घायल हुए हैं। भूकंप के बाद भूस्खलन के कारण मार्ग अवरुद्ध हुआ है। जय पृथ्वी राजमार्ग भी अभी तक नहीं खोला गया है।

बंधक भूमि को कर दिया दाखिल खारिज

महराजगंज। तहसील में बंधक भूमि को मनमाने तरीके से दाखिल खारिज करने का मामला सामने आया है। इसमें बार एसोसिएशन के एक अधिवक्ता ने मंगलवार को एसडीएम से शिकायत की तो तहसील में हड़कंप मच गया। वहीं तहसील के जिम्मेदार अब मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गए हैं। बार एसोसिएशन के अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार तिवारी ने एसडीएम से बताया कि तहसील में तहसीलदार पद पर वाचस्पति सिंह 5 जून 2023 तक तैनात रहे। उसके बाद उनका स्थानांतरण सदर तहसील में हो गया। स्थानांतरण से पहले ही तहसीलदार ने पेशकार से मिलीभगत कर मनमाने तरीके से बंधक आराजी के बैनामे का दाखिल खारिज कर दिया है। जिस मामले का उजागर खतौनी में नाम दर्ज करने के लिए कंप्यूटर डेस्क पर पहुंचा तो हुआ। तहसील में इस गड़बड़ झाले को लेकर अधिवक्ता से लेकर आम लोगों के बीच काफी नाराजगी और तरह-तरह की चर्चा है। एसडीएम सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि अधिवक्ता की ओर से की गई शिकायत के बाद मामले की जानकारी मिली है। अगर ऐसा है तो मामले की जांच कराकर आदेश को निरस्त कराने के साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इन पत्रावलियों का हुआ है आदेश

अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार तिवारी ने शिकायत के साथ साक्ष्य प्रस्तुत कर कहा है कि रामराजी बनाम हरिवंश, लीलावती बनाम बिक्रम, रागिनी बनाम राहुल, कमलेश बनाम किशोरी, दिनेश बनाम अनिरुद्ध, कुसमा बनाम विद्या, मुअरी बनाम राधापती, सायरा बनाम राधापती, खैरूल बनाम त्रिलोक, गीता बनाम बृजेश, मालती बनाम राजेश, राजरानी बनाम गणेश, इंद्रावती बनाम शचींद्रनाथ,अजोरा देवी बनाम जुगत, संतोष बनाम अधारे, मीना बनाम जितेंद्र के बंधक आराजी के बैनामे की पत्रावली को दाखिल खारिज करने का आदेश पारित कर दिया गया है।

ओवरब्रिज की एक लेन बनकर तैयार

झांसी। पिछले 18 महीनों से आवागमन में परेशानी झेल रहे महानगर के लोगों को सोमवार को बड़ी राहत मिलने वाली है। दोपहर दो बजे बाद सेतु निगम द्वारा ग्वालियर रोड रेलवे क्रॉसिंग पर नवनिर्मित ब्रिज की एक लेन को आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। ग्वालियर रोड रेलवे क्रॉसिंग पर सेतु निगम ने ओवरब्रिज का निर्माण मार्च 2022 में शुरू किया था। इसके बाद से ही महानगर की यातायात व्यवस्था बुरी तरह से चरमरा गई थी। शहर के लोगों का ग्वालियर रोड तक आना बेहद मुश्किल हो गया था। लोगों को संकरे रास्ते और गलियों से होकर जाम से जूझते हुए आना होता था। लेकिन, अब इस समस्या का समाधान होने जा रहा है। सोमवार को दोपहर दो बजे के बाद ब्रिज की 7.5 मीटर चौड़ी एक लेन को आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। सेतु निगम के परियोजना निदेशक इं. मुकेश कुमार ने बताया कि एक लेन का निर्माण पूरा हो गया है।

सड़कें हुईं कीचड़युक्त, परेशानी

जौंनपुर। जिले में हुई बारिश ने लोगों को उमस और गर्मी से जहां राहत दी तो वहीं मुरझा रही फसलों में भी जान आ गई। शहर के निचले इलाकों में जलभराव से लोग परेशान हुए। कीचड़युक्त सड़कों से आवागमन में लोग दुश्वारियां झेलते रहे। जहां बारिश को धान के लिए मुफीद माना जा रहा है तो वही सब्जी की फसल को नुकसान होने का अंदेशा भी जताया जा रहा है। शहर के ओलंदगंज से पालिटेक्निक चौराह, सिटी स्टेशन रोड, उर्दू बाजार, सिविल लाइन रोड, शकर मंडी आदि जगहों पर जलभराव हो गया। जबकि कीचड़ होने से लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं, टीडी कालेज के दक्षिणी गेट के सामने व शकर मंडी सड़क पर वाहन कीचड़ में फंस जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। धंस जाने से जाम की स्थिति बन गई। जिससे आवागमन में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सिकरारा - क्षेत्र में मंगलवार की सुबह हुई एक घंटे की तेज बारिश ने जहां पिछेती धान को जीवन दिया वहीं अगेती प्रजाति के धान को नुकसान भी पहुंचाया है। शेरवा निवासी विनय सिंह बताते हैं इस बारिश से आलू व चना मटर की फसल के लिए खेत तैयार करने में सहूलियत होगी फिर भी जिन किसानों ने धन की अगैती खेती की है उनकी फसल में बालियों के वजन से पौधे जमीन पकड़ लिए हैं इस लिए उपज आधी होने की संभावना है।. कृषि विशेषज्ञ डॉ. सुरेश कुमार कनौजिया ने बताया कि बारिश अगेती सब्जी के लिए नुकसानदेह है। गोभी, धनिया, पालक, लौकी करेला में ज्यादा पानी लगने से जड़ गलन रोग लग सकता है। वहीं तैयार अवस्था में पहुंची उड़द व मूंग के लिए भी अधिक पानी नुकसान देय है जिसमें फफूंद आने की संभावना है। बाकी धान, मक्का, बाजरा के लिए बारिश फायदेमंद है।

फर्जी सीबीआई अफसर बनकर बगैर टिकट यात्री ने दी धौंस

झांसी। रविवार को खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी में बगैर टिकट पकड़े गए एक यात्री ने खुद को सीबीआई अफसर बताते हुए टिकट चेकिंग स्टाफ को दबाव में लेने की कोशिश की। बाद में उसे जीआरपी के हवाले कर दिया गया। पुलिस पड़ताल में जुटी हुई है। खजुराहो से उदयपुर की ओर जा रही 19665 इंटरसिटी एक्सप्रेस के बी-1 कोच में टिकट चेकिंग स्टाफ ने एक व्यक्ति को बगैर टिकट यात्रा करते पकड़ा। जुर्माना मांगे जाने पर वह खुद को सीबीआई का अफसर बताते हुए रौब दिखाने लगा। उसने सीबीआई का कार्ड दिखाया। साथ ही उसके पास से पीएमओ, राजस्थान के मुख्यमंत्री कार्यालय, राजस्थान के सचिवालय, रेल मंत्रालय आदि से संबंधित कार्ड भी मिले। दो ऐसे कार्ड भी मिले, जिन पर लिखा था कि ट्रेन में उसे निशुल्क यात्रा कराई जाए। बैग से एक मुहर भी मिली। ये सभी कार्ड जांच में प्रथम दृष्ट्या फर्जी पाए गए। इस पर ट्रेन के झांसी पहुंचने पर उसे जीआरपी के हवाले कर दिया गया। वहीं, चेकिंग स्टाफ से लिखित सूचना व सुपुर्दगी लेने की बात पर आरपीएफ व जीआरपी के जवान आपस में उलझ पड़े। इस दौरान ट्रेन चल पड़ी और चेकिंग स्टाफ अपने साथ लिखित सूचना एवं यात्री के पास से बरामद आई कार्ड व मोहर लेकर चला गया।

बाद में जीआरपी पकड़े गए संदिग्ध को थाने ले आई। वहीं, पकड़े गए युवक ने खुद को मिर्जापुर का बताया। उसने बताया कि वह लेबर सप्लाई का काम करता है। काम से वह बीते रोज मऊरानीपुर गया था। वन विभाग में उसके मजदूर काम कर रहे हैं।

नहर में डूबे वृद्ध का तीन दिन बाद शव बरामद

कन्नौज। नहर में नहाते समय 29 सितंबर को डूबे वृद्ध का सोमवार शाम ललौली थाना क्षेत्र में एक पुल के पास से शव बरामद हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के तेंदुली गांव निवासी तारकेश्वर शुक्ला (65) गांव किनारे नहर में 29 सितंबर की शाम नहाने गए थे। गहराई में चले जाने से वृद्ध डूब गया था। खोजबीन के बाद कोई सुराग नहीं लगा था। ग्रामीणों ने ललौली थाना क्षेत्र के बरगदिया पुल के पास एक व्यक्ति का शव बहता देखकर पुलिस को सूचना दी। ललौली पुलिस ने शव को बाहर निकलाया। बिंदकी कोतवाली पुलिस को खबर दी। पुलिस की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने शव की शिनाख्त की। कोतवाल अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि परिजनों ने शव की पहचान की है।

बकरियों ने चरे गेंदा फूल तो थाने में करा दी पेशी... 25 हजार के नुकसान की बात कह किसान ने मांगा इंसाफ

इटावा। कानपुर के भीतरगांव इलाके के गौरीककरा गांव से अनोखा मामला सामने आया है। यहां बकरियों ने किसान के गेंदा फूल चर लिए तो वह बकरियों को ऑटो में भरकर थाने में पेशी करा दी। किसान ने 25 हजार के नुकसान की बात कहकर साढ़ थाने में इंसाफ मांगा। पुलिस भी असमंजस में पड़ गई। बाद में मालिकों को बुलाकर बकरियों को दोबारा न छोड़ने की हिदायत दी गई। कानपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के भीतरगांव ब्लॉक के गौरीककरा गांव की एक अजीबोगरीब घटना मंगलवार देर शाम पुलिस के सामने पहुंची। खेतों में खड़ी गेंदा फूल की फसल को खा रहीं कुछ बकरियों को एक किसान ऑटो में भरकर थाने पहुंच गया। करीब 25 हजार रुपये के नुकसान की बात कहकर किसान ने इंसाफ दिलाने की मांग की। इससे पुलिस भी असमंजस में पड़ गई कि करें क्या ? हालांकि बाद में बकरियों के मालिक को थाने बुलाकर हिदायत दी गई कि आगे से बकरियों को खुला नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद बकरियां उनके सुपुर्द कर दी गईं। गौरीककरा में बड़ी संख्या में किसान फूलों की खेती करते हैं। यहीं रहने वाले किसान शैलेंद्र निषाद उर्फ छोटू ने बताया कि गांव के किनारे खेत में गेंदा की फसल बोई है। इस समय फूल भी निकलने लगे हैं। गांव के कुछ लोग अपनी बकरियों को दिन में छोड़ देते हैं, दिनभर फूल खाने के बाद बकरियां शाम ढलते ही घर पहुंच जाती हैं। कई बार बकरी मालिकों से शिकायत की, लेकिन वे नजरअंदाज कर झगड़ा करने लगते हैं। बताया कि बीते दस दिन से बकरियों का एक झुंड लगातार फूलों को बर्बाद कर रहा है, जिससे फसल बर्बाद हो रही है। मंगलवार देर शाम भी खेत में बकरियों का एक झुंड फूलों को नष्ट कर रहा था। तभी ऑटो को रोककर बकरियों को घेरकर चार किमी दूर रिपोर्ट लिखाने साढ़ थाने पहुंचे हैं। बकरियों को थाने में घुसते देख साढ़ पुलिस भी सकते में आ गई। एसएसआई प्रमोद कुमार ने पीड़ित किसान को बुलाकर पूरी बात पूंछी। फिर बकरी मालिकों को बुलाने के लिए सिपाहियों को गांव भेजा। इसके बाद उन्हें हिदायत देकर बकरियां उनके सुपुर्द कर दीं।

कटानरोधी प्रस्ताव के लिए सर्वेक्षण शुरू, ड्रोन से की जा रही वीडियोग्राफी

कासगंज। पटियाली तहसील क्षेत्र के कटान प्रभावित गांव बरौना को कटान की आपदा से बचाने के लिए सीएम ने अगस्त माह बरौना गांव का दौरा किया और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को बरौना गांव को कटान से बचाने के लिए मजबूत प्रबंध करने के निर्देश दिए। सीएम ने निर्देश दिए कि गंगा का पानी कम होने पर इस दिशा में प्रस्ताव तैयार किया जाए। सिंचाई विभाग के अधिकारी गंगा का पानी कम होने का इंतजार कर रहे थे। अब गंगा का पानी कम हो चुका है। ऐसी स्थिति में सिंचाई विभाग की टीम ने सर्वेक्षण का कार्य शुरू कर दिया है। ड्रोन की मदद से वीडियोग्राफी की जा रही है व आस पास के भौगोलिक क्षेत्र का जायजा लिया जा रहा है। अधिशासी अभियंता व सिंचाई विभाग की टीम सर्वेक्षण कर रिपोर्ट तैयार कर रही है। 5 हजार की आबादी वाले गांव बरौना में पिछले दो वर्षों से कटान का संकट चल रहा है।

अब तक सिंचाई विभाग कटान रोधी कार्यों पर दस करोड़ रुपये से अधिक का खर्चा जियो ट्यूब स्टड, परक्यूपाइन, बंबू क्रेट आदि लगाने पर कर चुका है। इसके बावजूद बरौना गांव में कटान नहीं रुका। इस वर्ष भी काफी कटान हुआ।

कटान की आपदा को देखते हुए मुख्यमंत्री स्वयं बरौना गांव पहुंचे और हालातों का जायजा लिया। इस कटान में अभी तक कई किसानों की खेती की जमीनें कटकर गंगा में समा चुकी हैं। वहीं आबादी में भी गंगा की धारा कटान कर चुकी है। कई ग्रामीणों के आशियाने उजड़ चुके हैं। अब नए प्रस्ताव के साथ कटानरोधी कार्य के पक्के और मजबूत कार्य किए जाएंगे जिससे गांव का अस्तित्व बच सके। बरौना के ग्रामीण बांध के प्रस्ताव का इंतजार कर रहे हैं।

- सीएम के निर्देशों के बाद बरौना में कटानरोधी प्रस्ताव बनाने के लिए सर्वेक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है। ड्रोन के माध्यम से भी कार्ययोजना के लिए वीडियोग्राफी कराई जा रही है। कार्य योजना तैयार होने के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा- अरुण कुमार, अधिशासी अभियंता, सिंचाई।

गोकशी के आरोपी को कोर्ट ने नहीं दी जमानत

कासगंज। विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट सुधाकर राय के न्यायालय ने गोकशी के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने आरोपी को जमानत नहीं दी। पटियाली पुलिस ने शाहपुर टहला सलेमपुर चौराहे से बशरुद्दीन को गोमांस के साथ पकड़ लिया। उसने पुलिस को बताया कि भरगैन के लाल बाग निवासी परवेज अंसारी, कल्लू अंसारी मैंकू मंसूरी ने गाय काटी थी। वहीं से मीट लेकर अपने घर जा रहा हूं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ कर जेल भेज दिया। आरोपी परवेज अंसारी ने अपनी जमानत अर्जी कोर्ट में डाली। विशेष अभियोजक लोकेश कुमार ने मामले की पैरवी करते हुए आरोपी की जमानत अर्जी खारिज करने की अपील की।

बिना अनुमति मिले किसान नहीं कर सकेंगे कंबाइन हार्वेस्ट से फसल की कटाई

कासगंज। धान की फसल खेतों में तैयार है। किसान धान की फसल की कटाई की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन धान की कटाई पर प्रशासन की भी नजर है। कंबाइन हार्वेस्टर से मशीन से जो किसान धान की फसल की कटाई करना चाहते हैं उन्हें इसके लिए कृषि विभाग से अनुमति लेनी होगी। बिना अनुमति के कटाई करने पर प्रशासन के द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।कंबाइन हार्वेस्टर मशीन से धान की कटाई के दौरान फसल के अवशेष खेत में रह जाते हैं। इन अवशेषों को किसान जला देते हैं। जिससे एनजीटी के के निर्देशों का उल्लंघन होता है। साथ ही पर्यावरण के दूषित होता है, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी कंबाइन हार्वेस्टर सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा रेक के साथ बेलर के बिना चलते हुए मिलेंगे, उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चत की जाएगी। प्रशासन मशीन को सीज करेगा और कंबाइन स्वामी के स्वयं के खर्चे पर सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम लगवा कर ही छोड़ा जाएगा। बताया गया कि कंबाइन हार्वेस्टर के साथ सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम लगना जरूरी है। इसके अलावा किसानों को फसल की कटाई सही तरीके से करानी होगी। जिलाधिकारी सुधा वर्मा ने इस संबंध में निर्देश भी जारी किए हैं। उन्होंने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि कंबाइन हार्वेस्टर का प्रयोग बिना अनुमति के नहीं होगा। इसके लिए स्वीकृति लेने के बाद ही कटाई का कार्य किया जा सकेगा। अनुमति पास जारी करने की जिम्मेदारी उप कृषि निदेशक महेंद्र सिंह को अधिकृत किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

दहेज के लिए विवाहिता को बंधक बनाकर पीटा

कौशांबी। प्रयागराज के कसारी-मसारी मोहल्ले में ब्याही एक विवाहिता को ससुरालियों ने दहेज में मोटरसाइकिल (बुलेट) और पांच लाख नकद की मांग पूरी नहीं होने पर बंधक बनाकर पीटा। शिकायत पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। भरवारी के नेहरू नगर मोहल्ले की सीमा श्रीवास्तव की शादी दो साल पहले प्रयागराज के कसारी-मसारी निवासी सुनील कुमार के साथ हुई थी। शिकायत है कि शादी में मिले दहेज से ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। शादी के बाद से ही मायके से बुलेट के साथ पांच लाख नकद लाने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। 15 दिन पहले उसे बंधक बनाकर पीटा गया। बिरादरी की पंचायत के बावजूद भी ससुराल वाले अपनी जिद पर अड़े रहे। अब उसे पीटकर घर से निकाल दिया गया है। शिकायत पर कोखराज पुलिस ने पति सुनील कुमार, सुमित कुमार, सुधीर कुमार, मीना देवी आदि के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर विनोद मौर्या का कहना है मामले की जांच की जा रही है।

कार सवार दो चोर गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

कौशांबी। सैनी कोतवाली पुलिस ने रविवार को लोहंदा के पास घेराबंदी कर कार सवार दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के पास से लिए गए हो चुकी चोरी की दो घटनाओं का माल बरामद हुआ है। सीओ सिराथू अवधेश विश्वकर्मा ने बताया रविवार को मुखबिर से पता चला कि कार सवार बदमाश क्षेत्र में हुई चोरी का सामान बेचने फतेहपुर की तरफ जा रहे हैं। इस पर उन्होंने सैनी के थानाध्यक्ष चंद्रभूषण मौर्या को घेराबंदी करने के लिए कहा। पुलिस ने लोहंदा मोड़ के समीप कार सवारों को पकड़ लिया। उनकी पहचान फतेहपुर जिले के खागा कोतवाली अंतर्गत खैराई निवासी इश्तियाक अहमद व राधा नगर कोतवाली क्षेत्र के अंदौली निवासी शमशाद के रूप में हुई। दोनों के पास से एक अदद बैटरा, एक अदद डीवीआर, लोहे के उपकरण व तमंचा, कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चालान न्यायालय भेजा। जहां से कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया है।

विदेशी हुक्का और जैकेट बरामद

सिद्धार्थनगर। एसएसबी जवानों ने गश्ती के दौरान नेपाल की तरफ से आ रही चार सवारी कार को घरूवार मोड़ के पास रोक कर जांच की। जांच के दौरान 200 पीस विदेशी जैकेट तथा 150 पीस ई- हुक्का बरामद किया गया। पकड़े गए चारो वाहनों को सामान सहित ड्राइवर को बढ़नी कस्टम के हवाले कर दिया गया। कस्टम अधीक्षक मोबाइल बढ़नी दयाशंकर दुबे ने बताया कि एसएसबी ने चार वाहनों को विदेशी सामान के साथ सुपुर्द किया है। आवश्यक कार्रवाई करते हुए ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है। जिसके बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

शिविर में 21 मानसिक रोगियों का हुआ इलाज

कुशीनगर। कस्बा स्थित सीएचसी परिसर में मंगलवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में कुल 312 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसमें 21 को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित परामर्श और इलाज के लिए दवा दी गई। शिविर का शुभारंभ करते हुए सीएमओ डॉ. सुरेश पटारिया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में जागरूकता जरूरी है। लोगों को मानसिक रोगियों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। दवा के साथ उनका नियमित ध्यान रखने की जरूरत है। यदि लोग संवेदनशील होकर मानसिक रोगी का सही समय से उपचार कराएं तो, वह पूरी तरह से स्वस्थ हो सकते हैं। इस दौरान मनोचिकित्सक डॉ. अमित जायसवाल, डॉ. योगिता कुशवाहा, डॉ. यूएस नायक, डॉ. आराफात, डॉ. साजिद हुसैन, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. नेहा मिश्रा, डॉ. पूनम गुप्ता, डॉ. आरके कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

छोटी काशी कॉरिडोर निर्माण के लिए पैमाइश फिर शुरू

गोला गोकर्णनाथ। छोटी काशी कॉरिडोर निर्माण को लेकर दोबारा पैमाइश शुरू की गई है। दो दिवसीय आउटलाइन का काम पूरा होने के बाद बृहस्पतिवार को सर्वेयर आने की उम्मीद है। मंगलवार को तहसीलदार विनोद कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में राजस्व निरीक्षक कमल सिंह, अरुणेश मिश्रा, अनिल त्रिपाठी, जयप्रकाश वर्मा सहित राजस्व टीम ने स्टेशन रोड स्थित गोकर्ण तीर्थ के निकट अंगद धर्मशाला, धर्मशाला के पीछे जिला पंचायत के भूखंडों सहित कई स्थानों की पैमाइश की। इससे पहले सर्वे रिपोर्ट के आधार पर 46 भवन जद में आए थे, लेकिन भवनों के स्वामियों से सहमति पत्र न मिल पाने से अधिग्रहण की प्रक्रिया में अड़ंगा पड़ गया था। लोक हित में कॉरिडोर निर्माण को लेकर सर्वे कार्य दोबारा शुरू कराया गया है।

मैलानी में भीरा के सफाईकर्मी की बुखार से मौत

मैलानी। भीरा नगर पंचायत में सफाईकर्मी के पद पर कार्यरत नगर निवासी एक युवक की बुखार से मौत हो गई। यहां बुखार से यह दसवीं मौत है। अचानक हुई मौत से घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहल्ला दामोदरपुर निवासी धर्मेंद्र वाल्मीकि पुत्र रामचंद्र 26 वर्ष नगर पंचायत भीरा में दैनिक सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। पिता रामचंद्र ने बताया कि धर्मेंद्र को रविवार को बुखार आया था। दवा लेने पर ठीक हो गया। सोमवार को तबीयत ज्यादा बिगड़ी तो निजी अस्पताल, फिर पीएचसी में दिखाया। हालत अधिक बिगड़ने पर वहां से जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया, लेकिन लखीमपुर ले जाते समय रात लगभग तीन बजे रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिजन के मुताबिक- प्लेटलेट्स कम निकली थीं। उधर, सीएचसी अधीक्षक बांकेगंज का कहना है मरीज जिला अस्पताल नहीं पहुंचा। परिजन किसी निजी अस्पताल में ले गए थे।

दस मौतों के बाद भी स्वास्थ्य विभाग गंभीर नहीं

पिछले करीब दो माह से फैले बुखार से यहां अब तक दस लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग अभी भी इस ओर गंभीरता नहीं बरत रहा। अधिकांश मामलों में पीड़ितों में प्लेटलेट्स कम होने की शिकायत रही। स्वास्थ्य विभाग प्लेटलेट्स कम होने को डेंगू नहीं मानता है। विभाग के मुताबिक- प्लेटलेट्स कम होने को डेंगू की पुष्टि नहीं करता। डेंगू की पुष्टि एलाइजा जांच से ही होती है। यह सुविधा जिला मुख्यालय पर है। यहां बता दें कि बुखार से अब तक काली मंदिर निवासी नितिन वाल्मीकि (23) पुत्र लालाराम, रेखा देवी (45) पत्नी राकेश कुमार, पुराना बाजार निवासी बीए की छात्रा शबनम (20) पुत्री मुस्तफा, पंचायत वार्ड निवासी मुकेश (10) पुत्र राजू, पूजा (10) पुत्री रामपाल कारीगर, पुराना बाजार खुटार रोड निवासी सरोज पत्नी दिनेश टेलर, खुटार रोड पेट्रोल पंप के सामने रहने वाले अवधेश (40) पुत्र मोहन, ग्राम सुखचैनापुर निवासी बबलू की आठ माह की मासूम पुत्री की मौत पिछले दो माह के भीतर बुखार से हो चुकी है।

शहर से लेकर गांव तक आज से तीन दिन तक रहेगा बिजली का संकट

लखीमपुर खीरी। विद्युत वितरण खंड प्रथम के अधिशासी अभियंता शैलेंद्र कुमार ने बताया कि चार से छह अक्तूबर तक सुबह दस से शाम पांच बजे तक विद्युत लाइन आदि की मरम्मत कराने के लिए शट डाउन लिया जाएगा। ऐसे में शहर के कई मोहल्लों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि चार अक्तूबर को इमली चौराहा, खत्री धर्मशाला, सब्जी मंडी, शिव कॉलोनी, कामतानगर एवं पांच अक्तूबर को कपूरथला, हर्षी बंगला, शास्त्रीनगर, पंजाबी कॉलोनी, न्यू वाटर टैंक नंबर- एक, पटेलनगर और छह अक्तूबर को इमली चौराहा, खत्री धर्मशाला, पंजाबी कॉलोनी, न्यू वाटर टैंक नंबर- एक, पटेलनगर की बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। इसलिए मोहल्ले के लोग पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। उधर, विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता अमित कुमार ने बताया कि चार अक्तूबर को उपकेंद्र रखही एवं मितौली, पांच अक्तूबर को उपकेंद्र सिंगाही एवं छह अक्तूबर को उपकेंद्र मितौली ग्रामीण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति सुबह दस से शाम तीन बजे तक बाधित रहेगी। इस दौरान विद्युत लाइन पर आने वाली पेड़ों की टहनियों की कटाई कराई जाएगी।

अधिवक्ता अक्तूबर में ही जमा करा दें सीओपी फार्म

मैनपुरी। बार एसोसिएशन के सभागार में बुधवार को वकीलों की बैठक हुई। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चेयरमैन के पत्र पर वकीलों ने चर्चा की। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि एसोसिएशन में जमा किए जाने वाले सीओपी का सदस्यता शुल्क बार एसोसिएशन जमा करेगी। बैठक में सौरभ यादव ने कहा कि वकील शीघ्र ही नए प्रारूप में सीओपी फार्म जरूरी प्रपत्रों के साथ बार एसोसिएशन में जमा कर दें। उन्होंने कहा कि वकीलों द्वारा जमा किए जाने वाले 250 रुपये का शुल्क वकील की जगह बार एसोसिएशन ही जमा करेगी।

संतोष यादव राजू ने कहा कि वकील आपने सीओपी फार्म अक्तूबर माह में ही बार एसोसिएशन में जमा कर दें। ताकि सभी फार्म समय से बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश कार्यालय को भेजे जा सकें। बैठक में विनीत निगम, उमेश राठौर, जगदीश शाक्य, हरवीर सिंह चौहान, जीतू राजपूत, राघवेंद्र कश्यप, कौशलेंद्र पाल, प्रेम कुमार शर्मा, देशराज सिंह, प्रमोद शाक्य, सतीश पाल, सत्यपाल सिंह मौजूद रहे।

45 सौ रुपये दो, एक माह बाद स्थायी डीएल ले लो

लखीमपुर खीरी। ऑनलाइन प्रक्रिया के जितने दावे किए जाएं लेकिन, स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनवाने में दलालों का दखल कम नहीं हुआ है। एआरटीओ कार्यालय परिसर और गेट के पास घूमते दलाल 4500 से 5000 रुपये में स्थायी डीएल बनवाने का ठेका ले रहे हैं। लर्निंग लाइसेंस का आवेदन और टेस्ट पास कराने की जिम्मेदारी भी उनकी है। स्थायी लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदक को कार्यालय आना होता है। लर्निंग लाइसेंस एक घंटे में देने का दावा किया जाता है।

बाकायदा इसके लिए सुविधा शुल्क भी लिया जाता है। आवेदक भी जब कई बार चक्कर लगाकर परेशान हो जाता है तो इनके ही झांसे में आता है। सुविधा शुल्क से लाइसेंस बनवाने का ठेका लेने वाले यह लोग पूरे दिन एआरटीओ कार्यालय में घूमते रहते हैं। कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में इनकी आवाजाही देखी जा सकती है। वैसे तो बिना दलाल के एआरटीओ दफ्तर में कोई काम नहीं होता। पर हैरानी की बात यह है कि सब कुछ जान समझ और देखकर भी जिम्मेदार अफसर अनजान बने हुए हैं। दलालों के जरिये खुलेआम भ्रष्टाचार का खेल खेला जा रहा है। वहीं दलालों का कहना है कि जो पैसा वह ले रहे हैं, इसमें आधे से ज्यादा पैसा अधिकारियों के ऊपर ही खर्च होता है। यहीं कारण है कि अफसर भी दलालों पर सख्ती नहीं बरतते। परिवहन विभाग के दफ्तर के बाहर दर्जनों दलालों की दुकानें इस बात की पुष्टि करती हैं।

1200 पहले दो, 3800 रुपये बाद में पड़ेंगे

मंगलवार की दोपहर 12 बजे एआरटीओ कार्यालय परिसर में ड्राइविंग टेस्ट के लिए कुछ आवेदक खड़े थे। पास में ही दलाल भी थे। एक दलाल ने कार्यालय से बाहर ले जाकर कहा कि लर्निंग लाइसेंस के 1200 रुपये देने पड़ेंगे। स्थायी लाइसेंस के लिए एक माह बाद 3800 रुपये देने होंगे। दूसरे दलाल ने लर्निंग से लेकर स्थायी लाइसेंस के 4500 रुपये बताए। थोड़ी देर बाद कार्यालय की पार्किंग परिसर में मौजूद दूसरे दलाल ने 4700 रुपये में लाइसेंस बनवाने की बात कही।

याद रखना पक्की दुकान का कोड वर्ड सुविधा शुल्क लेकर लाइसेंस बनवाने वालों ने पक्की दुकान का कोड वर्ड बना रखा है। आवेदक को रोकते हैं, पूरा प्लान बताते हैं। दूसरी जगह पूछने पर कहते हैं कि पक्की दुकान पर जाकर पूछना। कच्ची दुकान वाले सही काम नहीं कराते हैं। रुपया चला जाएगा।

सीज टाटा मैजिक और टेंपों बना लेनदेन कार्यालय

पार्किंग परिसर के कोने में सीज खड़ी एक टाटा मैजिक के अंदर दो लोग बैठे थे। बाहर से हाथ में आरसी और कागजों की फाइल लेकर आए लोग मैजिक में बैठे व्यक्ति से बात करते और कागज देकर चले जाते। पूछने पर बताया गया कि वाहन ट्रांसफर के लेनदेन की बात यहीं होती है। उसी के आगे एक टेंपो में भी एक व्यक्ति बैठा था। फाइलें यहां भी जमा की जा रही थीं।

यह है सरकारी फीस और सुविधा शुल्क लर्निंग लाइसेंस की 350 रुपये हैं। बाहर खड़े लोग इसके लिए 1200 रुपये लेते हैं। स्थायी लाइसेंस में 1000 रुपये फीस पड़ती है। दलाल 3800 से चार हजार रुपये मांगते हैं। बाइक ट्रांसफर की फीस भी 150 रुपये है। दलाल 1500 रुपये मांगते हैं।

लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन

एआरटीओ आलोक कुमार ने बताया कि लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। आवेदक को कार्यालय आने की जरूरत ही नहीं। फोन या किसी साइबर कैफे से आवेदन कर फीस जमा कर दें। टेस्ट के बाद लाइसेंस बन जाएगा। परिसर में घूम रहे लोगों की जांच कराएंगे। सीज वाहनों में बैठ रहे लोगों का पता कराकर कार्रवाई की जाएगी।

मुठभेड़ में मवेशी तस्कर गिरफ्तार, पुलिस पर वाहन चढ़ाने की कोशिश

कौशांबी। महेवाघाट कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को मुठभेड़ के बाद एक मवेशी तस्कर को पकड़ लिया। पांच भागने में सफल रहे। पुलिस ने एक पिकअप पर लदे दो मवेशी भी बरामद किए। इससे पहले तस्करों ने पुलिसकर्मियों पर वाहन चढ़ाने की कोशिश की। लिखापढ़ी के बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया। महेवाघाट कोतवाली के हिनौता चौकी प्रभारी बलराम सिंह हमराही के साथ मंगलवार की भोर गश्त से लौट रहे थे। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि चार-पांच लोग चोरी की भैंस पिकअप से लेकर करारी से धाता की ओर जा रहे हैं। चौकी प्रभारी ने हिनौता गांव के समीप धाता मोड़ पर बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। चौकी प्रभारी का कहना है कि करीब चार बजे संदिग्ध पिकअप रोकने का प्रयास किया तो तस्करों ने पुलिस कर्मियों पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। किसी तरह बचते हुए पुलिस कर्मियों ने गाड़ी का पीछा किया तो कुछ दूरी पर उन्होंने पिकअप खड़ी कर दी और पैदल भागने लगे। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायर कर दिया। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग करते हुए एक बदमाश को पकड़ लिया। जबकि, पांच अन्य भागने में सफल रहे। पकड़े गए मवेशी तस्कर ने अपना नाम इरशाद निवासी गुवारा तैयबपुर, करारी बताया। आरोपी के मुताबिक उसने अपने साथियों के साथ मिलकर भैंस व पड़िया को करारी कोतवाली के दुर्गापुर गांव से 29 सितंबर की रात चोरी की थी। फरार आरोपियों के बारे में इरशाद ने बताया कि करारी के सालेपुर निवासी साहिल, पारा हसनपुर निवासी शोएब व अरबाज के अलावा दो अज्ञात युवक हैं। पुलिस ने मवेशियों व पिकअप के अलावा तमंचा और कारतूस भी बरामद किया।

बापू व शास्त्री को याद कर सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

महराजगंज। जिले में महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम से मनाई गई। बापू व शास्त्री को याद करते हुए लोगों ने सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। स्कूल कॉलेज के अलावा अन्य संस्थाओं में गांधी जयंती मनाई गई। दिवानी न्यायालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शहर में कॉस्मोपोलिटन स्कूल में प्रबंधक महेंद्रानंद जायसवाल, एक्सल एकेडमी में प्रबंधक दशरथ गुप्ता, डिवाइन पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य आलोक रंजन ने कार्यक्रम में बापू व शास्त्री जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने राष्ट्रपिता व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों का माल्यार्पण कर नमन किया। पुलिस के समस्त चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को कंबल वितरित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कार्यालय पर व सभी थानों व चौकियों में शपथ दिलाई गई। कलक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, इसमें एडीएम डॉ. पंकज वर्मा समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। साहू सामाजिक संगठन की ओर से शहर के मैरिज हॉल में कार्यक्रम हुआ। इसमें मुख्य अतिथि कन्हैया लाल साहू (व्यापारी एवं समाज सेवी-सोनौली), विशिष्ट अतिथि विनोद गुप्ता (पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष आनंदनगर), विशिष्ट अतिथि गौरीशंकर गुप्ता ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

लखनऊ में होगा स्टेट मिनी ओलंपिक गेम्स का ट्रायल

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन की ओर से अंडर-19 बालिका यूथ राज्य मिनी ओलंपिक गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रदेश के सभी मंडल की टीमें हिस्सा लेगीं। चयन ट्रायल लखनऊ में होगा। जिला ओलंपिक एसोसिएशन शाखा लखीमपुर के महासचिव शारिफ तारा ने बताया कि इस बार राज्य ओलंपिक गेम्स में वॉलीबॉल, नेटबॉल, थ्रो बाल, ताइक्वांडो, योग, खो-खो व कबड्डी खेलों को भी शामिल किया गया है। इनके खिलाड़ियों की सूची तैयार कराई जा रही है। इसमें शामिल खिलाड़ियों के नाम पांच अक्तूबर को प्रदेश मुख्यालय पर भेजे जाएंगे। इसके बाद लखनऊ में होने वाले चयन ट्रायल में चयनित खिलाड़ी राज्य मिनी ओलंपिक गेम्स मे प्रतिभाग करेंगे।

मरीज माफिया का नेटवर्क तोड़ने की कोशिश शुरू

गोरखपुर। जिला अस्पताल में मरीज माफिया पर नकेल कसने के लिए जिम्मेदारों ने कोशिश शुरू कर दी है। खबर है कि मरीज माफिया का मामला तूल पकड़ने के बाद बंद कमरे में जिम्मेदारों ने अपने स्टाफ के ही पेच कसे हैं। इसका असर भी देखने को मिल रहा है। अस्पताल से दलाल गायब हो गए हैं। उसका नतीजा यह रहा कि अस्पताल के पास की पैथोलॉजी में पहले औसतन जहां 50 से 56 मरीज पहुंचते थे, अब यह संख्या घटकर मंगलवार को महज 10 से 12 ही रह गई। खबर है कि एसआईसी ने स्टॉफ से साफ कह दिया है कि बात बदनामी पर आई तो वह जेल भिजवाने में पीछे नहीं हटेंगे। एक डॉक्टर से तो यहां तक कहा गया- आप तो सब जानते हैं, आपके करीबी भी हैं, उन्हें भी समझा दीजिए...। हालांकि, सख्त हिदायत दी गई कि बंद कमरे में हुई बातचीत बाहर लीक नहीं होनी चाहिए। सबको मिलकर अस्पताल और खुद की छवि को सुधारना ही होगा।

जानकारी के मुताबिक, मरीज माफिया की गहरी पैठ होने की वजह से मरीजों को मुफ्त इलाज और दवा के लिए भी रुपये देने पड़ते हैं। यह सब इतने सलीके से होता है कि ठगे जाने वाला मरीज भी खुद को खुशनसीब समझता है कि इस भीड़ में उसका सस्ते में उपचार हो गया और दोबारा नहीं आना पड़ा। शायद यही वजह है कि वह कभी भी शिकायत के लिए आगे नहीं आता। लेकिन अब जब मरीज माफिया के गिरोह की शिकायत पुलिस तक पहुंची और एक-एक कर कलई खुलने लगी तो पूरा खेल भी उजागर हो गया। सूत्र बताते हैं कि जिला अस्पताल के सामने की दुकानों में लस्सी की एक दुकान पर ही कमीशन का रजिस्टर बनाया गया था। वहां पर शाम में आसपास के दुकानदार भी हिसाब देते थे कि कितना किस डॉक्टर के पर्चे पर दवा बिकी है और फिर उसका हिसाब-किताब होता है। वहीं एक दुकान ऐसी भी है जहां शाम ढलते डॉक्टर भी पहुंच जाते थे, वहां अब कोई नजर नहीं आ रहा है। यह वहीं दुकान है, जहां से लोकल दवाओं की जरूरत होने पर खरीदारी भी की जाती है। दरअसल, मरीज माफिया को लेकर डीएम कृष्णा करुणेश ने सीएमओ और एसआईसी से बातचीत कर नाराजगी जाहिर की है। इसके बाद से ही सभी को लगने लगा है कि अब यह खेल आसान नहीं है। लेकिन अभी यह देखना होगा कि यह सख्ती कितने दिनों तक बनी रहती है।

चार शिक्षक और चार शिक्षा मित्र विद्यालय से गायब, तीन प्रधानाध्यापकों को नोटिस

पडरौना। तीन ब्लॉक के 66 परिषदीय स्कूलों की जांच में चार शिक्षक व चार शिक्षा मित्र ड्यूटी से गायब मिले। शिक्षकों के वेतन व शिक्षामित्रों का मानदेय रोककर स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं, जांच में कई विद्यालयों में खामियां मिली। इसके लिए तीन प्रधानाध्यापकों को बीएसए ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शासन के निर्देश पर बीएसए द्वारा गठित बीईओ व जिला समन्वयकों की टीम ने स्कूलों की जांच की।

पडरौना ब्लॉक के पांच, कप्तानगंज के सात व सुकरौली ब्लॉक के 54 समेत कुल 66 स्कूलों का बीएसए की तरफ से गठित टीम ने जांच किया। इसमें विद्यालय में विद्यार्थियों की नामांकन के सापेक्ष उपस्थिति एवं ठहराव, कक्षा एक से आठवीं तक की कक्षाओं में अध्ययनरत बच्चों से शिक्षण व लर्निंग लेवल, एमडीएम, कम्पोजिट ग्रांट की धनराशि से विद्यालय में कराए गए कार्य, मध्यान्ह भोजन योजना की मीनू के अनुसार भोजन वितरित करने समेत अन्य बिंदुओं की जांच की टीम ने जांच की।

टीम की जांच में विभिन्न विद्यालयों के चार शिक्षक और चार शिक्षामित्र अनुपस्थित मिले। इसको गंभीरता से लेते हुए अनुपस्थित शिक्षक व शिक्षामित्रों के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई कर जांच के दिन का वेतन व मानदेय रोककर स्पष्टीकरण मांगा हैं। इसके अलावा जांच के दौरान विद्यालय में विभिन्न कमियां मिलने पर तीन प्रधानाध्यापकों को मिली कर्मियों के आधार पर कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। शासन के निर्देश पर जिले के तीन ब्लॉक के 66 परिषदीय विद्यालयों की जांच कराई गई। जांच में चार शिक्षक व चार शिक्षा मित्र ड्यूटी पर नहीं मिले। इनका वेतन व मानदेय रोक दिया गया है। वहीं विद्यालयों में खामियां मिलने पर तीन प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी किया गया है।

डॉ. रामजियावन मौर्या, बीएसए कुशीनगर

दस हजार चूजों को नेपाल पुलिस ने किया नष्ट

सिद्धार्थनगर। सीमा से सटे नेपाल के कपिलवस्तु जिला की पुलिस ने मंगलवार को भारत से अवैध रूप से ले जाए जा रहे बॉयलर चूजों को कृष्णानगर नगर पालिका वार्ड नंबर चार क्षेत्र के सिरसिहवा से बरामद किया गया था, जो अवैध रूप से भारत से नेपाल सीमा में लाए जा रहे थे। पुलिस ने नष्ट कर दिया है। कृष्णानगर क्षेत्र पुलिस कार्यालय कपिलवस्तु के पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण ओली ने बताया कि तस्कर भारत से निर्यात कर नेपाल ला रहे अवैध चूजों को नष्ट कर दिया गया। बताया जा रहा है कि बरामद मुर्गे के चूजों की अनुमानित कीमत लगभग साढ़े सात नेपाली रुपये है।

मोहम्मदपुर अनेठा गांव की महिला की बुखार से मौत

कौशांबी। डेंगू से बेहाल ब्लॉक क्षेत्र के मोहम्मदपुर अनेठा गांव की रहने वाली एक महिला की बुखार से मौत हो गई। महिला का कई दिन से प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। मोहम्मदपुर अनेठा गांव में अब तक डेंगू के कई मरीज मिल चुके हैं। इसके अलावा बुखार लगातार अपनी पकड़ बनाए हुए है। हालांकि पिछले महीने कई दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने गांव ने पहुंचकर बचाव के उपाय किए, लेकिन बुखार पर अंकुश नहीं लग सका। अब भी कई लोग पीड़ित हैं। इसी बीच बुखार से पीड़ित प्रियंका श्रीवास्तव पत्नी अतुल श्रीवास्तव की सोमवार को प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अतुल ने बताया कि पत्नी कई दिन से बुखार पीड़ित थी। डेंगू के लक्षण मिलने पर 25 सितंबर को गांव में चिकित्सकों की टीम ने सैंपल लेकर जांच कराई थी, लेकिन इसमें रिपोर्ट निगेटिव आई। उसी दिन शाम को बुखार और तेज हो गया। प्लेटलेट्स भी कम हो रही थी। पहले सिराथू के एक निजी हास्पिटल में भर्ती कराया। यहां से जवाब मिलने पर प्रयागराज ले गए थे। फिर भी डॉक्टर जान नहीं बचा सके। इससे पहले गांव की खुशनुमा बानो (45) की मौत हुई थी।

कृषि रक्षा व उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी समेत 16 कर्मचारी मिले नदारद

कौशांबी। सीडीओ ने मंगलवार को बीएसए और उपकृषि निदेशक कार्यालय का निरीक्षण किया। इसमें उपकृषि रक्षा और उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी समेत 16 कर्मचारी नदारद मिले। इसके अलावा कार्यालय परिसर में भी गंदगी रही। इस पर कड़ी नाराजगी जताई। गैरहाजिर अधिकारियों व कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने के आदेश दिए गए। सीडीओ डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी सबसे पहले बीएसए कार्यालय पहुंचे। यहां हर तरफ गंदगी और कूड़ा फैला मिला। वाटर कूलर भी खराब मिला। कनिष्ठ सहायक नीरज कुमार पटेल, परिचारक लालचंद्र सरोज, सत्येंद्र कुमार, सचिन जायसवाल, सर्व शिक्षा अभियान के जिला समन्वयक योगेश तिवारी, लेखाकार श्याम बाबू सिंह गैरहाजिर रहे। भ्रमण पंजिका में 19 मई के बाद कुछ दर्ज नहीं था। बीएसए ने इसका अवलोकन भी नहीं किया था।

कार्यालय में मुलाकाती रजिस्टर नहीं मिला। उपकृषि निदेशक कार्यालय में वरिष्ठ सहायक सर्वेश कुमार, सोनू पांडेय, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अखिलेश कुमार अनुपस्थित मिले। उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी सुरूचि विश्वकर्मा की कुर्सी भी खाली मिली। उनके कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक बृजेश कुमार रावत, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गीता देवी नदारद थे। सीडीओ की पड़ताल में जिला कृषि रक्षा अधिकारी इंद्रजीत यादव, उनके कार्यालय की वरिष्ठ सहायक सीमा पांडेय अनुपस्थित रहीं। उपनिदेशक कार्यालय में भी गंदगी का अंबार मिला। सीडीओ ने बताया कि दोनों दफ्तरों में साफ-सफाई और अन्य खामियों को दूर कराने के निर्देश दिए गए हैं। अनुपस्थित मिले अधिकारियों व कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया गया है। इनसे स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

कौशांबी। कड़ा कोतवाली के कमालपुर गांव के समीप मंगलवार शाम बाइकों में भिड़ंत हो गई। इससे एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा बाइक सवार मौका पाकर भाग निकला। हादसे के बाद से पीड़ित परिवार के सदस्यों की रो-रोकर हालत खराब हो गई। कड़ा धाम कोतवाली के दौलतपुर कसार मजरा सुल्तानपुर निवासी मनोज कुमार (39) खेती कर परिवार का गुजारा करते थे। मनोज मंगलवार को किसी काम से सैनी गए थे। शाम 6 बजे घर लौटते समय रास्ते में कमालपुर गांव के समीप सामने से आ रहे बाइक सवार ने मनोज की बाइक में टक्कर मार दी। इससे मनोज बाइक समेत सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोग पुलिस व परिजनों को सूचना देते हुए मनोज को अस्पताल ले जाने की तैयारी करते कि इससे पहले उसकी सांस थम गई। इसी बीच मौका पाकर दूसरा बाइक सवार वाहन समेत भाग निकला। घटना के बाद से मनोज की पत्नी सुनीता और बेटे नवीन व नैतिक की रो-रोकर हालत खराब हो गई।

डीएम को पीड़ा सुनाते फफक कर रो पड़े ग्राम प्रधान

पडरौना। दुदही विकास खंड के पृथ्वीपुर गांव के प्रधान ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव पर भेदभाव करने का आरोप लगाया। बताया कि दो वर्ष में 10 से अधिक विकास कार्य कराए गए हैं। आरोप है कि 20 प्रतिशत कमीशन नहीं देने की वजह से सचिव भुगतान नहीं कर रही हैं। डीएम प्रधान को अपनी पीड़ा सुनाते समय फफक कर रोने लगे। पृथ्वीपुर ग्राम सभा के प्रधान रामेश्वर प्रसाद ने डीएम को दिए गए पत्र में आरोप लगाया कि गांव में सुमन सिंह सचिव हैं। वह हमेशा भेदभाव करती हैं। गांव में दो वर्ष में प्राथमिक विद्यालय डमूर व प्राथमिक विद्यालय मुसहरी टोला में टायल्स लगवाना, पंचायत भवन में व आठ शौचालयों के मरम्मतीकरण समेत विभिन्न विकास कार्य कराए गए हैं। इन सभी कार्यों को कराए करीब दो वर्ष बीत गए हैं, लेकिन सचिव की ओर से भुगतान नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि इसके लिए 20 प्रतिशत अग्रिम भुगतान मांगा जा रहा है। आरोप है कि सचिव के कार्यों की उनके ससुर देखरेख करते हैं और गांव में आवास, मृत्यु प्रमाणपत्र, परिवार रजिस्टर की नकल में धनउगाही करते हैं।

इसके पहले भी शिकायत की गई है। भुगतान नहीं होने से गांव में छह माह से विकास कार्य ठप पड़ा है। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। सचिव सुमन सिंह के मोबाइल पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

बीडीओ रामराज कुशवाहा का कहना है कि ग्राम प्रधान की ओर से कमीशन की शिकायत मुझसे अभी तक नहीं की गई है। ग्रामीणों ने सचिव पर धनउगाही करने का आरोप लगाते हुए सचिव को बदलने की मांग की थी। मैंने स्थानांतरण के लिए संस्तुति करते हुए एक माह पहले पत्र भेज दिया था। उच्चाधिकारियों की ओर से स्थानांतरण किया जाना है।

पीपल की डाल गिरने से महिला की मौत, बेटी समेत दो गंभीर

कौशांबी। सदर कोतवाली के गंभीरा पूरब गांव में पीपल की डाल गिरने से परचून की दुकान का संचालन करने वाली एक महिला की मौत हो गई। साथ रही बेटी और पड़ोस की एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर पूरब निवासी अमरनाथ गुप्ता पानीपत (हरियाणा) में प्राइवेट नौकरी करते हैं। गांव में उनकी पत्नी शांति देवी (30) बेटी सरिता (6) के साथ रहती थी। शांति ने गांव में ही छोटी सी परचून की दुकान खोल रखी थी। रविवार दोपहर अचानक दुकान के समीप लगा पीपल के पेड़ की डाल गिर गई। इसकी चपेट में आकर शांति, सरिता और पड़ोसन कुसुम देवी पत्नी वेद प्रकाश पांडेय घायल हो गईं। ग्रामीणों ने सभी को जिला अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने शांति को मृत घोषित कर दिया। सरिता और कुसुम की हालत नाजुक बनी हुई है। इंस्पेक्टर संतोष शर्मा का कहना है कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

जांच में देरी से खफा दरोगा व डॉक्टरों में हुई बहस, तीन घंटे माहौल रहा तनावपूर्ण

सिद्धार्थनगर। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान गर्भ में बच्चे को मारने और बच्चेदानी निकालने के मामले में अभी तक महिला की चिकित्सकीय जांच नहीं हो सकी। डेढ़ महीने से महिला को लेकर विवेचक दरोगा मेडिकल कालेज से सिविल अस्पताल के चक्कर काट रहे हैं। मंगलवार के दरोगा का भी सब्र टूट गया। महिला को लेकर पहुंचे दरोगा की डॉक्टर से सीएमएस के सामने उनके कार्यालय में ही कहासुनी हो गई। दरोगा ने जांच में देरी का कारण लिखित में मांगा। तो डॉक्टर भड़क गया। तीन घंटे तक सीएमएस कार्यालय का माहौल तनावपूर्ण रहा। इसके बाद डॉक्टरों ने महिला की जांच को गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

बरवापट्टी थाना क्षेत्र के गौरीशुक्ल गांव निवासी दिनेश की पत्नी नीतू गर्भवती थी। दिक्कत होने पर दिनेश इलाज के लिए सेवरही थाना क्षेत्र के जनता अस्पताल में लेकर गया। आरोप है कि इलाज के दौरान डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगा दिया। इससे गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। बच्चे को निकालने के दौरान डॉक्टर ने बच्चेदानी भी निकाल दी। इसकी वजह से नीतू की तबीयत काफी बिगड़ गई। कसया के एक निजी अस्पताल में एक महीने तक इलाज कराने के बाद तबीयत में सुधार हुआ। दो महीने पहले पीड़ित की तहरीर पर सेवरही पुलिस ने जनता अस्पताल के डॉक्टर सुधांशु शाह और इसकी पत्नी डॉ. मनीषा पर केस दर्ज किया। बिना रजिस्ट्रेशन संचालित अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग ने सील कर दिया था। पुलिस की अर्जी पर सीएमओ ने सीएमएस को मेडिकल बोर्ड बनाकर महिला का चिकित्सकीय परीक्षण का निर्देश दिया। टीम में जिला अस्पताल के डॉ. उपेंद्र चौधरी, सर्जन डॉ. बीरेंद्र कुमार और डॉ. नीलकमल को शामिल किया गया।

डेढ़ महीने में 14 बार महिला को लेकर गई पुलिस

मेडिकल बोर्ड बनने के बाद पुलिस महिला को लेकर जांच के लिए पहुंची। इस मामले में चिकित्सकों का रवैया लगातार टालमटोल का रहा। दरोगा के मुताबिक डेढ़ महीने में 14 बार नीतू को लेकर मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल गये। पर जांच की कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। मंगलवार को सेवरही के दरोगा आशुतोष जायसवाल पीड़ित महिला को लेकर सीएमएस कार्यालय पहुंचे। सीएमएस डॉ. एचएस राय से मिलकर दरोगा मेडिकल रिपोर्ट में देरी की वजह की लिखित जानकारी मांगने लगा। सीएमएस ने मेडिकल बोर्ड में शामिल डॉक्टरों को कॉल कर बुलाए। इस दौरान दरोगा और डॉक्टरों के बीच बहस होने लगा। सर्जन ने मेडिकल की कार्रवाई पूरा होने का दावा किया। सीएमएस ने जब फाइल तलब किया तो बाबू की गलती सामने आई। टीम ने मेडिकल बना दिया था। बच्चेदानी निकली है या नहीं इसके लिए सिटी ऑफ डोमेन की जांच होना है, जो यहां नहीं होगा। इसके लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में होगा। बाबू ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज का रेफर कागज नहीं तैयार किया था।

फ्लाईओवर बनवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन

फाजिलनगर। कस्बा स्थित बघौचघाट मोड़ पर फ्लाइओवर बनवाने की मांग को लेकर मंगलवार को लोगों ने प्रदर्शन किया। इसमें प्रदर्शन कर रहे लोगों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। पूर्व ग्राम प्रधान केदार सिंह की अगुवाई में मंगलवार को कस्बा के लोग बघौचघाट मोड़ पर इकट्ठा हुए। इसके बाद मांग के पक्ष में नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। लोगों ने कहा कि कस्बा क बघौचघाट मोड़ दुघर्टना बाहुल्य क्षेत्र है। बीते दस वर्ष में यहां सड़क दुघर्टना में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। पूर्व प्रधान ने कहा कि लोगों से जुड़े मुद्दे के प्रति शासन प्रशासन की उदासीनता लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। क्षेत्र के कई युवा व नामचीन लोग यहां दुघर्टना में जान गंवा चुके हैं। धरने को नागेश्वर तिवारी, जुनाब अली, पुरुषोत्तम गुप्ता, लाल मोहम्मद, बलिराम प्रसाद, जितेंद्र यादव, राधाकृष्ण सिंह आदि ने संबोधित किया। इस दौरान संतोष प्रसाद, संजय सिंह, आनंद सिंह, अशोक सिंह, कैलाश चौरसिया आदि मौजूद रहे।

बारिश से बचने के लिए भाग रहे किशोर की करंट लगने से मौत

बिजली के खंभे में लगे स्टे वॉयर में बारिश के चलते उतरा था करंट, घरवालों में मचा कोहराम

कुशीनगर । सेवरही के अहिरौली मिश्र निवासी मो. सैफुल्लाह अंसारी (15) की मंगलवार को करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के वक्त वह घर से बाजार सामान लेने गया था। बारिश होने के दौरान पास की दुकान में छिपने के दौड़ लगाकर जा रहा था। इसी बीच करंट की चपेट में आ गया। हादसे की जानकारी होने पर पहुंचे परिजनों ने बिजली निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सेवरही थाना क्षेत्र के अहिरौली मिश्र गांव निवासी नूर आलम अंसारी का बेटा सैफुल्लाह अंसारी मंगलवार दोपहर करीब दो बजे घर से सामान खरीदने के लिए पैदल बाजार जा रहा था। कुछ दूरी पर पहुंचा था कि बारिश शुरू हो गई। बचने के लिए गांव के अमानुल्लाह की दुकान की तरफ भागा। सड़क के किनारे बिजली के खंभे के स्टे वायर में उतरे करंट की चपेट में आ गया। सैफुल्लाह की मौके पर मौत हो गई। खबर मिलते ही गांव वालों की भीड़ जुट गई। लोगों ने बिजली निगम के अफसरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिय। हंगाके की सूचना पर सेवरही थाने के इंस्पेक्टर हर्षवर्धन सिंह टीम के साथ पहुंचे। ग्रामीणों से बातचीत कर किसी तरह शांत कराया। स्टे वॉयर में करंट उतरने से हुआ हादसा मौके पर बिजली निगम के एसडीओ रामशब्द भी कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। नाराज लोगों ने एसडीओ को खरी खोटी सुनाया। एसडीओ ने बताया कि बारिश के कारण बिजली के खंभे के स्टे वॉयर में करंट उतरा था। इसके कारण ही हादसा हुआ। अब इसे ठीक करा दिया गया है। विभाग मृतक के परिवार को हर संभव मदद दिलाने का प्रयास करेगा।

महर्षि दयानंद सरस्वती राष्ट्र पितामह-मुख्यमंत्री

स्वर्ण जयंती समारोह में रचितामाला पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समारोह का शुभारंभ करते हुए

बस्ती । प्रदेश मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ ने आर्य समाज नई बाजार बस्ती के 50 वीं स्थापना दिवस एवं आर्य समाज संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वतीके द्विजन्म शताब्दी पर आज 3बजे समारोह का शुभारंभ करते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती के उपकारों को स्मरण करते हुए कहा समाज में व्याप्त पाखंड और कुरीति को दूर करने के लिए 149 वर्ष पूर्व आर्य समाज की स्थापना कि मैआर्य समाज के वर्ष 95 समारोह के बाद आज आर्य समाज स्थापना बस्ती में आने का अवसर प्रधान ओमप्रकाश आर्य सौजन्य से प्राप्त हुआ आर्य समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश उपमंत्री तृप्ति आर्य ने समारोह की भव्यता के लिए बस्ती समाज की सराहना की गोंडा जिला आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान शास्त्री विनोद आर्य के नेतृत्व में डॉ रमेश मौर्य डॉ0 बीबी मिश्रा सत्य प्रकाश एडवोकेट,मयंक सरन,रवि यादव,श्याम तिवारी,पं0रमाकांत मिश्रा,शास्त्री सत्य प्रकाश आर्य राजकुमार गुप्ता नेपाल, स्वामी शंकर मुनि, शिक्षक सत्यनारायण, चंद्रकेतु आर्य, अशोक तिवारी स्वर्ण जयंती पर प्रेरक गीत से मुख्यमंत्री का स्वागत किया सभा संचालन आचार्य सुरेश जोशी ने किया और कहा यह समारोह 7 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें महर्षि के आर्यवीर शौर्य प्रदर्शन शिक्षक दिनेश आर्य द्वारा, ऋषि संदेश का श्रवण कर राष्ट्र संस्कृति के मूल्यों को जानने का अवसर प्राप्त करें। सभा को संबोधित सर्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली महामंत्री विनय आर्य महर्षि को राष्ट्र पितामह बताया।

अब पुलिस दर्ज कर रही फरारी का केस, बदमाश जमीन को बता रहे पुश्तैनी

गोरखपुर। पुलिस अब फरार बदमाशों पर न्यायालय की अवहेलना की रिपोर्ट ही नहीं भेज रही, बल्कि एफआईआर भी दर्ज कर रही है। बदमाशों पर नकेल कसने के लिए गैंगस्टर के केस दर्ज किए गए तो अब उनकी अपराध से अर्जित संपत्ति पर पुलिस की नजर पड़ गई है। पुलिस संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है तो बदमाश इसे पुश्तैनी बताने से गुरेज नहीं कर रहे हैं।

कोई कोर्ट में जा रहा है तो कोई अफसरों के पास अपनी बात पहुंचाने के लिए, नेताओं की शरण में पहुंच गया है। लेकिन एसएसपी ने 15 बड़े बदमाशों के लिए एडिशनल एसपी तो अन्य के लिए सीओ रैंक के अफसरों को चिह्नित कर कार्रवाई का निर्देश जारी कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, अब तक हुई कार्रवाई में से 87 गैंगस्टर को चिह्नित किया गया है। इसमें से पहले चरण में 15 बड़े गैंगस्टर पर 14 ए की कार्रवाई की जानी है, जिनके लिए अफसरों को नोडल बनाया गया है। ये ऐसे बदमाश हैं जिन्होंने अपराध के पैसों से कई जगहों पर संपत्ति बनाई है।

नोडल अफसर 15 गैंगस्टर की अवैध संपत्ति का सारा डिटेल एकत्रित कर रहे हैं। बहुत जल्द प्रशासन के साथ पुलिस टीम अवैध संपत्ति पर जब्त करने की कार्रवाई करेगी। वहीं, फरार बदमाशों पर इनाम घोषित करने के साथ ही न्यायालय के अवहेलना का केस दर्ज कर रहा है। ये वह बदमाश हैं, जिनके घर पर पुलिस ने 82 का नोटिस चस्पा किया और इसके बाद भी वह हाजिर नहीं हुए हैं। पुलिस ने साल 2022 में गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई का शतक लगाया था। पुलिस कार्यालय से मिली सूचना के अनुसार एक साल के अंदर 402 बदमाशों पर गैंगस्टर के 100 केस दर्ज किए गए थे। वहीं, साल 2023 में अब तक 69 गैंगस्टर के केस दर्ज हुए हैं।

दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए आठ नवम्बर से दीए बिछाने का कार्य होगा शुरू

50 घाट पर 24 लाख दीए बिछने के साथ 21 लाख से अधिक दीए प्रज्वलित कर बनेगा विश्व रिकार्ड

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या। दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारियों में तेजी लाई। विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने विश्वविद्यालय के आला अधिकारियों के साथ गत दिनों राम की पैड़ी एवं चैधरी चरण सिंह घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। 11 नवम्बर को दीपोत्सव कार्यक्रम को लेकर दोनों स्थलों के 50 घाटों पर 24 लाख दीए वालंटियर्स द्वारा बिछाये जायेंगे। इन घाटों पर 14ग14 का एक ब्लाक बनाया जायेगा। इसमें 196 दीए सजाये जायेंगे। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा तैयारियां जोरों से की जा रही है। 21 लाख दीप प्रज्वलित करने के लिए वालंटियर्स द्वारा 24 लाख दीए राम की पैड़ी सहित 50 घाटों पर बिछाये जायेंगे। 20 अक्टूबर तक दीए एवं अन्य सामग्री को संग्रहित कर लिया जायेगा। इसके लिए राम की पैड़ी एवं चैधरी चरण सिंह घाटों पर पांच स्टोर बनाये गये है। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 एस एस मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए 25 हजार वालंटियर्स लगाये जायेंगे।

इनकी सूची लगभग बन गई है। 08 नवम्बर को चिन्हित स्थानों पर दीए बिछाने का कार्य शुरू हो जायेगा। इस बार 24 लाख दीपों में करीब एक लाख लीटर सरसों तेल से दीप प्रज्वलित किए जायेंगे। निरीक्षण के समय कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अब वाहनों के साथ फाइल भी संजोगें मालिक, आज से लागू होगी व्यवस्था

झांसी। संभागीय परिवहन कार्यालय में फाइलों के बोझ को कम करने के लिए द्वारा तीन अक्तूबर से नई प्रक्रिया लागू की जा रही है। जिसके तहत डीलर से वाहन खरीदने के बाद वाहन स्वामी को कागजात की फाइल थमा दी जाएगी। वाहन के सभी कागजों को वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इसके लिए वाहन स्वामी से एक शपथ पत्र भी लिया जाएगा। संभागीय परिवहन कार्यालय के नौ कमरों में लगभग साढ़े तीन लाख फाइलें हैं। फाइलों के बोझ को कम करने लिए तीन अक्तूबर से नई व्यवस्था को शुरू किया जा रहा है। जिसके तहत नया निजी वाहन खरीदने पर डीलर द्वारा पंजीकरण, निर्माता द्वारा जारी गया तकनीकी प्रमाण पत्र (फार्म 22), डीलर द्वारा जारी बिक्री प्रमाण पत्र (फार्म-21), ट्रेड प्रमाणपत्र (फार्म-19) सहित कई प्रकार कागजात की फाइल को तैयार कर विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के बाद फाइल वाहन स्वामी को ही दे दी जाएगी। इसके लिए वाहन स्वामी से डीलर द्वारा एक शपथ पत्र लिया जाएगा। हालांकि व्यवसायिक वाहनों की खरीद की प्रक्रिया पूर्व की तरह ही रहेगी। परिवहन कार्यालय में फाइलों के बोझ को कम करने के लिए तीन अक्तूबर से नई व्यवस्था शुरू की जा रही है। इसमें नए निजी वाहन खरीदने पर वाहन के कागजों को वेबसाइट पर अपलोड करने के बाद पूरी फाइल वाहन स्वामी को दी जाएगी। इसके लिए एक शपथपत्र लिया जाएगा। डॉ. सुजीत कुमार, एआरटीओ (प्रशासन)

सिपाही और होमगार्ड अभी भी पुलिस की पहुंच से बाहर, युवती से छेड़छाड़ और मंगेतर से की थी मारपीट

गाजियाबाद। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिपाही को निलंबित किया गया लेकिन वह लाइन में बिना आमद कराए ही भाग गया। वहीं होमगार्ड कमांडेंट की ओर से भी आरोपी होमगार्ड के नोटिस जारी किया है लेकिन वह भी घर पर नहीं मिला। गाजियाबाद कोतवाली के साईं उपवन में युवती से छेड़छाड़ और मंगेतर से थप्पड़ मारने के मामले में पुलिस पांच दिन बाद भी न तो आरोपी सिपाही व होमगार्ड को गिरफ्तार कर पाई और न ही घटना में शामिल तीसरे व्यक्ति का नाम पता लगा पाई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिपाही को निलंबित किया गया लेकिन वह लाइन में बिना आमद कराए ही भाग गया। वहीं होमगार्ड कमांडेंट की ओर से भी आरोपी होमगार्ड के नोटिस जारी किया है लेकिन वह भी घर पर नहीं मिला। दोनों ने मोबाइल फोन भी बंद कर लिए। सिपाही और होमगार्ड पर भ्रष्टाचार, छेड़छाड़ और धमकी देने धारा में मुकदमा दर्ज हुआ था। नगर कोतवाती क्षेत्र की पीआरवी पर तैनात सिपाही दिगंबर और होमगार्ड राकेश कुमार ने अपने एक साथी के साथ साईं उपवन में गौतमबुद्धनगर की युवती अपने मंगेतर के साथ घूमने गई थीं। वहां सिपाही और होमगार्ड ने उन्हें धमकाया। उनके साथी ने पांच लाख रुपये की मांग की। सिपाही और होमगार्ड ने युवती के साथ छेड़छाड़ की और संबंध बनाने का दबाव बनाया। घटना 16 सितंबर की है। मामले में पुलिस ने 28 सितंबर को मुकदमा दर्ज किया था। पांच दिन बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई।

दोनों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी

एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि होमगार्ड राकेश कुमार और सिपाही दिगंबर की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। दोनों अपने घरों पर नहीं मिले हैं। उनके पकड़े जाने पर ही तीसरे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिल सकेगी। तीसरे व्यक्ति के बारे में मैनुअल जानकारी से भी पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीओ होमगार्ड राकेश कुमार राय ने बताया कि पुलिस की ओर से होमगार्ड के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के संबंध में पत्र मिला। होमगार्ड राकेश को निलंबित कर दिया गया है। बर्खास्ती की रिपोर्ट तैयारी की गई है। जांच के बाद बर्खास्ती की कार्रवाई की जाएगी।

समय से पूर्व नहर की करें सफाई- अविनाश सिंह

अंबेडकर नगर जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में रबी फसली 1431 वर्ष 2023- 24 के पूर्व सिल्ट सफाई कार्य की कार्य योजना के संबंध में बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान सिल्ट सफाई कार्य हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिए गए कि सिल्ट सफाई कार्य का फोटो ग्राफी एवं वीडियो ग्राफी कराई जाय तथा जनपद स्तर से गठित समिति से सत्यापन कराया जाए। बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड एस पी सिंह, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर सुरेश कुमार शुक्ला, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

संचारी रोग की सफलता के लिए अधिकारी मनोयोग से अपनी भूमिका निभाएं- जिलाधिकारी

त्रिगुट संवाददाता

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण(03 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2023) एवं दस्तक अभियान(16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2023) के सम्बंध में समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने सभी विभागो से उनके द्वारा की गयी तैयारियों को लेकर समीक्षा की एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिशा निर्देश जारी किये।डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया तथा अन्य संचारी रोग तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित इलाज सर्वोच्य प्राथमिकताओं के साथ करने के निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी विभाग इस अभियान के सफल संचालन हेतु अपनी भूमिका पूर्ण मनोयोग से निभाये तथा सभी विभागों को निर्देश दिये कि वह संचारी रोग नियंत्रण अभियान का सफल आयोजन करें। दस्तक अभियान तथा संचारी अभियान में आशा व आंगनवाड़ी कार्यकत्री की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही साथ जिलाधिकारी महोदय द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में अधिशाषी अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्र में डीपीआरओ को निर्देश दिया गया कि एंटी लारवा, साफ सफाई, फॉगिंग कराया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजकुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेन्द्र झा, डॉ मंसूर हसन सिद्दकी, डॉ रामानन्द, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशुतोष सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, समस्त केन्द्र अधिक्षक / प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एस0एम0ओ0 डब्लू0एच0ओ0 डी0एम0सी0 यूनिसेफ, जिला उद्यान अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

जेल में बंद पूर्व भाजपा नेता पर धर्म परिवर्तन कराने का केस दर्ज

झांसी। हत्या, दुष्कर्म, छेड़छाड़ और मारपीट का मुकदमा दर्ज होने पर जेल में बंद पूर्व भाजपा नेता राही मासूम रजा पर रविवार को एक केस और दर्ज किया गया है। झांसी की युवती ने जबरन धर्म परिवर्तन कराकर उसका निकाह कराने का आरोप लगाया है। तहरीर मिलने पर कोतवाली पुलिस ने पूर्व भाजपा नेता पर केस दर्ज कर दिया है। झांसी के सीपरी बाजार के मसीहागंज की रहने वाली प्रीति ने पुलिस को बताया है कि वह झांसी में ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। तीन वर्ष पूर्व उसकी मुलाकात महराजगंज के रहने वाले अकरम मंजूरी उर्फ फौजी से हुई। कुछ दिनों तक बातचीत के बाद अकरम उसे धोखे में रखते हुए पांच फरवरी 2020 को आनंदनगर रेलवे स्टेशन लेकर आया। इसके बाद उसे महराजगंज के मासूम रजा राही के घर ले गया। आरोप है कि इसके बाद अकरम ने उस पर शादी का दबाव बनाने लगा। मासूम रजा राही, अकरम और उसके अन्य साथियों ने जबरन धर्म परिवर्तन कराया। इसके बाद नाम बदलकर निकाह करा दिया।

बबीना ब्लॉक प्रमुख पति समेत फरार

झांसी। एक महिला द्वारा की गई छेड़खानी और रंगदारी मांगने की शिकायत पर बीते रोज रक्सा थाना पुलिस ने बबीना ब्लॉक प्रमुख ग्राम कोटखैरा निवासी बबीता यादव और उसके पति पंजाब सिंह यादव समेत 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से बबीना ब्लॉक प्रमुख, उसका पति व अन्य आरोपी फरार हो गए हैं। रविवार को रक्सा थाना पुलिस उनकी तलाश में जुटी रही। गिरफ्तारी के लिए कई जगह दबिश भी दी गई, लेकिन हत्थे कोई नहीं चढ़ पाया। रक्सा थाना प्रभारी अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके अलावा महिला के 164 के बयान दर्ज कराए जाएंगे।

आकाशी ब्लॉकों में संकल्प सप्ताह का आयोजन जारी

त्रिगुट संवाददाता

अंबेडकर नगर । भारत सरकार के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश के सभी आकांक्षी ब्लॉकों में संकल्प सप्ताह 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। आज कार्यक्रम के दूसरे दिन 4 अक्टूबर 2023 को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग का कार्यक्रम तीनों ब्लाकों में संचालित किया जा रहा है।उक्त के क्रम में आकांक्षी विकासखंड टांडा के सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा की गरिमामई उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संकल्प सप्ताह सबकी आकांक्षाए सबका विकास आज का मुख्य थीम है।जिनमे गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चो का अन्नप्राशन,सुपोषित परिवार संतुलित आहार,महिलाओं एवं बच्चों का वजन ,पोषण वाटिका, किचेन गार्डन पर चर्चा की गई।बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा पोषण पर विस्तार पूर्वक उपस्थित कार्यकत्री एवं आम समुदाय को जागरूक किया गया।इसके उपरांत जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी तथा अपर जिलाधिकारी द्वारा 11 महिलाओं की गोद भराई तथा पांच बच्चों का अन्नप्राशन किया गया। इस दौरान मौके पर अपर जिलाधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता, उप जिलाधिकारी टांडा सचिन यादव, खंड विकास अधिकारी टांडा, जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी टांडा, ब्लाक प्रमुख टांडा, सीडीपीओ टांडा, सभी मुख्य सेविकाएं उपस्थित रहे।इसी प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम भियांव ब्लॉक तथा भीटी में भी आयोजित किया गया।भियांव मेंपरियोजना निदेशक /नोडल अधिकारी, डीपीओ, ष्द्व द्धद्गद्यद्य श्2 गरिमा चौधरी,एडीओ आईएसबी प्रदीप डूबे, प्रभारी चिकत्साधिकारी भियांव, सीडीपीओ टांडा और जहागीरगंज उपस्थित रहे।भीटी मेंनोडल अधिकारी /जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, उप जिलाधिकारी भीटी और सीडीपीओ फूलकुमार गौतम, बीडीओ भीटी उपस्थित रहे।

जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक संपन्न

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने समिति द्वारा किये जा रहे कार्यो की बिंदुवार समीक्षा किया गया। मुख्य रूप से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट स्त्र्न्न (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी), एवम् स्नस्ज्ञक्क के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नदी की सफाई हेतु जागरूकता अभियान चलाकर गंगा घाट की साफ-सफाई कराया जाए।बैठक के दौरान डीएफओ प्रणव जैन, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी,जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी, डीपीआरओ, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद अकबरपुर, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

बंदियो की रिहाई के लिए साक्षरता शिविर की समीक्षा बैठक संपन्न

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर। न्यायमूर्ति उच्चतम न्यायालय / कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के कम में माननीय जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में जिला कारागार अम्बेडकरनगर में निरूद्ध विचाराधीन बंदियों की रिहाई हेतु दिनांक 18.09.2023 से दिनांक 20.11.2023 तक अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी विशेष अभियान 2023 चलाया जाना सुनिश्चित हुआ है।

उक्त विशेष अभियान के आयोजन के क्रम में आज दिनांक 04.10.2023 को जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर में श्री राम सुलीन सिंह, माननीय जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर की अध्यक्षता में माननीय महोदय के विश्राम कक्ष में श्री कमलेश कुमार मौर्य, अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बेडकरनगर, डा0 सदानन्द गुप्ता, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अम्बेडकरनगर, श्री संजय राय, अपर पुलिस अधीक्षक, अम्बेडकरनग एवं श्री छोटे लाल सरोज डिप्टी जेलर, जिला कारागार अम्बेडकरनगर की उपस्थिति में जिला कारागार में निरूद्ध विचाराधीन बन्दियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध प्रारूप के आधार पर रिहाई की कार्यवाही करवाने हेतु बैठक आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा जिला कारागार अम्बेडकरनगर द्वारा उपलब्ध कराये गये विचाराधीन बन्द्रियों की सूची में से 14 ऐसे बन्दियों की अनुसंशा की गई जिनको इस विशेष अभियान के अंतर्गत रिहाई का लाभ दिया जा सकता है माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के कम में इस विशेष अभियान में उन बंदियों की रिहाई हेतु प्रयास किये जायेंगे जिनकी जमानत सक्षम न्यायालय से हो चुकी है परन्तु अपनी आर्थिक व सामाजिक स्थिति की वजह से वे न्यायालय में जमानतदार प्रस्तुत करने में असमर्थ हैं। अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी के विशेष अभियान के तहत अक्टूबर व नवम्बर माह में प्रत्येक सप्ताह बंदियों की रिहाई हेतु बैठक आयोजित की जायेंगी एवं बैठक में लिये गये निर्णय के आधार पर विचाराधीन बन्दियों की रिहाई हेतु आवश्यक कार्यवाही की जायेंगी।

सभी विकास खण्डों में विशेष स्वास्थ्य मेले का आयोजन संपन्न

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर ,जनपद के समस्त आकांक्षात्मक विकास खण्डों में विशेष स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। विकास खण्ड टाण्डा में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कपिलदेव वर्मा जी, विकास भीटी में विधान परिषद सदस्य डॉ0 हरिओम पाण्डेय तथा विकास खण्ड भियाँव में पूर्व विधायक श्री सुभाषचन्द्र राय के कर कमलों द्वारा उद्घाटन किया गया। डॉ0 हरिओम पाण्डेय ने इस अवसर पर अपने उद्बोदन में कहा गया कि सरकार की मंशा है कि जनपद के आम जनमानस को सुलभ व गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करायी जाय जिस पर चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की टीम पूरी तत्परता एवं तन्मयता से कार्य कर रही है। उन्होंने मेले में सेवा प्रदान कर रहे चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल टीम के सदस्यों का आभार प्रकट करते हुये उत्साहवर्धन किया। विकास खण्ड टाण्डा के मेला प्रभारी डॉ0 वीरेन्द्र झा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ, उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी, विकास खण्ड में भीटी में मेला प्रभारी डॉ0 आशुतोष सिंह उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी तथा विकास खण्ड भियाँव में मेला प्रभारी डॉ0 हसीन अहमद, खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी आदि लोग उपस्थित रहे।

मेले में ओ0पी0डी0 आई0पी0डी0 एन0सी0डी0 स्क्रीनिंग, टी0बी0 स्क्रीनिंग, परिवार नियोजन परामर्श एवं आयुष्मान कार्ड बनवाये जाने की सेवा प्रदान की गयी। मेले में उपस्थित विभिन्न अधिकारियों द्वारा मेला आयोजन का उद्देश्य, आवश्यकता एवं प्रदान की जाने वाली सेवाओं के विषय में विस्तार से चर्चा किया गया, साथ ही मेले में आये लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया। विकास खण्ड भीटी टाण्डा एवं भियाँव में क्रमशः 149, 198 तथा 133 मरीजों को सेवा प्रदान किया गया।

अपर जिला अधिकारी ने दस्तक अभियान का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

त्रिगुट संवाददाता

अंबेडकर नगर, अपर जिलाधिकारी डॉ. सदानंद गुप्ता द्वारा विकासखंड भियांव अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरी पहुंचकर संचारी रोग नियंत्रण अभियान/ दस्तक अभियान (संचारी संचारी रोग नियंत्रण अभियान 3 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक तथा दस्तक अभियान 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इसके उपरांत अपर जिलाधिकारी महोदय द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरी में स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण किया गया। उपस्थित चिकित्सकों से स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी लिया गया तथा मरीजों से सीएचसी से मिल रही स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं एवं दवाओं के बारे में पूछताछ किया गया।वहां पर सभी व्यवस्थाएं ठीक पाई गई।

2 अक्टूबर को महान विभूतियों को याद किया गया

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर । मुख्य विकास अधिकारी महोदय, अंबेडकर नगर की अध्यक्षता में विकास भवन परिसर में द्य भारत के रास्ट्रीय पिता महात्मा गाँधी जी एं भारत के द्वितीय पूर्व प्रधानमन्त्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस मनाया गया, मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा भारत के दोनों विभूतियों के जन्म दिवस के अवसर पर विकास भवन परिसर में सुबह 09ः00 बजे ध्वजारोहण किया गया, तत्पश्चात विकास भवन सभागार में दोनों विभूतियों के चित्र पर दीप जलाकर माल्यार्पण/पुष्प अर्पित किया गया तथा अधिकारिगण एवं कर्मचारिगण द्वारा दोनों विभूतियों के जीवन शैली के बारे में बताया गया।

साथ ही मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत कचरा मुक्त भार बनाने हेतु अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 7 पंचायत सहायक एं 9 सफाई कर्मचारियों तथा जिले स्तर से *जिला कंसल्टेंट एंयोजना सहायक/ लेखाकार को प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस आयोजन में जिला विकास अधिकारी महोदय, जिला पंचायत राज अधिकारी महोदय, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी महोदय, परियोजना निदेशक महोदय, उपायुक्त स्वतः रोजगार महोदय, उपायुक्त श्रम रोजगार महोदय एं अन्य विभाग के विभागाध्यक्ष एंकर्मचारी उपस्थित रहे।

गांधी और शास्त्री को जिले ने याद किया, जिलाधिकारी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी तथा पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती समारोह के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. सदानंद गुप्ता, द्वारा समस्त अधिकारी /कर्मचारी की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। साथ ही साथ स्वच्छता का शपथ भी दिलाई गई। तत्पश्चात महात्मा गांधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री के एक बड़े चित्र का अनावरण व माल्यार्पण किया गया तथा उनके प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर नमन किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर गांधी जयंती समारोह का आयोजन कलेक्ट्रेट में किया गया। इस दौरान नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा गांधी जयंती समारोह के शुभ अवसर पर संगीत कार्यक्रम किया गया इन छात्र-छात्राओं द्वारा संगीत के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा अपने शब्दों में संबोधन किया गया कि 2 अक्टूबर का दिन भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इस दिन भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म हुआ था। 2 अक्टूबर को हर वर्ष गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। अंग्रेजों से आजादी दिलाने में महात्मा गांधी का विशेष योगदान रहा है। इस साल महात्मा गांधी की 154 वीं जयंती मनाई जा रही है। महात्मा गांधी

को बापू के नाम से भी जाना जाता है। 2 अक्टूबर को हर साल अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस भी मनाया जाता है। सत्य और अहिंसा को लेकर बापू के विचार हमेशा से न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।गांधीजी ने भारतीय समाज में व्याप्त छुआछूत जैसी बुराइयों के प्रति लगातार आवाज उठाई। वो चाहते थे कि ऐसा समाज बने जिसमें सभी लोगों को बराबरी का दर्जा हासिल हो क्योंकि सभी को एक ही ईश्वर ने बनाया है। उनमें भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। नारी सशक्तीकरण के लिए भी वह हमेशा प्रयासरत रहे। जिलाधिकारी महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी अधिकारी/ कर्मचारी अपने दायित्वों के प्रति संवेदनशील रहे तथा यह संकल्प लें कि प्रत्येक दिन एक गरीब का आंसू जरूर पोछेंगे।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, उप जिलाधिकारी तथा अन्य अधिकारियो द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त किए गए। इसके उपरांत जिलाधिकारी महोदय द्वारा नवोदय विद्यालय के छात्र/ छात्राओं को पुरस्कार के रूप में स्कूली बैग तथा नगद धनराशि देकर सम्मानित किया गया।कलेक्ट्रेट में झंडारोहण के पूर्व जिलाधिकारी तथा अपर जिलाधिकारी द्वारा गांधी आश्रम में महात्मा गांधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। तथा उन्होंने रुई से धागा बनाने वाले चरखे को भी चलाया।गांधी जयंती समारोह के दौरान मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ सदानंद गुप्ता, उप जिलाधिकारी मोहनलाल गुप्ता, उप जिलाधिकारी बाबूराम, उप जिलाधिकारी हरिशंकर लाल, उप जिलाधिकारी सुभाष सिंह उप जिलाधिकारी रोशनी यादव प्रशिक्षु उप जिलाधिकारी अतुल कुमार सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी , जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारी /कर्मचारी गण मौके पर उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री जो फातिमा सीनियर सेकेण्डरी स्कूल की छात्रा है। विद्यालय के अभिलेख में छात्रा की मां का नाम त्रुटिवश ISRAT JAHAN दर्ज हो गया है जो कि गलत है। छात्रा की मां का सही नाम ISHRAT JAHAN है।

मोहम्मद उस्मान पुत्र मो0 हुसैन निवासी-मेवातियान, पर0 तह0 व जिला गोण्डा

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स–05262–230683

मो0– 09415120085

लखनऊ कार्यालय–

फोन– 0522–4028445

मो0– 09415249085

:- E-mail :-

trigutdainik@gmail.com